राष्ट्रीय दैनिक

हर खबर की खबर

प्रातःकिरण

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 इलॉन मस्क का भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड ......

अभिषेक शर्मा ने क्रिस गेल को पछाड़..... 11

वर्ष : 17 | अंक : 163 | नई दिल्ली, रविवार 04 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 42.0°C

न्यूनतम तापमान 34.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां 50%

नहीं 20%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 1,51,000

चांदी 2,52,544

सेंसेक्स 74,623.00

निफ्टी 24,854.01

शाह बोले- एमपी को 2029 तक नशामुक्त करेंगे: कांग्रेसियों ने 75 साल तक सहकारिता मंत्रालय बनने नहीं दिया

प्रात: किरण, एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को भोपाल से मध्य प्रदेश की कानून-व्यवस्था और सामाजिक नीति को लेकर दो बड़े संदेश दिए। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर 2029 के बाद मध्य प्रदेश में नशे के लिए जगह नहीं होगी और राज्य को नशामुक्त बनाने के लिए विस्तृत योजना पर काम किया जा रहा है। साथ ही नए आपराधिक कानूनों को न्याय-केंद्रित बताते हुए उन्होंने कहा कि इसका मूल मंत्र ह्यन्याय है, दंड नहीह्न। नई व्यवस्था में एफआईआर दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय तक न्याय दिलाने का लक्ष्य तीन वर्ष का है। भोपाल के मेला दशहरा मैदान में गोपालक सम्मेलन और पुलिस की प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान शाह ने कहा कि वह मध्य प्रदेश की माताओं को यह भरोसा दिलाने आए हैं कि 31 दिसंबर 2029 के बाद उनके बेटे-बेटियों के लिए राज्य में नशे की जगह नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य के लिए बारीकी से योजना तैयार की जा रही है। वे नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई को लगातार आंतरिक

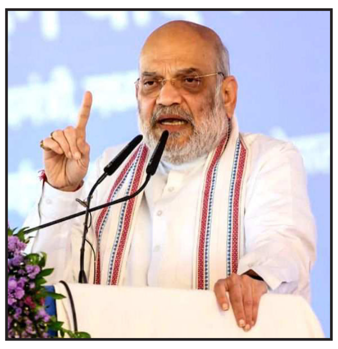

सुरक्षा से जोड़ते रहे हैं। अगस्त 2026 में भी उन्होंने राज्यों से नशे के खिलाफ अभियान तेज करने और सुरक्षित तथा नशामुक्त भारत के लक्ष्य पर जोर दिया था। ह्यन्याय है, दंड नहीह्न से बदलेगी आपराधिक न्याय व्यवस्था केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि अंग्रेजों के समय बनाए गए आपराधिक कानूनों का उद्देश्य तत्कालीन शासन और प्रशासन की रक्षा करना था। उनके अनुसार, नए कानूनों का केंद्र भारतीय नागरिक का सम्मान, संपत्ति और शरीर की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था में न्याय की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने पर जोर है। केंद्र सरकार ने भी नए आपराधिक कानूनों के बारे में स्पष्ट किया है कि इनमें दंड के स्थान पर त्वरित न्याय, पीड़ितों के अधिकारों की सुरक्षा और तकनीक के इस्तेमाल को महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई 2024 से लागू हुए हैं। सरकार के अनुसार, इनके पूर्ण क्रियान्वयन के बाद आपराधिक न्याय व्यवस्था में पुलिस, अभियोजन और न्यायपालिका की कई प्रक्रियाओं को समयसीमा से जोड़ा गया है।

35 हजार गोपालकों के बीच ह्यवेत क्रांति का संदेश शाह ने 11 जिलों से आए करीब 35 हजार गोपालकों के सम्मेलन को भी संबोधित किया। इस दौरान गोशालाओं के लिए करीब 101 करोड़ रुपये की राशि दिए जाने की घोषणा हुई। राज्य स्तरीय गौपालक सम्मेलन में सिंगल क्लिक से उज्जैन में 255 करोड़ की लागत से 3 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले दुग्ध प्रोसेसिंग प्लांट का भूमिपूजन, भोपाल में डेयरी प्रोडक्ट प्लांट, अत्याधुनिक प्रयोगशाला और शिवपुरी में मिनी डेयरी प्लांट के सुदृढ़ीकरण कार्य का लोकार्पण किया।

कूड़े के पहाड़ वाली जगह से 100 एकड़ जमीन खाली कराई गई: रेखा गुप्ता

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को ओखला, गाजीपुर और सिंघोला कूड़े के पहाड़ वाली जगह पर कचरा प्रसंस्करण सुविधाओं की आधारशिला रखी। गुप्ता ने कहा कि सरकार ने पिछले डेढ़ साल में शहर के तीन कूड़े के पहाड़ वाली जगहों से 100 एकड़ जमीन खाली कराई है। इन सुविधाओं का उद्देश्य कूड़े और निर्माण एवं तोड़फोड़ से निकलने वाले कचरे का प्रसंस्करण करना और शहर में कचरे के नए पहाड़ बनने से रोकना है। रेखा गुप्ता ने ओखला में कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से कहा कि सरकार दो मोर्चों पर काम कर रही है, मौजूदा कूड़े के पहाड़ वाली जगह से पुराने कचरे को

हटाना और यह सुनिश्चित करना कि रोजाना निकलने वाले कचरे का ढेर लगाए बिना उसका प्रसंस्करण किया जाए। उन्होंने कहा, आज ओखला में हमने जनवरी 2025 से पहले मौजूद लगभग पूरा पुराना कचरा प्रसंस्कृत कर दिया है। रेखा गुप्ता ने कहा कि रोजाना करीब 3,000-4,000 मीट्रिक टन कचरा इस स्थल पर पहुंचता है और नई इकाई के जरिये उसका नियमित रूप से प्रसंस्करण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार मौजूदा कचरे के पहाड़ों को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, लोग देख रहे हैं कि कूड़े के पहाड़ लगातार छोटे हो रहे हैं और जल्द ही ऐसा समय आएगा जब ये पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि कचरा प्रसंस्करण सुविधाओं से बायोगैस, हरित ऊर्जा और खाद का भी उत्पादन होगा। रेखा गुप्ता ने कहा, कचरा सिर्फ कचरा नहीं रहना चाहिए, दिल्ली को इसका इस्तेमाल संपदा के रूप में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कचरे को अलग करने और उसके प्रसंस्करण के लिए नई तकनीकों को अपनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने ओखला, गाजीपुर व सिंघोला में नए कचरा प्रसंस्करण संयंत्रों का किया शिलान्यास

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को ओखला, गाजीपुर और सिंघोला में नए कचरा प्रसंस्करण संयंत्र और गाजीपुर में बायोगैस संयंत्र का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने आज कोटला मुबारकपुर स्थित मातृ एवं शिशु कल्याण केंद्र तथा आयुर्वेदिक पॉलिटेक्निक का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, महापौर प्रवेश वाही सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओखला, भलस्वा और गाजीपुर में अब तक 217.17 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण कर 100 एकड़ भूमि को मुक्त कराया जा चुका है। नए प्लांट इस रफ्तार को और बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि जहां आज कूड़े के पहाड़ दिखाई देते हैं, वहां साफ जमीन, हरियाली दिखे और आसपास रहने वाले परिवार राहत की सांस लें, यही सरकार का प्रयास है। उन्होंने कहा कि राजधानी में कूड़े के ये पहाड़ खत्म होंगे।

तिरुपति की फार्मा कंपनी में बॉयलर फटा, 5 की मौत 10 लोग गंभीर घायल

प्रात: किरण, एजेंसी

आंध्र प्रदेश। के तिरुपति में श्री सिटी की एक फार्मा कंपनी में बॉयलर फट गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है। धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग का हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। सत्यवेडु मंडल में हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और इमरजेंसी सर्विस टीमें मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। अधिकारी ने मृतकों की पहचान जारी नहीं की एक अधिकारी के मुताबिक, बॉयलर फटने की सही वजह अभी पता नहीं चली है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि हादसा तकनीकी खराबी,

सुरक्षा व्यवस्था में चूक, संचालन संबंधी लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुआ। अधिकारियों ने अभी सभी मृतकों की पहचान और हादसे की पूरी जानकारी जारी नहीं की है। बचाव अभियान और घायलों की मेडिकल जांच पूरी होने के बाद मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि होने की उम्मीद है। राज्य में यह पिछले एक साल में हुआ एक और बड़ा औद्योगिक हादसा है। इसी साल जून में विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में पिघला हुआ स्टील ले जा रहा लैडल टूट गया था। इसके बाद आग में 8 कर्मचारियों की मौत हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा, अभिजीत दिपके अपने बयानों के लिए माफी मांगें

नईदिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दिपके द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लेकर दिए गए बयानों पर केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास अच्छी बात है, लेकिन जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास में भाषा की शैली खराब नहीं होनी चाहिए। मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अभिजीत दिपके ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को लेकर जिस तरह के बयान दिए हैं, उसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि उनमें जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास आ गया है। यह अच्छी बात है कि कुछ युवा उनका समर्थन कर रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री के बारे में गलत बातें कहना बिल्कुल भी सही नहीं है। यह कहना भी सही नहीं है कि नेहरू ने बाबा साहेब अंबेडकर को बनाया। बाबा साहेब अंबेडकर ने पूरे देश की तरक्की में योगदान दिया। संविधान का मसौदा तैयार करके उन्होंने देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया। वे हमारे समाज से आते हैं। मैं मांग करता हूं कि जिन शब्दों का इस्तेमाल उन्होंने किया है, उसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव ने अभिजीत दिपके के बयान पर कहा कि वे हाल के दिनों में पूरी तरह से एक्सपोज हो गए हैं। इन पर पहले भी आरोप लगते थे कि वे आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और राहुल गांधी के फ्रंट के तौर पर काम करते हैं, और अब यह बात सामने भी आ गई है। जब जंतर-मंतर पर धरना चल रहा था, उस समय राहुल गांधी सदन का सत्र जारी रहने के बावजूद तमाम सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़कर प्रधानमंत्री आवास पर धरने पर बैठ गए थे। अभिजीत दिपके ने भी वैसी ही बातें कहीं थीं, जैसी अरविंद केजरीवाल ने कही थीं। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि वे अपने बच्चों की सौगंध खाते हैं कि राजनीति में नहीं आएंगे, लेकिन वे राजनीति में आए और आज उनकी गिनती सबसे भ्रष्ट नेताओं में होती है। अभिजीत दिपके ने भी कहा था कि वे केवल छात्रों के हित से जुड़े मुद्दों को लेकर यहां हैं और उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल पापारो छह दविसीय भारत दौरे पर, रक्षा सहयोग बढ़ाने पर होगी बात

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे. पापारो 3 से 8 अक्टूबर तक भारत के दौरे पर रहेंगे। भारत में अमेरिकी दूतावास के मुताबिक, उनकी इस यात्रा का मकसद भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों और दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग को और मजबूत करना है। अमेरिकी दूतावास ने उनकी यात्रा की जानकारी देते हुए कहा, अपने दौरे के दौरान एडमिरल पापारो भारतीय अधिकारियों के साथ साझा सुरक्षा प्राथमिकताओं पर बातचीत करेंगे। इनमें डिजिटल बदलाव और नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल, क्षेत्र में रणनीतिक स्थिरता बनाए रखना, रक्षा क्षेत्र में ऊर्जा से जुड़ी मजबूती बढ़ाना और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से निपटना शामिल है। अमेरिकी दूतावास के मुताबिक, भारत और अमेरिका मिलकर ऐसी रक्षा साझेदारी तैयार कर रहे हैं, जो नई टेक्नोलॉजी से लेकर समुद्री सुरक्षा

तक भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो। दूतावास ने कहा, एडमिरल पापारो की यात्रा भारत-अमेरिका की मेजर डिफेंस पार्टनरशिप की मजबूती को दिखाती है। साथ ही यह हिंद महासागर क्षेत्र में अमेरिका की लंबे समय तक मौजूदगी और उसके हितों को भी दोहराती है ह्व एडमिरल पापारो इससे पहले इसी साल 14 से 19 फरवरी तक भारत आए थे। उस यात्रा का मकसद भी दोनों देशों के रक्षा संबंधों और रणनीतिक सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना था। उस दौरान उन्होंने नई दिल्ली में तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तत्कालीन नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी से मुलाकात की थी। बातचीत में क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा और दोनों देशों की सेनाओं की मिलकर ऑपरेशन करने की क्षमता जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी। पापारो ने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ हरियाणा के चंडीमंदिर स्थित भारतीय सेना की वेस्टर्न कमांड के मुख्यालय का भी दौरा किया था। वहां उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार के साथ ऑपरेशनल ब्रीफिंग में हिस्सा लिया था। इसके बाद एडमिरल पापारो बेंगलुरु भी गए थे। वहां उन्होंने नेशनल फ्लाइट टेस्ट सेंटर का दौरा किया और एयरोस्पेस सेक्टर में हो रहे इनोवेशन तथा एचएएल तेजस से जुड़ी सुविधाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप को और बढ़ाने पर जोर दिया था। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग काफी व्यापक हो चुका है।

राहुल गांधी ने सत्याग्रह पहल शुरू की कहा- लोग अपनी समस्याएं भेजें

महात्मा गांधी ने भी यही तरीका अपनाया था, आज भी 8,500+ लेटर रिकॉर्ड में

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने देशभर में अन्याय और अपने हक के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को एक साथ जोड़ने के लिए सत्याग्रह नाम से एक पहल शुरू की है। राहुल ने कहा कि जो भी लोग अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं, वे अपनी कहानी भेजें। मैं नेता विपक्ष के रूप में संसद से लेकर सड़क तक आपके साथ खड़ा हूं। राहुल की इस पहल का नाम महात्मा गांधी के ह्यसत्याग्रहह्न से जुड़ा है। आजादी की लड़ाई के दौरान गांधीजी ने भी यही तरीका अपनाया था। गांधी हेरिटेज पोर्टल के मुताबिक, उस समय लोगों ने गांधीजी को जमीन, संपत्ति, जेल और अन्याय से जुड़े मामलों की जानकारी भेजी थी। गांधीजी को भेजे गए 8,500 से ज्यादा लेटर आज भी मौजूद हैं। हालांकि, वास्तविक संख्या ज्यादा हो सकती है। राहुल बोले- अकेले लड़ने वालों की आवाज दब जाती है राहुल गांधी ने पर लिखा- देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। जेन-जी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं। हर संघर्ष की अपनी

कहानी है। पर जो आवाज अकेली उठती है, वो अक्सर दब जाती है। सत्याग्रह इन्हीं आवाजों को एक साथ लाने की पहल है। बापू ने यही सिखाया था - सच सबसे बड़ा हथियार है। पर उससे भी बड़ा हथियार है, एकता में सच के साथ खड़े होना। अगर आप भी किसी अन्याय से लड़ रहे हैं - अपनी कहानी भेजिए। दो मिनट लगेंगे। विपक्ष 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग का घेराव करेगा मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और वोटर लिस्ट के SIR के विरोध में विपक्षी दल, कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) और लेफ्ट छात्र संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं। उखढ ने शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन किया। वे 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जुटेंगे। वहीं, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सांसद 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग का घेराव करेंगे।

मध्यप्रदेश में 237 पर्यावरण मंजूरी नियम विरुद्ध अब सिया बैठक में फैसला, केंद्र ने कहा- डीम्ड क्लीयरेंस का प्रावधान नहीं; 13 अक्टूबर को सुनवाई

मध्यप्रदेश। मप्र राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (मप्र-सिया) में अध्यक्ष और सदस्य सचिव के बीच 83 दिनों तक चली खींचतान के कारण बिना बैठक के दी गईं 237 पर्यावरण मंजूरियां (ईसी) अब कानूनी सवालों के घेरे में हैं। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अपने जवाबी हलफनामे में कहा है कि पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 में किसी भी तरह की डीम्ड क्लीयरेंस का प्रावधान नहीं है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि इन 237 मामलों में एसईएसी अपना मूल्यांकन पूरा कर चुकी थी, लेकिन सिया की बैठक नहीं होने के कारण अंतिम फैसला नहीं हो सका। इसलिए अब इन सभी मामलों को मप्र-सिया की औपचारिक बैठक में रखकर दोबारा फैसला लेना ही कानूनी रूप से सही कदम होगा। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में 13 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट में पेश फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी या सिएक) केवल एक मूल्यांकन और सिफारिशी निकाय है। अंतिम मंजूरी देने का कानूनी अधिकार केवल राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएआई या सिया) को ही है। ईआईए अधिसूचना 2006 के तहत किसी भी प्राधिकारी (राज्य के अफसरों) के पास डीम्ड क्लीयरेंस जारी करने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हुई जांच, इसी में खुलासा सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पर्यावरण मंत्रालय ने 2025 में अतिरिक्त सचिव डॉ. अमनदीप गर्ग की अध्यक्षता में फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई। जांच में सामने आया कि मप्र-सिया की 83 दिन बैठक नहीं हुई। इस दौरान 237 डीम्ड ईसी जारी की गईं। इनमें 186 ईसी, 37 टीओआर, 10 रिजेक्शन और 4 ट्रांसफर/ वैलिडिटी एक्सटेंशन के मामले थे।

गुवाहाटी के नाइटक्लब में महिला से बदसलूकी, कपड़े उतारकर पीटा

नई दिल्ली। असम के गुवाहाटी के खानापारा इलाके के एक नाइटक्लब में गुरुवार देर रात महिला से मारपीट और बदसलूकी का मामला सामने आया। आरोप है कि बाउंसरों ने महिला को कपड़े उतारकर पीटा। मामला द लोकल्स कैफे एंड लाउंज का है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें महिला पार्किंग एरिया में फर्श पर बिना कपड़ों के दिखाई देती है। दो महिलाएं उसे लात मारती नजर आती हैं, जबकि कई पुरुष आसपास खड़े हैं। पुलिस ने क्लब मैनेजर को हिरासत में लिया है। इंडिया टूडे की रिपोर्ट के मुताबिक, बिल्डिंग के सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि महिला अपने कुछ दोस्तों के साथ क्लब पहुंची थी। क्लब के अंदर उसने एक बाउंसर को बीयर की बोतल से मारा था। इसके बाद दूसरे बाउंसर उसे पकड़कर चौथी मंजिल से नीचे पार्किंग एरिया में ले आए। हालांकि, विवाद की शुरूआत क्यों और कैसे हुई, इसका पता नहीं चल सका है। गार्ड के मुताबिक, पार्किंग में लाने के बाद बाउंसरों ने महिला के साथ मारपीट की। उसके शरीर के ऊपर के कपड़े भी उतार दिए। एक शख्स महिला को गोद में उठाते दिखा वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो भी बनाया। वीडियो में महिला फर्श पर पड़ी दिखाई देती है। उसके ऊपरी शरीर पर कपड़े नहीं थे, जबकि नीचे काली पैंट पहनी हुई थी। दो महिलाएं उसे लात मारती नजर आती हैं। एक अन्य वीडियो में एक पुरुष महिला को गोद में उठाने की कोशिश करता दिखाई देता है। इसके बाद एक कार सामने आ जाती है, जिससे कुछ देर के लिए कैमरे का दृश्य छिप जाता है। इसके बाद महिला वहां दिखाई नहीं देती, जबकि कुछ पुरुष आपस में बातचीत करते नजर आते हैं।

आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग केस: लालू, तेजस्वी, राबड़ी पर आरोप तय करने की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी समेत 9 लोगों के खिलाफ आरोप तय होने की प्रक्रिया फिलहाल टल गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली इस सुनवाई के लिए अब 30 अक्टूबर की अगली तारीख तय की गई है। इससे पहले 11 सितंबर को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा फैसला सुनाया था। कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की थी। यह जांच सीबीआई, नई दिल्ली द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर की गई थी। सीबीआई ने तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, पीसी गुप्ता और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जांच के अनुसार, तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव पर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया था था। उन्होंने पुरी और रांची के रेलवे होटलों के विकास व संचालन का ठेका नियमों को ताक पर रखकर मैसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित किया था। इस आवंटन के एवज में, मैसर्स डिलाइट मार्केटिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को अत्यंत कम कीमत पर दो एकड़ भूखंड हस्तांतरित करने का सौदा हुआ था।

राष्ट्रीय राजधानी में कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 में बोलते हुए......

एआई से जुड़ी कंपनियों के वैल्यूएशन में कमी से भारत में बढ़ सकता है पूंजी प्रवाह: आरबीआई गवर्नर

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी कंपनियों के वैल्यूएशन में कमी से वैश्विक निवेश चक्र में धीमेपन के बावजूद भारत में पूंजी प्रवाह में वृद्धि हो सकती है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की ओर से शनिवार को दी गई। राष्ट्रीय राजधानी में कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 में बोलते हुए, मल्होत्रा ने कहा कि हाल के वर्षों में एआई निवेश में आई तेजी ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केट के लिए एक मुख्य प्रेरक रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एआई से जुड़े निवेश या कमाई में किसी भी तरह की कमी से इस सेक्टर से जुड़ी वित्तीय संपत्तियों की कीमतों में बड़ा बदलाव आ सकता है। इस तरह की गिरावट वैश्विक बाजारों के लिए जोखिम

है, लेकिन इसका भारत पर सकारात्मक प्रभाव होगा। मल्होत्रा ने कहा, अगर विकसित देशों में एआई से जुड़ी वैल्यूएशन में सुधार होता है, तो इससे पूंजी के प्रवाह पर सकारात्मक असर पड़ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि हाल के महीनों में भारतीय इक्विटी मार्केट में भी ऊंचे वैल्यूएशन से सुधार हुआ है, लेकिन उन्होंने इसे प्रक्रिया का हिस्सा बताया। आरबीआई गवर्नर ने एआई से जुड़ी वैल्यूएशन में अत्यधिक बढ़ोतरी को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली के सामने मौजूद पांच प्रमुख चिंताओं में से एक बताया। उनके अनुसार, अन्य जोखिमों में ग्लोबल स्तर पर बढ़ा हुआ कर्ज, नॉन-बैंक फाइनेंशियल सेक्टर में लीवरेज (उधार लेकर निवेश), प्राइवेट क्रेडिट एक्सपोजर का बढ़ना और साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरे शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि इन कमजोरियों का मतलब तुरंत कोई फाइनेंशियल संकट आना नहीं है। उन्होंने कहा, ह्लऐसा नहीं है कि मुझे संकट के कोई तुरंत संकेत दिख रहे हैं, लेकिन हमें इन जोखिमों को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। देश मजबूत व्यापक आर्थिक आधार और बैंकों व नॉन-बैंक फाइनेंशियल संस्थानों की मजबूत बैलेंस शीट के दम पर एक चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल का सामना कर रहा है उन्होंने माना कि कमोडिटी की कीमतों, ग्लोबल फाइनेंशियल स्थितियों और कैपिटल फ्लो के कारण देश बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि घरेलू फाइनेंशियल सिस्टम मजबूती बनाए हुए है।

CJP फाउंडर दीपके की पोस्ट बैन ममता बनर्जी को धन्यवाद कहा था बोले- 10 अक्टूबर से पहले हैंडल हटाया जा सकता है

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके की ममता बनर्जी को धन्यवाद देने वाली पोस्ट बैन कर दी गई है। TMC सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने पहले की गई धन्यवाद पोस्ट और बैन पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। इसके बाद दीपके ने शनिवार को कहा कि 10 अक्टूबर से पहले उनका हैंडल हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो उन्हें हैरानी नहीं होगी। उखढ मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और रक्फ्रके विरोध में प्रदर्शन कर रही है। शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन के बाद उखढ

ने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं, तो 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन किया जाएगा। ममता ने कहा था- CJP, युवाओं और छात्रों के साथ खड़ी हूं दरअसल, ममता बनर्जी ने CJP आंदोलन को समर्थन देते हुए शुक्रवार को कहा था कि वह CJP, युवाओं और छात्रों के साथ पूरी तरह खड़ी हैं। उनके बयान को डेरेक ओ ब्रायन ने शेयर किया था। डेरेक ओ ब्रायन की पोस्ट पर दीपके ने ममता को टैग करते हुए पर आंदोलन के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया था। हालांकि, बाद में ने पोस्ट को बैन कर दिया। पोस्ट खोलने पर लिखा आ रहा है, स्थानीय नियमों के कारण यह कंटेंट पर बैन है। डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि सरकार के दबाव में पोस्ट को बैन किया गया। CJP ने मुंबई के शिवाजी पार्क में शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। पार्टी ने वोटर लिस्ट के रक्फ्रको लेकर भी सवाल उठाए थे। इस दौरान स्टेज पर मौजूद सभी लोग महात्मा गांधी की फोटो वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे थे। दीपके ने गांधी और अंबेडकर का जिक्र किया था।

उत्तराखंड प्रीमियर लीगः

देहरादून वॉरियर्स बनी चैंपियन, खिताबी मुकाबले में हरिद्वार इल्मास को 36 रनों से हराया

देहरादून, एजेंसी। देहरादून की ओर से गेंदबाजी में सबसे बड़े हीरो आदित्य रावत साबित हुए, उन्होंने अपनी घातक गेंदबाजी से हरिद्वार के मध्य और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के तीसरे सीजन का बृहस्पतिवार को खिताबी मुकाबले के साथ समापन हो गया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस खिताबी मुकाबले में देहरादून वॉरियर्स ने हरिद्वार इल्मास को 36 रनों से शिकस्त देकर ट्रॉफी अपने नाम की।

फाइनल मुकाबले में देहरादून ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। हालांकि टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और महज 22 रन के स्कोर पर ही टीम के दो महत्वपूर्ण विकेट गिर चुके थे। इसके बावजूद कप्तान कुणाल चंदेला ने धैर्य के साथ संतुलन बनाते हुए पारी की कमान संभाली। उन्होंने 51 गेंदों में आठ चौकों और चार छक्कों की मदद से 90 रनों की पारी खेली।

दूसरे छोर से मोहम्मद उजैर मलिक ने उनका साथ निभाया और 46 गेंदों में चार चौके व चार छक्के जड़ते हुए 64 रन ठोके। दोनों बल्लेबाजों की बदौलत देहरादून ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 197 रनों का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरिद्वार की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। देखते ही देखते 68 रन के स्कोर तक हरिद्वार की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी गई। देहरादून की ओर से गेंदबाजी में सबसे बड़े हीरो आदित्य रावत साबित हुए, उन्होंने अपनी घातक गेंदबाजी से हरिद्वार के मध्य और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया। आदित्य ने 3.4 ओवरों में मात्र 19 रन खर्च करके चार महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए। अभिषेक सिंह ने चार ओवर में 39 रन देकर दो सफलताएं हासिल कीं, जबकि सुमित जुयाल ने भी तीन ओवरों में 27 रन देकर दो विकेट चटकाए। हरिद्वार की ओर से शाश्वत डंगवाल ने 59 रनों पारी खेलकर मैच में जान फूंकने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से कोई अन्य बल्लेबाज टिक न सका। आखिरकार हरिद्वार की पूरी टीम 19.4 ओवरों में 161 रनों पर ढेर हो गई और देहरादून ने 36 रनों से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यमों से वन्यजीव संरक्षण का दिया संदेश

रामनगर, एजेंसी। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व और उससे सटे वन प्रभागों ने वन्यजीव प्राणी सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। सीटीआर में वन्यजीव सप्ताह का शुभारंभ जन-जागरूकता साइकिल रैली के साथ हुआ। रैली को क्षेत्रीय विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में स्कूली बच्चों, वन विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रामनगर में वाइल्डलाइफ आर्ट गैलरी ट्रस्ट, रामनगर वन प्रभाग और सीताबनी नेचर गाइड एसोसिएशन की ओर से भी जागरूकता रैली निकाली गई। आर्ट गैलरी के संस्थापक दीप रजवार ने बताया कि रैली में ग्रेट मिशन स्कूल, शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल और एमपीआईसी इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कालागढ़ रेंज में भी रेंज कार्यालय से कॉर्बेट वन्यजीव प्रशिक्षण केंद्र तक जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान पार्क निदेशक डॉ साकेत बडोला, उपनिदेशक राहुल मिश्रा, पार्क वार्डन बिंदरपाल, रेंजर कृष्णा मेहरा, नंद किशोर रूवाली, ललित आर्या, संजय पांडेय, प्रमोद त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

सड़क पर टहल रहीं 85 वर्षीय बुजुर्ग को पिकअप ने मारी टक्कर

नैनीताल, एजेंसी। सूखाताल क्षेत्र में बृहस्पतिवार को सुबह सड़क पर टहल रहीं 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आ गईं। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें लेकर तत्काल बीडी पांडे अस्पताल पहुंचे जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। सूखाताल निवासी लक्ष्मी देवी बृहस्पतिवार सुबह रोजाना की तरह घर के समीप सड़क पर टहल रही थीं। इसी दौरान पीछे से आ रही पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। लक्ष्मी देवी के बेटे राजाराम ने बताया कि हादसे के बाद वह पिकअप चालक को लेकर कोतवाली पहुंचे थे। चालक ने उनकी मां के उपचार का पूरा खर्च उठाने पर सहमति जताई है। इस कारण फिलहाल मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कोतवाल राजेंद्र रावत ने बताया कि फिलहाल चालक की ओर से महिला का उपचार कराया जा रहा है। कोई कार्रवाई नहीं चाहने पर अभी कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

जैम फैक्टरी में महिलाएं बनाएंगी बताशे और खिलौने

हल्द्वानी, एजेंसी। नगर निगम की महिला समूहों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल रंग लाएगी। छह स्वयं सहायता समूह टनकपुर रोड स्थित जैम फैक्टरी परिसर में खिलौने और बताशे तैयार करेंगी। त्योहार और पर्व पर यह सामग्री बाजार में उपलब्ध कराई जाएगी। नगर निगम की ओर से समूह से जुड़ी करीब 50 महिलाओं को पूर्व में प्रशिक्षण दिया गया था लेकिन स्थान उपलब्ध न होने के कारण महिलाएं सामग्री तैयार नहीं कर पा रही थी। निगम प्रशासन ने समूहों के लिए स्थान उपलब्ध करा दिया है। मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने बताया कि त्योहारों पर मिलावटखोरी की शिकायत को देखते हुए यह निर्णय लिया गया था। अब महिलाएं स्वयं उत्पाद तैयार कर क्वालिटी के साथ इसे उपलब्ध कराएंगी।

आरटीओ के अभियान में 1125 के चालान, 100 वाहन सीज

हल्द्वानी, एजेंसी। आरटीओ की ओर से 28 से 30 सितंबर तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। हल्द्वानी संभाग के नैनीताल जिले के साथ ही यूएसनगर, चंपावत में 1125 वाहनों का चालान और 100 सीज किए गए हैं। इनमें यूएसनगर के सबसे अधिक 617 चालान और 79 सीज वाहन शामिल हैं। आरटीओ प्रवर्तन अरविंद पांडेय ने बताया कि बिना रिफलेक्टर, ओवरसाइज, बिना डीएल वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

कैंची धाम के लिए रूट डायवर्जन, शटल से मंदिर पहुंचेंगे श्रद्धालु

हल्द्वानी, एजेंसी। लंबे वीकेंड के चलते कैंची धाम, भवाली और भीमताल में श्रद्धालुओं व पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने बृहस्पतिवार को रूट डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह व्यवस्था दो से चार अक्तूबर तक लागू रहेगी। कैंची धाम जाने वाले निजी वाहनों को पार्किंग स्थलों पर रोककर शटल सेवा से श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। वीकेंड के दौरान टैक्सी एवं दुपहिया टैक्सी वाहनों का कैंची धाम क्षेत्र में अनावश्यक प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। कैंची धाम जाने वाले पर्यटकों के निजी वाहनों को भीमताल विकास भवन और भवाली सैनिटोरियम पार्किंग में पार्क किया जाएगा। यहां से श्रद्धालुओं को शटल सेवा के जरिये कैंची धाम भेजा जाएगा।

लामाचौड़ से गन्ना सेंटर तक बिजली गुल, 50 हजार हुए परेशान

लामाचौड़, एजेंसी। शहर में बन रहे नये बिजलीघरों की लाइनें खींचने के लिए घंटों बिजली कटौती की गई। इससे लामाचौड़ से लेकर रामपुर रोड गन्ना सेंटर तक की 50 हजार की आबादी को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। विद्युत वितरण खंड ग्रामीण डिविजन के शहर के फूलचौड़, फुटकुआं, टीपीनगर, कठघरिया, कमलुवागांजा बिजलीघर से बृहस्पतिवार को सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक शटडाउन शेड्यूल जारी किया गया था। शाम को रामपुर रोड इलाके में देर शाम तक बिजली ठप रही। अधिशासी अभियंता एसके गुप्ता ने बताया कि शटडाउन शेड्यूल के तहत काम किया गया। इस बीच लाइनों की लॉपिंग-चॉपिंग भी कराई गई।

रोज हिप्स की वैज्ञानिक प्रोसेसिंग से पहाड़ में खुलेंगे कमाई के रास्ते

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध जंगली गुलाब के फल (रोज हिप्स) अब ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आय का जरिया बन सकते हैं। इनके वैज्ञानिक संग्रहण, कटाई, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के जरिए स्थानीय जैव-संसाधनों को बाजार से जोड़ने पर जोर दिया गया। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ साइंस की ओर से उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून के वित्त पोषण से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में चंपावत और पिथौरागढ़ के प्रगतिशील किसानों, समुदाय प्रतिनिधियों और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस दौरान परियोजना अन्वेषक डॉ. एसएन ओझा, सह-परियोजना अन्वेषक डॉ. विशाल कुमार शर्मा समेत अन्य विशेषज्ञों ने भाग लिया।

शिक्षक की बेटी गरिमा थपलियाल बनीं नायब तहसीलदार

देहरादून, एजेंसी। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज सेलाकुई के जीव विज्ञान प्रवक्ता दिवाकर थपलियाल की बेटी गरिमा थपलियाल ने पीसीएस लोअर सबऑर्डिनेट परीक्षा में 16वां स्थान प्राप्त किया। उनका चयन नायब तहसीलदार के पद पर हुआ है। गरिमा ने यह सफलता अपने पहले ही प्रयास में हासिल की।

वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता-2026:

उत्तराखंड की सानिया जोशी और पार्थ वोहरा ने बढ़ाया मान, जीते दो रजत पदक

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने दोनों युवाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि विश्व के प्रतिष्ठित कौशल मंच पर पदक जीतना प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

48वीं वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता-2026 में उत्तराखंड के दो युवाओं ने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीते हैं। उत्तरकाशी की सानिया जोशी ने रिटेल सेल्स में यह उपलब्धि हासिल की। देहरादून के पार्थ वोहरा ने औद्योगिक डिजाइन तकनीकी कौशल में रजत पदक जीता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने दोनों युवाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि विश्व के प्रतिष्ठित कौशल मंच पर पदक जीतना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य युवाओं को कौशल विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। उत्तराखंड कौशल विकास समिति के परियोजना निदेशक नरेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता को कौशल के क्षेत्र में ओलंपिक के समान माना जाता है।

इस प्रतियोगिता में लगभग एक हजार चार सौ प्रतिभागियों ने चौसठ विभिन्न कौशल विधाओं में हिस्सा लिया। भारत ने कुल आठ रजत पदक और बीस मेडल फॉर एक्सीलेंस प्राप्त किए। भारत ने विश्व स्तर पर दसवां स्थान हासिल किया। यह प्रतियोगिता में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

सानिया जोशी और पार्थ वोहरा ने वर्ल्ड स्किल्स के लिए इंडियास्किल्स की राज्य, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग ने उन्हें सहयोग दिया। उत्तराखंड कौशल विकास समिति ने भी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में मदद की। बूट-कैंप, यात्रा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में भी सहयोग प्रदान किया गया।

हरिद्वार में पूर्व मेयर के होटल पर छापेमारी, जीएसटी ने खंगाले दस्तावेज

हरिद्वार, एजेंसी। पूर्व मेयर अनीता शर्मा के होटल पर मंगलवार को जीएसटी विभाग की टीम ने छापेमारी की है. हरिद्वार रेलवे स्टेशन के सामने स्थित होटल अशोका में जीएसटी विभाग की कार्रवाई चल रही है. होटल का संचालन पूर्व मेयर के पति अशोक शर्मा द्वारा किया जाता है. अशोक शर्मा कांग्रेस में सक्रिय हैं और विधानसभा चुनाव के दावेदार माने जा रहे हैं. जानकारी के अनुसार, जीएसटी विभाग की टीम मंगलवार को

होटल पहुंची. जिसके बाद जीएसटी ने दस्तावेजों की जांच शुरू की. टीम होटल से जुड़े कागजात और अन्य अभिलेख खंगाल रही है. कार्रवाई के दौरान होटल में मौजूद कर्मचारियों और संचालकों से भी आवश्यक जानकारी ली जा रही है. जीएसटी विभाग की टीम की ओर से फिलहाल छापेमारी के कारणों और जांच में सामने आए तथ्यों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है. विभागीय टीम दस्तावेजों की जांच पूरी करने के बाद ही आगे की कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट कर सकती है. होटल में जीएसटी विभाग की कार्रवाई जारी है. अशोक शर्मा भी मौके पर मौजूद हैं.

प्रधानाचार्य के घर में लूट का खुलासा, 65 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

.देहरादून, एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र के बरोटीवाला के ग्रेट वैल्यू स्कूल परिसर में स्कूल संचालिका एवं प्रधानाचार्य के घर में हुई लूट के मामले में पुलिस ने बुधवार रात को नवाबगढ़ निवासी 65 वर्षीय आरोपी बाबूराम को गिरफ्तार किया। उसके पास से पांच हजार रुपये, फीस बुक, तीन फीस कार्ड और वारदात में प्रयोग की गई बाइक बरामद हुई। मामले में तीन आरोपी पंजाब के लुधियाना निवासी सोनू, भटिंडा निवासी राजेंद्र और पटेलनगर चौकी क्षेत्र के नयागांव निवासी मदन फरार चल रहे हैं। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि 23 सितंबर को बरोटीवाला निवासी गोपाल सिंह के घर की जाली तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी लूटी गई थी। गोपाल सिंह की पत्नी नीलम राठौर स्कूल संचालिका व प्रधानाचार्य हैं। शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली और संदिग्धों की जानकारी जुटाई। लगातार सुरागरसी के बाद मुखबिर की सूचना पर बाबूराम को पुल नंबर एक के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में बाबूराम ने बताया कि उसने पहले घर की रेकी की थी। इसके बाद उसने अपने साले सोनू, भाई के बेटे राजेंद्र और साले मदन को विकासनगर बुलाया। वह सोनू और राजेंद्र को बाइक से बरोटीवाला शिव मंदिर तिराहे तक छोड़कर आया था। दोनों गन्ने के खेत से होकर घर पहुंचे और जाली काटकर चोरी की। बाद में बाबूराम उन्हें हनुमान मंदिर के पास से लेकर वेदांश चौक तक ले गया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में पछवादून क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी हुई चोरी की घटनाओं में इन्हीं आरोपियों का हाथ होने की जानकारी सामने आई है। तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

हॉस्टल का गेट नहीं खोलने पर छात्र संघ नेताओं ने की नारेबाजी

भीमताल(नैनीताल), एजेंसी। डीएसबी कैंपस के छात्र संघ चुनाव में निर्वाचित पदाधिकारियों ने बृहस्पतिवार की शाम भीमताल में जेसी बोस तकनीकी परिसर के हॉस्टल का गेट नहीं खोलने पर नारेबाजी की। छात्र संघ के पदाधिकारियों ने हॉस्टल का गेट नहीं खोलने पर देर रात तक हंगामा किया।

उन्होंने कहा कि वह हॉस्टल में मिष्ठान वितरण करने के लिए आए हुए थे। लेकिन हॉस्टल का गेट बंद कर दिया गया। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि वार्डन भी हॉस्टल में नहीं थे।

इसको लेकर छात्र संघ पदाधिकारी हॉस्टल के बाहर बैठकर धरना प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। इस दौरान छात्र संघ अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह चौहान, उपाध्यक्ष अभिषेक रैकुनी, तनिष्क महेरा, प्रिंस खनायत, नितांत पंत आदि मौजूद रहे।

नीट-यूजी अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई, 19 दाखिले निरस्त, सीएम ने दिए थे उच्चस्तरीय जांच के निर्देश

देहरादून, एजेंसी। मेडिकल कॉलेजों में दाखिलों के सत्यापन के दौरान सामने आई गड़बड़ियों पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। हल्द्वानी, श्रीनगर और हरिद्वार के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में जांच के बाद संदिग्ध प्रवेश रद्द किए गए।

भाजपा प्रवक्ता विनोद चमोली ने नीट-यूजी प्रक्रिया में अनियमितताओं पर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है। अनियमितता सामने आते ही मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए थे।

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर विशेष जांच दल (एसआईटी) और जिलाधिकारियों की टीमों ने कार्रवाई की। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी, श्रीनगर और हरिद्वार में भौतिक सत्यापन हुआ। फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर लिए गए 19 संदिग्ध दाखिले निरस्त किए गए हैं। इनमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित, एससी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और स्थायी निवास प्रमाण पत्र शामिल थे। इसके अतिरिक्त, 778 से अधिक प्रमाण पत्रों की गहन जांच जारी है। इसका उद्देश्य अपात्र व्यक्तियों को फर्जीवाड़े से सीट हासिल करने से रोकना है।

कहा, एसआईटी टीम ने गिरोह के मास्टरमाइंड रूपेश पंडित को गिरफ्तार किया है। वह मेरठ से एजुकेशनल कंसल्टेंसी चलाता था। भोपाल का कंसल्टेंट धीरज कुमार भी पकड़ा हैं। अरविंद कुमार को भी गिरफ्तार किया गया, जिसने फर्जी प्रमाणपत्र से अपनी बेटी का एडमिशन कराया था। फर्जीवाड़ा करने वाले राजस्व कर्मियों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच हो रही है। संलिप्त पाए जाने वालों को निलंबित कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चमोली में पावर प्रोजेक्ट में पानी ओवरफ्लो, 100 मीटर सड़क प्रभावित, पीडब्ल्यूडी को 15 लाख का नुकसान

चमोली, एजेंसी। जिले के कांडई पुल के पास बनाला क्षेत्र में हिम ऊर्जा पावर प्रोजेक्ट में ओवरफ्लो होने से लोक निर्माण विभाग की सड़क को भारी नुकसान पहुंचा है. ओवरफ्लो के बाद पाइप फटने से तेज पानी और मलबा सड़क पर आ गया, जिससे करीब 100 मीटर सड़क प्रभावित हुई है. लोक निर्माण विभाग ने नुकसान का प्रारंभिक आकलन 15 लाख रुपये से अधिक किया है. घटना के मुताबिक, 29 सितंबर की सुबह हिम ऊर्जा पावर प्रोजेक्ट में अचानक ओवरफ्लो होने से पानी का तेज बहाव बाहर आ गया. पाइप फटने से पानी और मलबे ने सड़क को अपनी चपेट में ले लिया. इससे सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के साथ ही करीब 50 मीटर से अधिक पेंटिंग भी पूरी तरह बर्बाद हो गई.

स्थानीय लोगों का कहना है कि हिम ऊर्जा परियोजना में ओवरफ्लो की स्थिति पहले भी सामने आ चुकी है. बार-बार ऐसी घटनाएं होने से परियोजना की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर ग्रामीण सवाल उठ रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि, गनीमत रही कि जिस समय यह घटना हुई, उस दौरान सड़क से कोई राहगीर या वाहन नहीं गुजर रहा था. अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था. घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है.

ग्रामीण, प्रशासन और संबंधित विभाग से पूरे मामले की जांच कराने, सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं.

रुड़की में वारदातः

समझौते के बहाने घर बुलाकर युवक की गोली मारकर हत्या, फायरिंग के बाद मौके से भागे साथी

रुड़की , एजेंसी। भगवानपुर के प्रताप कॉलोनी में फायरिंग कर 24 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। आरोप है कि विवाद के बाद समझौता करने के बहाने युवक को घर बुलाया गया, जहां तीन लोगों ने उसके साथ मारपीट की और तमंचे से गोली मार दी। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी और उसके पिता व भाई समेत तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, भगवानपुर निवासी सागर ने तहरीर में बताया कि उसका भाई आदित्य राणा उर्फ आदि राणा एक अक्तूबर की रात करीब नौ बजे अपने दोस्तों के साथ फाइनेंस का कलेक्शन करने भगवानपुर गया था। वहां फाइनेंस के काम को लेकर आदित्य का लक्की शर्मा उर्फ रोहित से विवाद हो गया। दोस्तों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। आरोप है कि कुछ देर बाद लक्की शर्मा ने फोन कर आदित्य से समझौता करने की बात कही और उसे अपने घर बुलाया। इसके बाद आदित्य अपने दोस्तों के साथ प्रताप कॉलोनी स्थित लक्की के घर पहुंचा।

तहरीर के मुताबिक, घर के अंदर लक्की अपने भाई राहुल शर्मा और पिता अनिल शर्मा के साथ मौजूद था। आरोप है कि तीनों ने आदित्य को घर के अंदर बुलाया। इसी दौरान लक्की ने तमंचा निकालकर आदित्य को जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि अनिल शर्मा के कहने पर राहुल ने गोली मारने को कहा, जिसके बाद लक्की ने आदित्य के सिर पर तमंचे से गोली चला दी। गोली लगते ही आदित्य वहीं गिर गया, जबकि उसके साथी मौके से भाग निकले।

सूचना मिलने पर सागर मौके पर पहुंचा और अपने दोस्त के साथ आदित्य को मोटरसाइकिल से आरोग्यम अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने लक्की शर्मा उर्फ रोहित, राहुल शर्मा और अनिल शर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले की जांच उपनिरीक्षक गोपाल दत्त भट्ट को सौंपी गई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, रविवार, 04 अक्टूबर, 2026

थप्पड़बाज मंत्री के पीडब्ल्यूडी की तिलक नगर के बाद दीनपुर छावला सड़क भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी: सौरभ भारद्वाज

● पीडब्ल्यूडी की नई बनी सड़कें इतनी खराब हालत में क्यों है कि हाथों से उखड़ रही? - सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह ने तिलक नगर के बाद शनिवार को थप्पड़बाज मंत्री प्रवेश वर्मा के पीडब्ल्यूडी की एक और सड़क में हुए भ्रष्टाचार को उजागर किया है। झटिकरा गांव तक जाने वाला यह दीनपुर छावला सड़क भी इतनी घटिया क्वालिटी की बनी है कि हाथ से बड़ी आसानी से उखड़ रही है। बीते रविवार को भी उन्होंने तिलक नगर में ही मंत्री के सामने ही सड़क निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की पोल खोली थी। एक और नव निर्मित सड़क के उखड़ने पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पीडब्ल्यूडी विभाग के कामकाज पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि नई बनी पीडब्ल्यूडी की सड़कें इतनी खराब हालत में क्यों हैं कि हाथ से ही उखड़ जा रही हैं? यह तो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार का मामला लग रहा है और इसकी जांच होनी चाहिए। उधर, तिलक नगर से आप विधायक जरनैल सिंह ने सोशल मीडिया पर हाथों से उखड़ रही सड़क का वीडियो साझा कर कहा कि पूरी दिल्ली से लोग इसी तरह सड़कें उखाड़ कर दिखा रहे हैं और सरकार को इसका जवाब देना ही पड़ेगा। केवल थप्पड़ मारने से काम नहीं चलेगा। रेखा गुप्ता सरकार आखिर कितने लोगों के मुंह बंद कराएगी? दिल्ली की हर गली से सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐसी आवाजें उठेंगी, लेकिन जवाब देने के बजाय सरकार के मंत्री लोगों को थप्पड़ मार रहे हैं। जरनैल सिंह ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, देश के गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगते हुए कहा कि करोड़ों रुपए की लागत से बन रही इन सड़कों को लोग हाथों से उखाड़ रहे हैं। भ्रष्टाचार की जांच कराने, इंजीनियरों को सस्पेंड करने और ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के बजाय, भाजपा के मंत्री थप्पड़ मारकर लोगों का मुंह बंद कराना चाहते हैं, लेकिन अब लोगों के मुंह बंद नहीं होंगे। जरनैल सिंह ने पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि अब कोई बहानेबाजी नहीं चलेगी, क्योंकि न तो यहां किसी ने टेंपरेरी सड़क बनाने की मांग की थी और न ही यह सड़क चार-छह घंटे पहले बनी है। यह सड़क 4-5 दिन पुरानी है और बिल्कुल मलाई की तरह उखड़ रही है। हमारे देश के अंदर यह क्या हो रहा है? भाजपा की सरकार बनने के बाद दिल्ली में इस कदर का भ्रष्टाचार हो रहा है कि सड़कें मलाई की तरह उखड़ रही हैं। जरनैल सिंह ने कहा कि अमित शाह शरीफ और ईमानदार लोगों पर सीबीआई की जांच बिठाते हैं। दिल्ली की इन सड़कों की जांच वे कब करवाएंगे? इन्हें महीनों भी एक हाथ से उखाड़ दे रही हैं। दिल्ली में एक और सड़क बिल्कुल कारपेट की तरह उखड़ रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जवाब देने से क्यों बच रही हैं और उन्होंने जवाब देने के लिए अहंकारी मंत्री प्रवेश वर्मा को क्यों भेजा, जिसने भ्रष्टाचार उजागर होते देख सवाल पूछने वाले और रिकॉर्डिंग करने वाले युवक को थप्पड़ मार दिया। आज सरकारी विभागों में यह बात बहुत आम हो गई है कि कोई भी ईमानदार आदमी काम कर ही नहीं सकता, क्योंकि नीचे से ऊपर तक कमीशन का जाल बिछा हुआ है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे आप छात्र विंग के कार्यकर्ता हिरासत में

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे आम आदमी पार्टी के छात्र विंग एसैप के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दोपहर में ही पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को एक बस में बैठाकर काफी देर तक दिल्ली में घुमाया और फिर जाफरपुर थाने में ले जाकर छोड़ दिया। शाम 7:30 बजे के बाद भी पुलिस ने कार्यकर्ताओं को नहीं छोड़ा है। इस पर आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से पूछा कि शाम होने के बावजूद एसैप कार्यकर्ताओं को अभी तक क्यों हिरासत में रखा है? उधर, ह्यआपह्न की स्टूडेंट विंग एसैप के सदस्यों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि दिल्ली पुलिस ने फ्री दिल्ली दर्शन की बस सेवा शुरू की है। अगर किसी को दिल्ली के कई इलाकों के दर्शन करने हैं, तो वह जंतर-मंतर पर आ जाए। इससे उसके किराए का खर्चा बचेगा और उसे फ्री बस में घुमाया जाएगा। शुक्रवार को हम बदरपुर घूम कर आए हैं और आज हमें बॉर्डर के पास जाफरपुर लेकर जा रहे हैं। अगर फ्री में दिल्ली के दर्शन करने हैं तो जंतर मंतर पर आए। एसैप दिल्ली पुलिस से रिक्वेस्ट करेगा कि कार्यकर्ताओं को उन थानों में लेकर जाए जिससे दिल्ली के दर्शन हो जाएं। एसैप सदस्यों ने कहा कि यह बहुत बढ़िया सर्विस है, क्योंकि वैसे तो लोग बस के पीछे भागते हैं, लेकिन यहां बस के लोग उतर कर सवारी के पीछे भागते हैं। जो भी युवा बेरोजगार है, वह बिल्कुल आ सकता है। रोजगार तो वैसे भी नहीं है और भाजपा की निकम्मी सरकार रोजगार की व्यवस्था नहीं कर पाई है। हमें आनंद विहार घुमा दो, जो यूपी बॉर्डर के कोने पर है, तो दिल्ली और यूपी दोनों के दर्शन हो जाएंगे। तीन दिन से हमें ऐसे ही घुमाया जा रहा है। आज हम जाफरपुर जा रहे हैं और रविवार को हमें आनंद विहार ले चलना।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली हवाईअड्डे पर दो यात्रियों के पास से 1.38 करोड़ रुपये मूल्य का चार किलोग्राम गांजा जब्त

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बैंकॉक से पहुंचे दो भारतीय यात्रियों के सामान से करीब चार किलोग्राम संदिग्ध गांजा बरामद होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 1.38 करोड़ रुपये है। एक अधिकारी के बयान के मुताबिक, दोनों यात्री साथ यात्रा कर रहे थे और 29 सितंबर को टर्मिनल-3 पहुंचे थे। सीमा शुल्क अधिकारियों ने ह्याप्रोफाइलिंग्ह्न के आधार पर उन्हें जांच के लिए रोका। बयान में कहा गया कि दोनों को उनके ह्यट्रॉलीह्न बैग्स की जांच के लिए ग्रीन चैनल की ओर भेजा गया। बैग से संदिग्ध गांजा से भरी प्लास्टिक की चार थैलियां बरामद हुईं इसमें कहा गया है कि बरामद पदार्थ का वजन 3,964 ग्राम है और इसकी कीमत लगभग 1.38 करोड़ रुपये है। बयान के मुताबिक, दोनों यात्रियों को स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 43(ब) के तहत गिरफ्तार किया गया, जबकि बरामद मादक पदार्थ को इसी अधिनियम की धारा 43(ए) के तहत जब्त किया गया।

आनंद विहार, सराय काले खां बस अड्डों पर दो नए बहु-लेन पीयूसी सेंटर बनाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार शहर के सबसे बड़े अंतरराज्यीय बस अड्डों आनंद विहार और सराय काले खां में दो बड़े बहु-लेन प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले सप्ताह शहर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक बड़े पीयूसी जांच अभियान की घोषणा की थी। एक अधिकारी ने कहा, ये भारी और हल्के मोटर वाहनों के लिए समर्पित बहु-लेन पीयूसी केंद्र होंगे, जहां वाहनों की जांच की जाएगी और प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे। इन परियोजनाओं के लिए निविदा जारी की जा चुकी है। उन्होंने आगे कहा, प्रदूषण की समस्या के समाधान पर काम करते हुए हमने एक बड़ी कमी की पहचान की। व्यावसायिक वाहनों को पुरानी तकनीक वाले केंद्रों से फिटनेस प्रमाणपत्र मिल रहे थे, जबकि निजी वाहनों को पेट्रोल पंपों के बाहर बने बूथों से प्रदूषण प्रमाणपत्र मिल रहे थे। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल दिल्ली में करीब 900 पीयूसी केंद्र हैं, जो पेट्रोल पंप पर स्थित हैं, जबकि कुछ अन्य केंद्र चुनिंदा इलाकों में हैं।

दिल्ली में सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन पर 3 एफआईआर

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में हुए प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने तीन एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले प्रदर्शनकारियों द्वारा निषेधाज्ञा के बावजूद जुटने और प्रदर्शन करने के आरोपों से जुड़े हैं। दो एफआईआर संसद मार्ग थाने में, जबकि एक एफआईआर कनॉट प्लेस थाने में दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, संसद मार्ग थाने में दर्ज दोनों एफआईआर में बीएनएस की धारा 223(ए), 221, 132 और 3(5) लगाई गई हैं। वहीं, कनॉट प्लेस थाने में दर्ज तीसरी एफआईआर में बीएनएस की धारा 223, 221, 132 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि इन मामलों की जांच की जा रही है। ये एफआईआर 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर के आसपास हुए उस प्रदर्शन के बाद दर्ज की गई हैं, जिसमें कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, वाम दलों, छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी से जुड़े लोगों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी।

अवैध पटाखों की बड़ी खेप पकड़ी, 2101 किलो पटाखे बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। बाहरी उत्तर जिला पुलिस की एएचटीयू टीम ने अवैध पटाखों की बड़ी खेप पकड़ते हुए दो वाहनों और अलीपुर स्थित एक गोदाम से 2101 किलो पटाखे बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान तीन लोगों को पकड़ा गया। इनमें दो टाटा ऐस के चालक और गोदाम में मौजूद एक व्यक्ति शामिल है। पुलिस के अनुसार, एक अक्तूबर को सूचना मिली थी कि हरियाणा से दिल्ली की ओर अवैध पटाखों की बड़ी खेप लाई जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने यूईआर-दो, बावाना के पास निगरानी शुरू की। इसी दौरान दो टाटा ऐस वाहनों को रोककर तलाशी ली गई। दोनों वाहनों से करीब 1350 किलो पटाखे बरामद हुए। मामले में अमित गुप्ता और सुनील को पकड़ा गया।पूछताछ और आगे की जांच में पुलिस को अलीपुर में जेडएमएच चौक के पास जीत फार्म हाउस के नजदीक एक गोदाम में पटाखे रखे होने की जानकारी मिली। टीम ने वहां छापा मारकर 751 किलो पटाखे और बरामद किए। गोदाम में पटाखे मिलने के बाद पुलिस ने तिलक नगर निवासी 34 वर्षीय मनोज कुमार को भी पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों टाटा ऐस वाहन भी जब्त कर लिए हैं। पुलिस अब पटाखों की खरीद, भंडारण और आपूर्ति से जुड़े पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पटाखे कहां से लाए गए थे और इन्हें कहां पहुंचाया जाना था, इसकी भी जांच की जा रही है।

30 लाख की फर्जी लूट का खुलासा, कर्मचारी ने ही रची थी साजिश; साथी समेत गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली– मोती नगर थाना पुलिस ने 30 लाख रुपये की फर्जी लूट का खुलासा करते हुए शिकायतकर्ता और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूट की पूरी रकम 30 लाख रुपये, नकदी से भरा बैग और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, दो अक्टूबर को जखीरा फ्लाईओवर के पास लूट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों को मदन लाल प्लास्टिक, टिकरी कलां में नकदी संग्रह करने वाले कर्मचारी परवीन मल्होत्रा ने बताया कि उसने एक अक्टूबर को तीन स्थानों से कंपनी के 30 लाख रुपये एकत्र किए थे। मोटरसाइकिल से लौटते समय काली मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने उसे रोककर नकदी से भरा बैग छीन लिया और सीने पर ब्लेड से चोट पहुंचाई। जांच के दौरान पुलिस को शिकायतकर्ता की कहानी पर संदेह हुआ। उसके सीने पर चोट के बावजूद शर्ट पर कट का निशान नहीं था। घटनास्थल और बताए गए समय के सीसीटीवी फुटेज से भी उसकी कहानी की पुष्टि नहीं हुई। रास्ते और बयानों की जांच में भी विरोधाभास मिलने पर उससे पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में उसने बताया कि 30 लाख रुपये अपने पास रखने के लिए उसने फर्जी लूट की साजिश रची थी। उसने नकदी से भरा बैग केशवपुरम मेट्रो स्टेशन पर अपने साथी परवीन उर्फ प्रेम को सौंप दिया था। इसके बाद उसने खुद को रेजर से चोट पहुंचाई और पीरागढ़ी मेट्रो स्टेशन के पास अपना मोबाइल फोन तोड़कर फेंक दिया। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर बहादुरगढ़, हरियाणा स्थित उसके साथी के घर पर छापा मारकर पूरी 30 लाख रुपये की रकम और बैग बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपितों परवीन मल्होत्रा (24), निवासी पश्चिम विहार और मूल निवासी अलवर, राजस्थान तथा परवीन उर्फ प्रेम (23), निवासी बहादुरगढ़, हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली चिकित्सा परिषद में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण पर फैसला ले सरकार: उच्च न्यायालय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रेखा गुप्ता नीत सरकार से दिल्ली चिकित्सा परिषद (डीएमसी) में महिलाओं को कम से कम 50 प्रतिशत आरक्षण देने के संबंध में जल्द निर्णय लेने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने चिकित्सक अंजू गंभीर की जनहित याचिका पर 30 सितंबर को यह आदेश दिया। याचिका में परिषद में महिला चिकित्सकों को समान और सार्थक प्रतिनिधित्व देने का अनुरोध किया गया है। अदालत ने कहा कि डीएमसी का गठन दिल्ली चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1997 के तहत किया गया है, जिसमें चुनाव या मनोनयन, किसी भी माध्यम से महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं है, इसलिए अदालत अधिकारियों को ऐसा कोटा देने का निर्देश नहीं दे सकती। अदालत ने कहा, हालांकि, याचिकाकर्ता ने पहले ही एक अभ्यावेदन देकर अपनी मांग रखी है, जिस पर राज्य सरकार के विभिन्न अधिकारी विचार कर रहे हैं। पीठ ने आदेश दिया, हम वर्तमान याचिका का निपटारा राज्य सरकार और उसके संबंधित अधिकारियों को याचिकाकर्ता के अनुरोध पर विचार करने और उस पर उचित निर्णय जल्द लेने का निर्देश देते हुए करते हैं। याचिकाकर्ता ने डीएमसी के अलावा दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन में भी महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग की थी। अधिवक्ता रूपेश दत्ता और स्नेहलता चतुर्वेदी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया कि चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं की संख्या काफी होने के बावजूद डीएमसी में पर्याप्त विविधता और प्रतिनिधित्व नहीं है। याचिका में कहा गया कि इसके कारण विभिन्न मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की आवाज शामिल नहीं हो पाती।

ऑपरेशन मिलाप : दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने एक महीने में 80 लापता लोगों को परिवार से मिलाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने मानवता और संवेदना की मिसाल पेश करते हुए ह्यऑपरेशन मिलापह्न के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सितंबर महीने में कुल 80 लापता लोगों और बच्चों को बरामद कर सुरक्षित उनके परिवारों से मिलाया है। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 1 सितंबर 2026 से 30 सितंबर 2026 के बीच 22 लापता और अपहृत बच्चों तथा 58 लापता वयस्कों को ढूंढा गया है। इस साल 1 जनवरी से 30 सितंबर तक जिले की पुलिस ने कुल 1,229 लापता लोगों को बरामद किया है, जिसमें 318 बच्चे और 911 वयस्क शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि लापता होने की सूचना मिलते ही स्थानीय थानों ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया। टीमों ने स्थानीय पूछताछ, सीसीटीवी फुटेज की जांच, ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर लापता लोगों की तस्वीर लगाने जैसे प्रयास किए। बस ड्राइवरों, कंडक्टरों, वेंडरों से पूछताछ की गई और स्थानीय मुखबिरों की मदद भी ली गई। साथ ही आसपास के थानों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की गई। सितंबर माह के थानावार ऑपरेशन की सफलता की बात करें तो इसमें आर.के. पुरम थाने ने 1 नाबालिग लड़के और 3 पुरुषों, साउथ कैंपस ने 2 नाबालिग लड़कियों, वसंत कुंज नॉर्थ ने 3 वयस्कों, वसंत कुंज साउथ ने 1 नाबालिग लड़की और 6 वयस्कों, कापसहेड़ा थाने ने 5 नाबालिग लड़कियों और 11 वयस्कों, पालम विलेज ने 3 नाबालिग लड़कों और 7 वयस्कों, सागरपुर ने 12 वयस्कों, सरोजिनी नगर ने 2 नाबालिग बच्चों और 4 वयस्कों, एस.जे. एन्क्लेव ने 2 बच्चों और 2 पुरुषों, किशनगढ़ ने 1 नाबालिग लड़की और 5 वयस्कों को बरामद किया। इसके अलावा एएचटीयू की टीम ने 5 बच्चों और 5 वयस्कों को ढूंढा। इस ऑपरेशन की खास बात यह रही कि पुलिस ने कई साल पहले लापता हुए लोगों को भी ढूंढ निकाला। इनमें 2021 में लापता हुआ 1 पुरुष, 2024 में लापता 1 नाबालिग लड़का, 2025 के 2 वयस्क और 2026 के 76 लोग शामिल हैं। सभी को सुरक्षित परिवार से मिला दिया गया है।

दिल्ली पुलिस का वी केयर अभियान, सुरक्षा जागरूकता के साथ लोगों से किया संवाद

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली– दिल्ली पुलिस ने जनसंपर्क और सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ह्यवी केयरह्न पहल के तहत उत्तर-पश्चिम जिले के कोरोनेशन पार्क में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस के महिला बैंड ने प्रस्तुति देकर लोगों का मनोरंजन किया और पुलिस के प्रति सकारात्मक माहौल बनाया। कार्यक्रम में महिलाओं की सुरक्षा और आत्मरक्षा को लेकर विशेष सत्र आयोजित किया गया। लोगों को सुरक्षा संबंधी उपायों और आत्मरक्षा की बुनियादी तकनीकों की जानकारी दी गई। इसके अलावा स्वाट दल ने आम लोगों से संवाद कर अपनी कार्यप्रणाली से परिचित कराया। सड़क सुरक्षा को लेकर भी लोगों को सुरक्षित यातायात नियमों की जानकारी दी गई। साइबर थाना पुलिस ने साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी और उससे बचाव के उपायों पर जागरूक किया। लोगों को डिजिटल माध्यमों और ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया।कार्यक्रम स्थल पर जनसंपर्क वाहन और दिल्ली यातायात पुलिस का सड़क सुरक्षा शिक्षा वाहन भी लगाया गया। इन वाहनों के माध्यम से दिल्ली पुलिस की विभिन्न गतिविधियों और सेवाओं तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता सामग्री दिखाई गई। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं और बच्चों से संवाद कर उनकी सुरक्षा संबंधी समस्याएं सुनीं और पुलिस सहायता के उपलब्ध साधनों की जानकारी दी।

फर्जी नोट बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली–पश्चिमी जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने नकली नोट तैयार कर उनकी आपूर्ति करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे और ठिकाने से 18 लाख 23 हजार 800 रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं। बरामद नोट 500 और 100 रुपये के हैं। इनमें तैयार और अधबने नोट शामिल हैं। पुलिस ने नकली नोट तैयार करने में इस्तेमाल लैपटॉप, हार्ड डिस्क, प्रिंटर, छपाई की स्याही और अन्य उपकरण भी बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार, एक अक्तूबर को जनकपुरी में गेट नंबर दो के पास गश्त कर रहे हेड कांस्टेबल प्रवीण और विनोद को एक युवक पुलिस को देखकर भागता नजर आया। पुलिस ने उसे पकड़कर तलाशी ली तो उसके पास से 500 रुपये के 250 नकली नोट मिले। इनकी कीमत 1.25 लाख रुपये थी। मौके पर विशेषज्ञ ने जांच कर नोटों के नकली होने की पुष्टि की। आरोपी की पहचान जनकपुरी निवासी अंकित कुमार (25) के रूप में हुई। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने पटेल नगर के बलजीत नगर निवासी गगनदीप सिंह उर्फ मन्नी (31) और कुलवंत सिंह उर्फ काके (44) को गिरफ्तार किया। दोनों की निशानदेही पर बलजीत नगर की गली नंबर 21 स्थित किराये के कमरे की तलाशी ली गई। यहां से 16 लाख 98 हजार 800 रुपये मूल्य के तैयार और अधबने नकली नोट बरामद हुए। साथ ही नकली नोट बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान भी मिला। जांच में कमरे के मालिक अमित (34) की भूमिका सामने आने पर उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक अमित को कमरे में चल रहे काम की जानकारी थी और बाद में वह भी नकली नोट तैयार करने में शामिल हो गया।पुलिस के अनुसार, गगनदीप को प्रिंटिंग और डाई-कटिंग मशीन चलाने का अनुभव था, जबकि कुलवंत ग्राफिक डिजाइन और फोटोशॉप की जानकारी रखता था। दोनों ने मिलकर नकली नोट तैयार करने का काम शुरू किया था। इसके लिए उन्होंने इंटरनेट पर वीडियो और ट्यूटोरियल देखकर तकनीक सीखी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक लैपटॉप, हार्ड डिस्क, छपाई के ढांचे, जल-चिह्न बनाने के उपकरण, सुरक्षा धागे की सामग्री, गर्मी से परत चढ़ाने वाली मशीन, रंगीन प्रिंटर, स्याही, कटर समेत अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस अब नकली नोटों के स्रोत और उन्हें आगे पहुंचाने वालों की जानकारी जुटा रही है।

यूनेस्को चेयर सम्मेलन 2026 में डीयू के प्रो. कुमार आशुतोष ने भारत का किया प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कुमार आशुतोष ने जर्मनी के टीयू डॉर्टमुंड विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय यूनेस्को चेयर सम्मेलन 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में भारत से आमंत्रित वे एकमात्र वक्ता रहे। शिक्षा, कौशल विकास और सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्होंने भारतीय शैक्षणिक दृष्टिकोण और शोध को प्रस्तुत किया। सम्मेलन का विषय उच्च शिक्षा एवं तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा व प्रशिक्षण में अंतरराष्ट्रीय सहयोग: सतत विकास लक्ष्यों के सिद्धांत और व्यवहार के बीच सेतु निर्माण रहा। इसमें विभिन्न देशों के शिक्षाविदों, शोधकताओं, नीति निमार्ताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा का प्रमुख केंद्र उच्च शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने की संभावनाएं रहीं। प्रो. आशुतोष ने सम्मेलन में अपना शोध पत्र ह्लपर्यटन क्षेत्र के कर्मचारियों में डिजिटल कौशल की कमी को दूर करना: यूरोपीय संघ और भारत से मिले सबूतह्व प्रस्तुत किया। यूरोपीय संघ और भारत के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित शोध में उन्होंने पर्यटन क्षेत्र में डिजिटल कौशल की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी बदलावों के दौर में कुशल मानव संसाधन पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। सम्मेलन के दौरान प्रो. आशुतोष ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रतिनिधियों से भी संवाद किया। बातचीत में उच्च शिक्षा, कौशल विकास, सतत पर्यटन, संयुक्त शोध, शिक्षक-विद्यार्थी आदान-प्रदान और शैक्षणिक साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा हुई। जर्मनी प्रवास के दौरान उन्होंने औद्योगिक अध्ययन भ्रमण के तहत एक व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान का भी दौरा किया। यहां उन्होंने जर्मनी की व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली को करीब से समझा, जिसमें कक्षा में दी जाने वाली शिक्षा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग की जरूरतों पर विशेष जोर दिया जाता है।

संपत्तियों के स्वामित्व से जुड़े लंबित आवेदनों पर दो महीने के भीतर कार्रवाई करे डीडीए: अदालत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीडीए को संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने से जुड़े लंबित आवेदनों पर दो महीने के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इन आवेदनों के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) पहले ही निवासियों से 155.06 करोड़ रुपये वसूल चुका है। उच्च न्यायालय ने कहा कि लंबित आवेदनों पर मौजूदा नीति के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि वहीं, भविष्य में आने वाले आवेदनों के लिए आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय (एमओएचयूए) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एक नीति बना सकते हैं। अदालत ने कहा, इस अदालत ने मंत्रालय और डीडीए सहित संबंधित प्राधिकारियों को बार-बार संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के महत्व व दिल्ली के निवासियों को हो रही भारी परेशानियों से अवगत कराया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने 28 सितंबर को जारी आदेश में कहा, यह स्थिति उन संपत्ति मालिकों के मामले में और गंभीर हो जाती है, जिन्होंने पहले ही आवेदन कर दिया है तथा उस समय लागू शुल्क का भुगतान भी कर दिया है लेकिन वे अब डीडीए के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अदालत, डीडीए द्वारा संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के आवेदनों पर कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण परेशानी का सामना कर रहे दिल्ली के निवासियों की याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने कहा कि 2020 से 2026 के बीच संपत्ति को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए किए गए 1,373 आवेदन लंबित थे, जबकि डीडीए पहले ही 155.06 करोड़ रुपये का कन्वर्जन शुल्क वसूल चुका है। इनमें से 308 आवेदनों को मंजूरी मिल चुकी थी, लेकिन उनके ह्यकन्वेयंस डीडह्न (स्वामित्व हस्तांतरण दस्तावेज) निष्पादित नहीं किए गए थे।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, रविवार 04 अक्टूबर, 2026

संक्षिप्त खबरें

गुरु रामदास जी के प्रकाश पर्व पर सजा कीर्तन दरबार

नई दिल्ली। पिशावरी बिरादरी की ओर से धन-धन साहिब गुरु रामदास जी के प्रकाश पर्व को समर्पित विशेष कीर्तन दरबार का आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, राजौरी गार्डन में श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। बड़ी संख्या में संगत ने गुरु घर में हाजिरी भरकर गुरबाणी कीर्तन का आनंद लिया और गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। समागम में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव जगदीप सिंह काहलों, गुरुद्वारा साहिब के प्रधान हरमनजीत सिंह तथा कमेटी सदस्य इंदरप्रीत सिंह कोचर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने हाजिरी भरी। रागी जत्थों ने गुरबाणी कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरु चरणों से जोड़ा। समागम की सफलता में पिशावरी बिरादरी के हरिंदर सिंह, जोगिंदर सिंह दुकराल, नरिंदर सिंह ढींगरा, बलजीत सिंह ढींगरा, दिलबाग सिंह, तीरथ सिंह मरांग, हरनाम सिंह, गुरिंदर सिंह, मोहिनी नारंग, मनप्रीत सिंह, सरन सिंह, प्रेम सिंह गुंबर, गुरचरण सिंह बन्नी, राजू होरा, गुरदीप सिंह, राजू ढींगरा, बलवंत सिंह, प्रीतम सिंह और गोला मखीजा सहित अन्य सेवादारों ने सहयोग दिया। आयोजकों ने संगत और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समागम के समापन पर गुरु का अटूट लंगर संगत में बरताया गया।

ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने फिट रहने के लिए किया योग

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की उत्तरी रेंज ने अपने कर्मियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए छत्रसाल स्टेडियम ग्राउंड में ह्यफिट ट्रैफिक पुलिस, सेफर रोड्सह्न अभियान के तहत योग सत्र का आयोजन किया। योग सत्र में उत्तरी रेंज के अशोक विहार, समयपुर बादली, नरेला, रोहिणी और अमन विहार ट्रैफिक सर्कल से 10-10 कर्मियों के अलावा सभी ट्रैफिक इंस्पेक्टर सक्रिय रूप से शामिल हुए। डीसीपी ट्रैफिक उत्तरी रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी बेहद चुनौतीपूर्ण होती है, ऐसे में कर्मियों के लिए शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। योग सत्र का संचालन ट्रैफिक यूनिट की ट्रेनिंग ब्रांच की कांस्टेबल सरिता ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया और योग के लाभ की जानकारी दी।

संकट में साहस की मिसाल बने कैप्टन स्मित मच्छर

नई दिल्ली। सम्पूर्ण की ओर से फ्लाईदुबई की उड़ान में हुई गंभीर घटना में घायल भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। संस्थापिका डॉ. शोभा विजेन्द्र के नेतृत्व में आयोजित सभा में निगम पार्षद स्मिता कौशिक, मंडल अध्यक्ष नवीन गुप्ता सहित संगठन के कार्यकर्ताओं, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया। डॉ. शोभा विजेन्द्र ने कॉकपिट में हुई हिंसक घटना की निंदा करते हुए कहा कि संकट की घड़ी में कैप्टन स्मित मच्छर ने साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। उन्होंने उनके शीघ्र एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए परिवार के प्रति एकजुटता व्यक्त की। स्मिता कौशिक ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में कैप्टन मच्छर द्वारा दिखाया गया संयम और कर्तव्यबोध प्रशंसनीय है। नवीन गुप्ता ने भी उनकी तत्परता और सूझबूझ की सराहना करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रार्थना सभा में उपस्थित लोगों ने कैप्टन स्मित मच्छर के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और सकुशल परिवार के पास लौटने की कामना की। इस अवसर पर भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति भी दी गई।

प्रदूषण से निपटने के लिए हर स्तर पर प्रयास कर रही सरकार

नई दिल्ली। भाजपा किसान मोर्चा दिल्ली प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता विनोद जायस ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार प्रदूषण से निपटने और पर्यावरण व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही है। उन्होंने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र की शुरुआत को इसी दिशा में उठाया गया कदम बताया। विनोद जायस ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल प्रदूषण बढ़ने के मौसम में कार्रवाई करना नहीं, बल्कि पूरे वर्ष प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था तैयार करना है। नई व्यवस्था के माध्यम से प्रदूषण के स्रोतों की निगरानी, प्रदूषण प्रभावित क्षेत्रों की पहचान और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण स्थलों, सड़कों की धूल, कचरा जलाने और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों की निगरानी को आधुनिक तकनीक से जोड़ने से संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही बढ़ेगी। इसके साथ ही सड़क सफाई, धूल नियंत्रण और धुंआरोधी उपकरणों जैसे उपायों की निगरानी भी अधिक व्यवस्थित हो सकेगी। विनोद जायस ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए सरकार, संबंधित विभागों और नागरिकों के साझा प्रयास आवश्यक हैं।

रोबोटिक सर्जरी में तेजी से बढ़ रहा भारत, दिल्ली-एनसीआर बना प्रमुख केंद्र

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारत रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में तेजी से अपनी क्षमता बढ़ा रहा है और दिल्ली-एनसीआर इस बदलाव का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। दिल्ली में आयोजित सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी इंडिया 2026 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में 39 अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी प्रणाली उपलब्ध है, जबकि 11 अस्पतालों में एक से अधिक प्रणालियां स्थापित हैं। वर्ष 2025 में यहां रोबोट की सहायता से होने वाली सर्जरी की संख्या बढ़कर 10,937 पहुंच गई। विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में रोबोटिक सर्जरी की संख्या में पिछले कुछ वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 में यहां 2,257 रोबोटिक प्रक्रियाएं हुई थीं, जो 2022 में बढ़कर 3,594, वर्ष 2023 में 5,024 और वर्ष 2024 में 7,595 हो गईं। वर्ष 2025 में यह संख्या 10,937 तक पहुंच गई। इस प्रकार चार वर्षों में रोबोटिक प्रक्रियाओं में लगभग पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई। कई चिकित्सा क्षेत्रों में बढ़ा इस्तेमाल रोबोटिक सर्जरी का उपयोग दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं में बढ़ रहा है। वर्ष 2025 में लगभग 33 प्रतिशत रोबोटिक प्रक्रियाएं सामान्य शल्य चिकित्सा से जुड़ी गैर-कैंसर संबंधी थीं। इसके बाद 30.2 प्रतिशत प्रक्रियाएं मूत्ररोग, 22.1 प्रतिशत स्त्रीरोग और लगभग 10 प्रतिशत सामान्य शल्य चिकित्सा से जुड़ी कैंसर संबंधी प्रक्रियाएं थीं। सिर एवं गर्दन, वक्ष तथा हृदय संबंधी शल्य चिकित्सा में भी रोबोटिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया। सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी इंडिया 2026 सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कहा कि रोबोटिक तकनीक के विस्तार के साथ भारत में उन्नत, कम चीरे वाली और रोबोट की सहायता से होने वाली शल्य चिकित्सा की क्षमता लगातार मजबूत हो रही है। यह सम्मेलन इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी की अंतरराष्ट्रीय बैठक पहली बार एशिया में आयोजित की जा रही है। भारत में भी तेजी से बढ़ा रोबोटिक सर्जरी का दायरा भारत में रोबोट की सहायता से होने वाली शल्य चिकित्सा की संख्या में भी पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में देशभर में 8,912 रोबोटिक प्रक्रियाएं हुई थीं, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 44,857 हो गई।

नित्यानंद राय ने स्वच्छता अभियान में लिया हिस्सा, सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत मिशन दिवस के अवसर पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा मालचा मार्केट परिसर में आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने भाग लिया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने स्वयं स्वच्छता गतिविधियों में हिस्सा लेते हुए नागरिकों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के विशेष सचिव आनंद स्वरूप, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, परिषद के वरिष्ठ अधिकारी, मालचा मार्केट संघ के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित लोगों ने भी भाग लिया। इस दौरान सभी ने स्वच्छता और नागरिक दायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। स्वच्छता अभियान में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए नित्यानंद राय ने कहा कि गांधी जयंती का दिन देश के लिए विशेष महत्व रखता है। महात्मा गांधी के जीवन और विचारों में स्वच्छता, अनुशासन तथा सार्वजनिक दायित्व को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार माना गया था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की थी, जो अब व्यापक जनभागीदारी वाले अभियान का रूप ले चुका है। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के कारण देश में स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों की सोच में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल घर या व्यक्तिगत परिसर तक सीमित विषय नहीं है। प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास के क्षेत्र, बाजार, सार्वजनिक स्थान और सामुदायिक स्थलों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के व्यवहार और सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास है। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल होने और कम से कम 10 अन्य लोगों को स्वच्छता गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण पर जोर नित्यानंद राय ने स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी जोर दिया।

दशकों पुरानी क्रिकेट की दोस्ती ने फिर सजाई महफिल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। साथिया ग्रुप ऑफ सीनियर क्रिकेटर्स की ओर से पुराने क्रिकेट साथियों का वार्षिक मिलन समारोह 2 अक्टूबर को योगा वे पब्लिक स्कूल, शाहदरा में आयोजित किया गया। समारोह में करीब 40 वर्ष पूर्व साथ क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी एकत्र हुए और उन्होंने खेल जीवन से जुड़ी पुरानी यादें एवं अनुभव साझा किए। साथिया ग्रुप द्वारा 2013 से लगातार इस वार्षिक मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर पुराने साथी हर वर्ष एक स्थान पर जुटकर क्रिकेट के दिनों की यादों को ताजा करने के साथ अपनी मित्रता और आपसी संबंधों को भी मजबूत करते हैं। इस वर्ष समारोह में अशोक मेहता, चंदर गुप्ता, सुनील वशिष्ठ, मोहन सिंह गोली, रवि कपूर, जय सिंह राठौर, तेजपाल शर्मा, संजीव शर्मा, उत्तम जी, कृष्ण कुमार शर्मा ह्यबल्लीह्न, प्रदीप सचदेवा और मनु कप्तान सहित अनेक पुराने क्रिकेट साथी शामिल हुए। इस आयोजन की मेजबानी अशोक मेहता ने अपने विद्यालय में की। उन्होंने सभी साथियों के लिए आत्मीयता के साथ व्यवस्थाएं कीं। समारोह में अशोक वर्मा के बाँसुरी वादन ने विशेष आकर्षण पैदा किया। मधुर धुनों के बीच क्रिकेट साथियों ने बीते दिनों की यादें साझा कीं। कार्यक्रम के समापन पर अशोक मेहता की ओर से सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। सभी साथियों ने साथ बैठकर भोजन किया और पुरानी मित्रता को याद किया। दशकों से कायम यह वार्षिक मिलन समारोह इस बात की मिसाल है कि खेल के मैदान से बने रिश्ते समय बीतने के साथ और भी गहरे होते जाते हैं।

सरकारी सेवाएं बिना किसी बाधा के नागरिकों तक पहुंचना सुशासन की पहली कसौटी : विजेंद्र गुप्ता

-सेवा संकल्प अभियान के तहत रोहिणी सेक्टर-8 में ह्यसेवा सेतु कैंप का विधानसभा अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सुशासन की वास्तविक कसौटी यही है कि नागरिकों को सरकारी सेवाएं कितनी सहजता और सरलता से उपलब्ध होती हैं। किसी भी योजना की सार्थकता तभी है, जब उसकी जानकारी, मार्गदर्शन और आवश्यक सहायता बिना किसी अनावश्यक बाधा के लोगों तक पहुंचे ह्न यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष एवं रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता ने आज रोहिणी सेक्टर-8 स्थित केंद्रीय विद्यालय में ह्यसेवा संकल्प अभियानह्न के तहत आयोजित ह्यसेवा सेतु कैंपह्न का उद्घाटन करते हुए कही। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्तर-पश्चिम दिल्ली की जिलाधिकारी सौम्या सौरभ, आईएएस भी उपस्थित रहीं। ह्यसेवा सेतु कैंपह्न को नागरिकों के लिए एक एकल सुविधा केंद्र के रूप में तैयार किया गया है, जहां दिल्ली सरकार की विभिन्न सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी, मार्गदर्शन तथा आवश्यक सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। विजेंद्र गुप्ता ने कैंप में तैनात विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बातचीत की और नागरिकों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कैंप में उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं और नागरिकों को दी जा रही सहायता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रभावी जनसेवा के लिए केवल योजनाओं की घोषणा पर्याप्त नहीं है, बल्कि नागरिकों तक उनकी स्पष्ट जानकारी पहुंचाना, सरल और सुलभ व्यवस्था उपलब्ध कराना तथा समय पर आवश्यक सहायता प्रदान करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, ताकि पात्र लाभार्थी योजनाओं का वास्तविक लाभ उठा सकें। कैंप में विभिन्न विभागों एवं सार्वजनिक एजेंसियों ने भाग लिया। इनमें स्वास्थ्य विभाग, बीएसईएस एवं टीपीडीडीएल, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, राजस्व विभाग, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी), महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, दिल्ली पुलिस, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, दिल्ली डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन (डीडीबी), दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सहित अन्य विभाग शामिल रहे। विधानसभा अध्यक्ष ने कैंप में आने वाले नागरिकों से भी बातचीत की और विभिन्न सेवाओं का लाभ लेने के उनके अनुभवों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अलग-अलग सरकारी विभागों और सार्वजनिक एजेंसियों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने से नागरिकों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम

संपत्तियों के स्वामित्व से जुड़े लंबित आवेदनों पर कार्रवाई करने के निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीडीए को संपत्तियों को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने से जुड़े लंबित आवेदनों पर दो महीने के भीतर कार्रवाई का निर्देश दिया। इन आवेदनों के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) पहले ही लोगों से 155.06 करोड़ रुपये वसूल चुका है। कोर्ट ने कहा, लंबित आवेदनों पर मौजूदा नीति के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं भविष्य में आने वाले आवेदनों के लिए आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय (एमओएचयूए) व दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एक नीति बना सकते हैं। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह एवं न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने आदेश में कहा, यह स्थिति उन संपत्ति मालिकों के मामले में और गंभीर हो जाती है, जिन्होंने पहले ही आवेदन कर दिया है। पीठ आवेदनों पर कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण परेशानी का सामना कर रहे लोगों की याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई कर रही है। पीठ ने कहा, वर्ष 2020 से वर्ष 2026 के बीच संपत्ति को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए किए गए 1373 आवेदन लंबित हैं, जबकि डीडीए पहले ही 155.06 करोड़ रुपये का कन्वर्जन शुल्क वसूल चुका है। इनमें से 308 आवेदनों को मंजूरी मिल चुकी थी, लेकिन उनके कन्वेयंस डीड (स्वामित्व हस्तांतरण दस्तावेज) निष्पादित नहीं किए गए हैं। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को तय की है। पीठ ने अगली सुनवाई में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) के सचिव तथा डीडीए के उपाध्यक्ष को कार्यवाही में शामिल होने को कहा है।

इंदिरापुरम में भव्य कीर्तन समागम, गुरबाणी से निहाल हुई संगत

नई दिल्ली। इंदिरापुरम गुरुद्वारा कमेटी और संगत के सहयोग से ऑक्सीजन मैन गुरप्रीत सिंह रम्मी एवं उनकी टीम ने भव्य कीर्तन समागम का आयोजन किया। बड़ी संख्या में संगत ने गुरबाणी कीर्तन और गुरमत विचारों का श्रवण कर गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित की। समागम में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने विशेष हाजिरी भरी। उन्होंने गुरप्रीत सिंह रम्मी और उनकी टीम के सेवा भाव तथा आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थान में अंतिम समय पर बदलाव के बावजूद टीम ने एक दिन में सभी व्यवस्थाएं पूरी कर संगत के लिए बैठने, लंगर और अन्य सुविधाओं का उचित प्रबंध किया। समागम में हजूरी रागी भाई गगनदीप सिंह तथा भाई हरिंदर सिंह, निरवैर खालसा जत्था यूके ने गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत किया। गुरुद्वारा सीस गंज साहिब के मुख्य ग्रंथी सिंह साहिब ज्ञानी हरमन सिंह खालसा ने गुरमत विचार साझा करते हुए संगत को गुरु साहिब की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य भूपिंदर सिंह भुल्लर, सुखविंदर सिंह बब्बर और भूपिंदर सिंह गिन्नी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गुरप्रीत सिंह रम्मी और उनकी टीम ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। समागम के दौरान गुरबाणी की मधुर धुनों से वातावरण भक्तिमय बना रहा और संगत ने श्रद्धापूर्वक हाजिरी भरी।

जेएनयूटीए ने कुमारस्वामी को प्रोफेसर एमेरिटस बनाने पर उठाए सवाल, जांच की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जेएनयूटीए) ने प्रोफेसर पी.आर. कुमारस्वामी को प्रोफेसर एमेरिटस का दर्जा दिए जाने के जेएनयू प्रशासन के फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे वापस लेने और पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। संघ ने आरोप लगाया कि नियुक्ति में विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों और प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। जेएनयूटीए ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि प्रोफेसर एमेरिटस का सम्मान विश्वविद्यालय में बहुत चुनिंदा मामलों में दिया जाता है। अब तक केवल 15 प्रतिष्ठित शिक्षकों को यह सम्मान मिला है। संघ का कहना है कि यह सम्मान असाधारण शैक्षणिक योगदान और विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए दिया जाना चाहिए। संघ ने आरोप लगाया कि प्रो. कुमारस्वामी के खिलाफ भ्रष्टाचार, सहकर्मियों के उत्पीड़न, मनमाने तरीके से काम करने और जेएनयू अध्यादेशों तथा यूजीसी नियमों के उल्लंघन के आरोप हैं। जेएनयूटीए के अनुसार, इन आरोपों की जांच की मांग को लेकर उसकी कार्यकारिणी ने केंद्रीय सतर्कता आयोग और जेएनयू कार्यकारी परिषद को शिकायत दी है। जेएनयूटीए ने दावा किया कि 30 सितंबर को कार्यकारी परिषद की 330वीं आपात बैठक में कुलपति ने ह्यअन्य विषयह्न के तहत प्रो. कुमारस्वामी को प्रोफेसर एमेरिटस बनाने का फैसला घोषित किया। संघ का आरोप है कि नियम 32 के तहत जरूरी दस्तावेज बैठक के एजेंडे और मिनट्स में उपलब्ध नहीं थे और नियुक्ति के आधार पर भी पर्याप्त चर्चा नहीं हुई। जेएनयूटीए ने राष्ट्रपति, जो विश्वविद्यालय के विजिटर भी हैं, से प्रोफेसर एमेरिटस का दर्जा वापस लेने और आरोपों की समयबद्ध स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है।

विशेष सफाई अभियान भी नहीं सुधार पा रहा दिल्ली की सफाई व्यवस्था : ज्योति रानी

नई दिल्ली। विश्वास नगर वार्ड की आम आदमी पार्टी पार्षद ज्योति रानी ने दिल्ली की सफाई व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार और नगर निगम पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि विशेष सफाई अभियानों के बावजूद यमुनापार सहित दिल्ली के कई इलाकों में गंदगी और कूड़े के ढेर की समस्या बनी हुई है। ज्योति रानी ने कहा कि यमुनापार की सड़कों, गलियों और विभिन्न स्थानों पर गंदगी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सफाई व्यवस्था को लेकर किए जा रहे दावों और जमीनी स्थिति में अंतर दिखाई देता है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि दिल्ली सरकार और नगर निगम स्वच्छता के लिए व्यापक स्तर पर काम कर रहे हैं तो जगह-जगह कूड़े के ढेर क्यों दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था को केवल विशेष अभियानों तक सीमित रखने के बजाय नियमित निगरानी और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। ज्योति रानी ने कहा कि जनता अब सफाई व्यवस्था में ठोस सुधार चाहती है। उन्होंने दिल्ली सरकार और नगर निगम से सफाई व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर कूड़ा उठाने और सार्वजनिक स्थानों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग की। गौरतलब है कि नगर निगम ने हाल में ठोस कचरा प्रबंधन को मजबूत करने, कचरे के स्रोत पर पृथक्करण और निगरानी व्यवस्था बढ़ाने पर विशेष बैठक की है।

एकता मिशन सिंगर सितारों की खोज ग्रैंड फिनाले-2026 का भव्य आयोजन

नई दिल्ली। एकता मिशन एवं मलिक म्यूजिक इवेंट्स द्वारा आयोजित ह्यसिंगर सितारों की खोज ग्रैंड फिनाले-2026ह्न का भव्य आयोजन तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक पापोन तथा पद्मश्री एवं भजन सम्राट और एकता मिशन के चेयरमैन अनूप जलोटा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पवन मोंगा ने की, जबकि आयोजन मलिक म्यूजिक इवेंट्स के संस्थापक संजय मलिक ने किया। इस अवसर पर सीनियर जर्नलिस्ट एवं फिल्म क्रिटिक डॉ. सुनील पाराशर को ह्यबेस्ट फिल्म क्रिटिक जर्नलिस्टह्न के सम्मान से नवाजा गया। साथ ही ओल्ड एज होम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहतरीन एंटरटेनमेंट शो आयोजित करने के लिए भी उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान अनूप जलोटा के कर-कमलों से प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में एकता मिशन के अध्यक्ष डॉ. पवन मोंगा, महामंत्री संजय मलिक सहित अनेक गणमान्य अतिथियों एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सिंगर सितारों की खोज ग्रैंड फिनाले-2026 के विजेता प्रिंस एवं प्रियंका शाह रहे। कार्यक्रम का संचालन काव्या कुलहारी एवं डॉ. इमरान ने किया। इस अवसर पर अनूप जलोटा ने आयोजकों की मेहनत की सराहना की, जबकि पापोन ने विजेताओं को शुभकामनाएं दीं। अंत में डॉ. पवन मोंगा ने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

एटा के अभिषेक कृष्ण दुबे को भाजपा उत्तर प्रदेश में प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी

एटा। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री पंकज चौधरी द्वारा एटा निवासी श्री अभिषेक कृष्ण दुबे को पार्टी की प्रदेश टीम में प्रदेश प्रवक्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने पर जनपद एटा के भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष की लहर है। अभिषेक कृष्ण दुबे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। इससे पूर्व वे भाजपा युवा मोर्चा, उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं। वर्तमान में वे भारतीय जनता युवा मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं तथा उन्हें राजस्थान राज्य का सह-प्रभारी भी बनाया गया था !! अभिषेक दुबे का संगठनात्मक एवं सामाजिक अनुभव बहुआयामी रहा है। उन्होंने भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (ळी'ूड्ढे ऊेस्त्रं१ ईेल्ल३) में तकनीकी क्षेत्र में सेवाएं प्रदान की हैं। वे इंजीनियरिंग स्नातक हैं तथा पत्रकारिता में परास्नातक की शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने दिल्ली में एक प्रतिष्ठित पब्लिक रिलेशंस (ढफ) कंपनी में भी अपनी सेवाएं दी हैं। तकनीकी शिक्षा, पत्रकारिता, मीडिया एवं जनसंचार का अनुभव तथा संगठन में लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभाने के कारण अभिषेक कृष्ण दुबे को पार्टी के पक्ष को प्रभावी एवं तथ्यपूर्ण ढंग से जनता और मीडिया के सामने रखने में सक्षम माना जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि एटा जनपद से लंबे समय बाद प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले किसी कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व मिला है। ऐसे समय में जब एटा से प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर कार्यकताओं को अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा था, अभिषेक दुबे को प्रदेश प्रवक्ता का दायित्व मिलना पूरे जनपद के लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रदेश अध्यक्ष श्री पंकज चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अभिषेक कृष्ण दुबे की नियुक्ति से एटा की आवाज को प्रदेश स्तर पर और अधिक प्रभावी मंच मिलेगा। कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन की नीतियों, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा भारतीय जनता पार्टी के विचारों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच रखने का कार्य करेंगे। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्री अभिषेक कृष्ण दुबे को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक एवं संगठनात्मक भविष्य की कामना की।

ज्वालापुरी हादसे के पीड़ित परिवार को नौकरी और आर्थिक मदद की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने नांगलोई विधानसभा क्षेत्र की ज्वालापुरी कॉलोनी में जर्जर मकान ढहने की घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए प्रभावित परिवार को तत्काल सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने हादसे में घायल युवक को सरकारी नौकरी देने तथा मकान के पुनर्निर्माण के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग सरकार से की। देवेंद्र यादव ने शनिवार को ज्वालापुरी पहुंचकर दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया और प्रभावित परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्ष 1977 में बने मकान के जर्जर होने के कारण उसके ढहने से एक युवक के गंभीर रूप से घायल होने और 50 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु की घटना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने आरोप लगाया कि हादसे के बाद सरकारी तंत्र की प्रतिक्रिया संतोषजनक नहीं रही। उनके अनुसार, स्थानीय लोगों ने मलबे में फंसे लोगों को निकालने और घायल युवक की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि घटना के कई घंटे बाद तक राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के कर्मियों के मौके पर नहीं पहुंचने का दावा स्थानीय स्तर पर उठ रहे सवालों को गंभीर बनाता है। देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार की ओर से बड़ी-बड़ी घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन दुर्घटना या आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल राहत और सहायता उपलब्ध कराने के लिए तंत्र की सक्रियता दिखाई नहीं देती। उन्होंने कहा कि ज्वालापुरी कॉलोनी में बड़ी संख्या में गरीब परिवार लंबे समय से जर्जर मकानों में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के कारण आर्थिक रूप से कमजोर परिवार अपने मकानों की मरम्मत तक कराने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में जर्जर मकानों की समस्या केवल आवास से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा और जीवन से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। उन्होंने कहा कि समय रहते जर्जर मकानों की पहचान कर उनकी मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना आवश्यक है। देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार से मांग की कि ज्वालापुरी हादसे में प्रभावित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए। घायल युवक को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराने के साथ उसके मकान के पुनर्निर्माण के लिए पर्याप्त आर्थिक मदद दी जाए, ताकि परिवार को दोबारा अपना जीवन व्यवस्थित करने में कठिनाई न हो।

प्रदूषण रोकने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रही दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद प्रतिनिधि मुकेश गोयल ने कहा कि दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए तकनीक के साथ जमीनी स्तर पर भी प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र की शुरूआत को प्रदूषण निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। शास्त्री पार्क स्थित डीएमआरसी आईटी पार्क में 1 अक्टूबर को शुरू किए गए इस केंद्र से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 700 से अधिक निर्माण स्थलों की चौबीसों घंटे निगरानी की जा सकेगी। केंद्र प्रदूषण संबंधी आंकड़ों, शिकायतों और क्षेत्रीय निरीक्षण की जानकारी को एकीकृत कर संबंधित विभागों तक पहुंचाने में मदद करेगा। मुकेश गोयल ने बताया कि व्यवस्था का आधार समस्या की पहचान, उसका विश्लेषण, तत्काल कार्रवाई और परिणाम का सत्यापन है। प्रदूषण के संभावित स्रोत और हॉटस्पॉट चिन्हित होने के बाद संबंधित विभागों को जानकारी देकर मौके पर कार्रवाई सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण केवल निगरानी तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आंकड़ों और तकनीक को जमीनी कार्रवाई से जोड़ना जरूरी है। उनके अनुसार दिल्ली सरकार का लक्ष्य प्रदूषण की समस्या सामने आने के बाद कार्रवाई करने के बजाय समय रहते उसके स्रोतों की पहचान कर रोकथाम के उपाय करना है।

संक्षिप्त खबरें

एनएचएआई की अधिग्रहण प्रक्रिया के खिलाफ पुलिस से शिकायत

बल्लभगढ़। एनएचएआई व नगर निगम की ओर से गांव सोतई की जमीन अधिग्रहण को लेकर ग्रामीणों ने थाना सदर के प्रभारी को लिखित शिकायत दी है। शिकायतकर्ता ने अपनी जमीन को नगर निगम व एनएचएआई की अधिग्रहण प्रक्रिया से मुक्त कराने की मांग की है। साथ ही जमीन से संबंधित दस्तावेजों और अब तक हुई कार्रवाई की जांच कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता वेदपाल सहित 12 अन्य ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि उनकी जमीन एनएचएआई की परियोजना से संबंधित प्रक्रिया में आ रही है। इस संबंध में जिला राजस्व अधिकारी कार्यालय समेत संबंधित विभागों में भी कार्रवाई हुई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अधिकारियों के समक्ष अपनी आपत्ति और जमीन से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए, लेकिन इसके बावजूद उसकी जमीन को लेकर कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। शिकायत में बताया गया है कि एनएचएआई की ओर से जमीन संबंधी प्रक्रिया के तहत नोटिस और अन्य कार्रवाई की गई। ग्रामीण वेदपाल का कहना है कि उसकी जमीन को इस प्रक्रिया से बाहर रखा जाना चाहिए। उसने आरोप लगाया कि उसकी आपत्तियों पर उचित तरीके से विचार नहीं किया गया। ग्रामीणों ने दावा किया यह जमीन उनकी निजी संपत्ति है। बावजूद इसके प्रशासन ने 22 सितंबर 2026 को बलपूर्वक उन्हें जेल भेज दिया गया। इससे पहले 16 सितंबर को भी उनकी जमीन पर कब्जा करने के लिए बल का प्रयोग किया गया था। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस से मांग की है कि एनएचएआई, जिला राजस्व अधिकारी कार्यालय और अन्य संबंधित विभागों से जमीन से जुड़े दस्तावेज मंगवाकर पूरे मामले की जांच की जाए। साथ ही जांच पूरी होने तक जमीन पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने की मांग की गई है और उनकी जमीनों को मशीनों को हटवाकर कब्जा मुक्त करवाया जाए।

ईएसआईसी अस्पताल में पेट स्कैन की सुविधा नहीं

फरीदाबाद। ईएसआईसी मेडिकल एवं अस्पताल में वर्षों बाद भी कैंसर के मरीज उच्च स्तरीय जांच के लिए भटक रहे हैं। अस्पताल में 12 साल बाद भी पेट सिटी और पेट स्कैन की सुविधा शुरू नहीं हो सकी है, जिससे मरीजों को निजी अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ते हैं। कई मरीजों को मजबूरीवश निजी अस्पतालों के अपना इलाज करवाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां फरीदाबाद समेत पलवल, होडल, हथीन, सानीपत, पानीपत, गुरुग्राम आदि जिलों में हजारों मरीज ईलाज के लिए आते हैं। अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं जैसे कैंसर, हार्ट, न्यूरोलॉजी की ओपीडी सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। लेकिन कैंसर की उच्च स्तरीय जांच की सुविधा का अभाव है, जिस कारण कैंसर और हेड इंजरी की जांच में अहम पेट स्कैन कराने के लिए मरीजों को निजी अस्पताल रेफर करना पड़ता है। वहीं कई मरीजों को स्वंय के खर्च पर जांच कराने पड़ती है। निजी अस्पताल और सेंटरों पर पेट स्कैन करीब 30 हजार रुपये तक का होता है जिससे मरीजों को ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ती है। हालांकि मरीजों की परेशानी को देखते हुए चार साल पहले ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल प्रबंधन ने प्रस्ताव तैयार कर पेट स्कैन की सुविधा शुरू करने की तैयारी के लिए दिल्ली मुख्यालय को पत्र लिखा था। लेकिन योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया, जिसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। हर माह होते हैं एक हजार मरीज रेफर : जिला स्तर पर बीके और ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पैट सिटी की सुविधा न होने के कारण हर माह सड़क दुर्घटना में घायल होकर आने वाले हैड इंजरी के लगभग एक हजार मरीज निजी अस्पताल रेफर कर दिए जाते हैं।

पीएम आवास पहुंचे हरियाणा भाजपा के विधायक

सीएम सैनी संग बस में बैठकर गए, रक्फ़र पर चर्चा संभव; 12 साल बाद ऐसी मीटिंग

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा भाजपा के सभी 48 विधायक सीएम नायब सैनी के साथ दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पहुंच गए हैं। यहां पीएम से उनकी मुलाकात होगी। सभी इलैक्ट्रिक बस में बैठकर सीएम के साथ रवाना हुए। भाजपा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता भी इस मीटिंग में शामिल होंगी। 12 साल में ये पहला मौके जब हरियाणा इखढ के सभी विधायकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संवाद करेंगे। इससे पहले 2014 में भाजपा के सभी विधायकों की पीएम मोदी के साथ मीटिंग हुई थी। प्रधानमंत्री आवास पर होने वाली इस बैठक से पहले दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में सीएम ने सभी विधायकों के साथ लंच किया। वहीं, पीएम के साथ होने वाली मीटिंग में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी शामिल होंगे हरियाणा दिवस कार्यक्रम में आ सकते हैं पीएम भाजपा सूत्रों की मानें तो 1 नवंबर को हरियाणा दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा आ सकते हैं। ऐसे में उनके संभावित दौरे से पहले भाजपा विधायकों के साथ होने वाली यह बैठक अहम मानी जा रही है। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता ने 29 जुलाई को पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद उन्होंने बताया था कि प्रधानमंत्री ने हरियाणा के विधायकों से मिलने का वादा किया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, विधायकों के साथ बैठक सितंबर में कराने का प्रस्ताव था, लेकिन प्रधानमंत्री की व्यस्तता के कारण इसे टाल दिया गया। बैठक में SIR पर चर्चा संभव BJP से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस हाईलेवल मीटिंग में प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर भी चर्चा होगी। रक्फ़ को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर सवाल उठा रहा है। दिल्ली के जंतर-मंतर तक विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी विधायकों से SIR को लेकर जमीनी स्थिति की जानकारी ले सकते हैं। पंजाब चुनाव की रणनीति बनेगी हरियाणा भाजपा में हालिया संगठनात्मक बदलावों के बाद यह पहली बड़ी बैठक है। स्मृति ईरानी को हरियाणा भाजपा का नया प्रभारी और डॉ. अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। नए नेतृत्व के साथ संगठन को मजबूत करने और आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव में हरियाणा के नेताओं की भूमिका को लेकर भी बैठक में चर्चा हो सकती है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पंजाब से सटे हरियाणा के जिलों में संगठन की सक्रियता बढ़ाने और नेताओं की जिम्मेदारियां तय करने पर भी मंथन किया जा सकता है।

पत्नी को फोन कर बुलाया, रोते हुए नहर में कूदा

पास आते ही झगड़ा करने लगा; फरीदाबाद में दूर जाओ, दूर जाओ चिल्लाता रहा

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में पत्नी के पास आने पर युवक ने नहर में नहर में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दोनों नहर निनारे होकर झगड़ रहे थे। जैसे ही पत्नी युवक के करीब आई, वो तुरंत आगरा नहर में कूद गया। घटना से कुछ देर पहले ही युवक ने पत्नी को कॉल कर कहा था, मैं नहर में कूद रहा हूं। इसके बाद पत्नी अपनी बहन और जीजा के साथ मौके पर पहुंच गई। यहां दोनों के बीच काफी देर तक कहासुनी होती रही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सर्च अभियान शुरू कर दिया है। युवक की पहचान सेक्टर-29 निवासी पवन के रूप में हुई। पवन फरीदाबाद में ही एक कंपनी में जॉब करता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि ड्यूटी के दौरान भी पवन का पत्नी से झगड़ा हुआ था। ड्यूटी के दौरान पत्नी से झगड़ाः बताया जा रहा है कि पवन का पत्नी डिंपल से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। शुक्रवार सुबह पवन कंपनी में ड्यूटी करने चला गया। यहां भी फोन पर पवन का डिंपल से झगड़ा होता रहा। इसके बाद पवन ड्यूटी छोड़कर सेक्टर-29 स्थित आगरा नहर पुल के पास पहुंच गया। बोला- नहर में कूद जाऊंगाः परिजनों के अनुसार, यहां आते ही पवन ने डिंपल को कॉल कर नहर में छलांग लगाने की बात कही। डिंपल ने तुरंत अपनी बहन और जीजा को कॉल कर घटना की जानकारी दी। पत्नी और परिजन मौके पर पहुंच गए। इस दौरान पवन पुल के किनारे पर खड़ा रहा।

दोस्त से 50 हजार में खरीदा 5 किलो गांजा दिल्ली से सप्लाई करने फरीदाबाद पहुंचा

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । क्राइम ब्रांच अशोक भूपानी की टीम ने नशा तस्करी के मामले में मणिपुर निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 5 किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी दिल्ली में रह रहा था और वहां से गांजा लेकर फरीदाबाद में सप्लाई करने के लिए पहुंचा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उसे शनिवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि क्राइम ब्रांच अशोक भूपानी की टीम को सूचना मिली थी कि सेक्टर-29 के पास एक युवक कट्टे में गांजा लेकर खड़ा है। वह नशे की खेप को फरीदाबाद में सप्लाई करने की फिराक में है। सूचना मिलने के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर निगरानी शुरू की और बताए गए हुलिए के आधार पर युवक को काबू कर लिया। मणिपुर का रहने वाला, दिल्ली में रह रहा था पुलिस जांच में आरोपी की पहचान गॉफ्लुंग निवासी इम्फाल, मणिपुर के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि वह पिछले कुछ समय से दिल्ली में रह रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले फरीदाबाद के एक होटल में काम कर चुका है, जिसके कारण शहर के कुछ इलाकों से वह परिचित भी था। दोस्त से 50 हजार में खरीदा था गांजा प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने 5 किलो गांजा अपने एक दोस्त से करीब 50 हजार रुपए में खरीदा था। इसके बाद वह इस गांजे को सप्लाई करने के लिए दिल्ली से फरीदाबाद आया था। आरोपी सेक्टर-29 के पास ग्राहक या संपर्क का इंतजार कर रहा था, इसी दौरान पुलिस को उसकी गतिविधि की सूचना मिल गई। नेटवर्क और पुराने रिकॉर्ड की जांच पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर गांजा सप्लाई करने वाले उसके साथी और फरीदाबाद में नशे की खेप लेने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

गुरुग्राम का युवक नोएडा में 43वीं मंजिल से कूदा

शरीर के टुकड़े 40 फीट तक बिखरे; सुसाइड से पहले पिता को वॉट्सएप मैसेज

प्रात : किरण संवाददाता

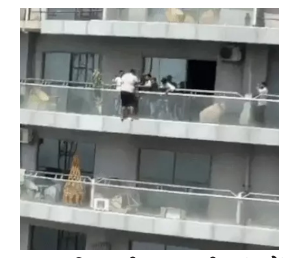

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम के एक युवक ने नोएडा की सबसे ऊंची बिल्डिंग की 43वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। उसने बिल्डिंग की 43वीं मंजिल से छलांग लगाई। जमीन पर गिरते ही उसके शरीर के टुकड़े हो गए। मांस के लोथड़े 30-40 फीट दूर तक फैल गए। हर तरफ खून ही खून फैल गया। घटना सेक्टर-94 में सुपरनोवा सोसाइटी के एस्पायर टावर की है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें [illegible] मानेसर निवासी संभव जैन (29) 63 मंजिला इमारत के 43वें फ्लोर की रेलिंग पर लटकता दिखाई दे रहा है। करीब 2-3 सेकंड वह रेलिंग पर चला। एक अन्य शख्स भी फ्लोर पर दिखाई दिया। इससे पहले वो कुछ करता, युवक ने छलांग लगा दी। पुलिस को टुकड़े इकट्ठे कर शव बोरे में भरना पड़ा। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि संभव ने मरने से पहले एक वीडियो भी बनाया था। जिसमें आर्थिक तंगी से जूझना का जिक्र है। जांच में यह भी सामने आया कि संभव ने पिता से भी वॉट्सएप चैट पर सुसाइड की बात कही थी। अभी वीडियो व चैट सामने नहीं आई है। दैनिक भास्कर की टीम मानेसर में सेक्टर-1 के टावर-ए आईएमटी ब्लू पहुंचा। यहां फ्लैट पर ताला मिला। एक पड़ोसी ने कहा कि उन्हें नहीं पता संभव के साथ क्या हुआ। संभव की एक बहन है। बालकनी पर लटक गयाः पुलिस के मुताबिक, गुरुग्राम के आईएमटी मानेसर क्षेत्र के रहने वाले संभव पुत्र विनय कुमार जैन ने 2 अक्टूबर को बिल्डिंग में कमरा नंबर 4228 को किराए पर लिया था। उसने दोपहर ढाई बजे चेक-इन किया। शनिवार सुबह 11:27 बजे वह कमरे की बालकनी पर चढ़कर बाहर की तरफ लटक गया। पास के कमरे (4227) में काम कर रहे एसी टेक्नीशियन संभव यह देखकर बाहर आए। बोला- जीना नहीं चाहताः टेक्नीशियन संभव को समझाने लगे। उस ऊपर आने के लिए मनाने लगे। संभव ने उनसे कहा कि वह बहुत ज्यादा डिप्रेशन में है। जीना नहीं चाहता है। इसके बाद उसने रेलिंग से हाथ छोड़ दिए। सूचना मिलने पर सेक्टर-126 थाना क्षेत्र की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को जमीन से बटोरकर इकट्ठा किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मैसेज में आर्थिक तंगी का जिक्रः जांच में सामने आया है कि संभव ने घटना से पहले खुद एक वीडियो भी बनाया था। वीडियो में संभव ने आर्थिक तंगी का जिक्र करके जान देने की बात कही है।

हरियाणा में अक्टूबर महीने में भी गर्मी बरकरार अगले 5 दिन तक मौसम रहेगा शुष्क

प्रात : किरण संवाददाता

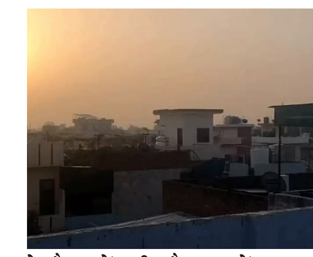

गुरुग्राम। हरियाणा में अक्टूबर शुरू होने के बावजूद गर्मी से राहत नहीं मिली है। बारिश नहीं होने और मौसम शुष्क रहने से प्रदेश में दिन का तापमान बढ़ रहा है। शुक्रवार को प्रदेश के औसत अधिकतम तापमान में गुरुवार के मुकाबले 0.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिन प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा और फिलहाल कोई मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। 7 और 8 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। जिससे तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है। अगले सात दिनों के लिए प्रदेश में किसी तरह की मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विभाग की ओर से 2 अक्टूबर को जारी आंकड़ों के अनुसार महेंद्रगढ़ में अधिकतम तापमान 37.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे अधिक रहा। इसके अलावा हिसार में 37.5, नूंह में 37.1, अम्फ़ हिसार में 36.2, रोहतक में 34.1 और गुरुग्राम में 35.2 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। नारनौल में अधिकतम तापमान 32 डिग्री दर्ज किया गया। अंबाला में 34.3, करनाल में 33.8, कुरुक्षेत्र में 33.2, कैथल में 32.6, पानीपत में 33.2, फतेहाबाद में 34.2, सिरसा में 35.7, रेवाड़ी में 36, पलवल में 36.2, फरीदाबाद में 36.5 और पंचकूला में 32.5 डिग्री तापमान रहा। बारिश नहीं, दिन में गर्मी का असर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान दर्ज किए गए मौसम आंकड़ों में अधिकांश केंद्रों पर बारिश शून्य रही। बारिश नहीं होने से मौसम में नमी और बादलों का प्रभाव कम रहा, जबकि दिन में धूप निकलने के कारण तापमान बढ़ा। यही वजह है कि अक्टूबर के शुरुआती दिनों में भी दोपहर के समय गर्मी का असर बना हुआ है। पांच दिन ऐसा ही रहेगा मौसम मौसम विभाग के अनुसार आने वाले पांच दिनों तक प्रदेश में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा। इस दौरान किसी विशेष मौसम चेतावनी की संभावना नहीं है। ऐसे में दिन के तापमान में तत्काल बड़ी गिरावट की संभावना नहीं दिख रही है। 7 और 8 अक्टूबर को बदल सकता है मौसम मौसम विभाग ने 7 और 8 अक्टूबर को प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। बारिश होने पर तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है और लोगों को दिन की गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि अभी बारिश केवल अलग-अलग स्थानों पर होने की संभावना जताई गई है। लोगों को ठंडे मौसम का इंतजार मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक फिलहाल प्रदेश में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास है, लेकिन अक्टूबर में भी लगातार गर्मी रहने से लोगों को मानसून के बाद ठंडे मौसम का इंतजार है।

फरीदाबाद में करंट लगने से 11वीं के छात्र की मौतनहाने के बाद बाथरूम में टांग रहा तौलिया

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। की न्यू भारत कॉलोनी में शनिवार को करंट लगने से 19 वर्षीय 11वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान खुशहाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक नहाने के बाद बाथरूम में तौलिया टांग रहा था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के पिता ने बताया कि, शनिवार को खुशहाल का 11वीं कक्षा का पेपर था। वह परीक्षा देने की तैयारी में था। सुबह वह नहाने के लिए बाथरूम में गया था। नहाने के बाद जब वह तौलिया टांग रहा था, उसी दौरान उसे करंट लग गया। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बेटे की मौत से परिवार सदमे में खुशहाल की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता ने बताया कि जिस बेटे को शनिवार को परीक्षा देने जाना था, वह अचानक हादसे का शिकार हो गया। परिवार को खुशहाल की पढ़ाई और भविष्य से काफी उम्मीदें थीं। उसकी मौत से परिवार को बड़ा सदमा लगा है। आसपास के लोग पहुंचे घटना के बाद आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे और परिवार को ढांढस बंधाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि खुशहाल सामान्य रूप से अपने रोजमर्रा के काम कर रहा था। किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही देर में ऐसा हादसा हो जाएगा।

सीबीएसई राष्ट्रीय महिला योगासन प्रतियोगिता में पानीपत विजेता

बल्लभगढ़। सेक्टर-65 शाहपुर स्थित आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान में चार दिन से चल रही सीबीएसई राष्ट्रीय महिला योगासन प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में पानीपत के गुरु ब्रह्मानंद स्कूल को ओवरऑल विजेता घोषित किया गया, जबकि तमिलनाडु की वेल मेल बोधी कैंपस स्कूल टीम उपविजेता रही। संस्थान के चेयरमैन सत्यवीर डागर और सीबीएसई की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षकों गौरव राय, तारकनाथ प्रमाणिक व डॉ. अजय शास्त्री ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। प्रतियोगिता का शुभारंभ 29 सितंबर को उत्तर प्रदेश के चीनी एवं गन्ना मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने किया था। चार दिन तक चली प्रतियोगिता में सीबीएसई के सभी नौ जोनों की टीमों ने हिस्सा लिया। इनमें देश के आठ जोन और एक विदेशी जोन शामिल रहा। विदेशी जोन से ओमान और अबूधाबी की टीमों ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया। आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान के चेयरमैन सत्यवीर डागर ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में करीब 830 महिला खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लिया। देश-विदेश के करीब 150 स्कूलों की टीमें यहां पहुंचीं। सीबीएसई के निर्धारित मानकों के अनुसार विभिन्न वर्गों में योगासन प्रतियोगिताएं कराई गईं। चार दिनों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर 27 स्वर्ण, 28 रजत और 58 कांस्य पदक प्रदान किए गए। प्रतियोगिता सीबीएसई की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षकों, 23 सदस्यीय निर्णायक मंडल और एक तकनीकी विशेषज्ञ की देखरेख में संपन्न हुई। समापन समारोह में स्कूल के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सत्यवीर डागर ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि योग के माध्यम से प्रतिभागी अपने स्कूल, शहर, जिला और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान का चयन करने पर सीबीएसई का आभार जताया।

गुरुग्राम लैंड स्कैम में TDI ग्रुप पर ईडी की रेड: 8 करोड़ की लग्जरी कारें जब्त

3 फर्जी कंपनियां बना सस्ती जमीन खरीदी, बड़े ग्रुप को बेची

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । हरियाणा के बहुचर्चित मानेसर जमीन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बिल्डर कंपनी टीडीआई इंफ्रास्ट्रक्चर और टीडीआई इन्फ्राटेक पर अब तक का सबसे बड़ा एक्शन लिया है। ED की चंडीगढ़ जोन-1 टीम ने ग्रुप चेयरमैन रविंद्र तनेजा समेत अन्य अफसरों के दिल्ली, गुरुग्राम और मोहाली ठिकानों पर लगातार 3 दिन तक रेड मारी। शुक्रवार देर रात तक चली इस रेड में टीम ने टीडीआई ग्रुप के ठिकानों से 8 करोड़ रुपए कीमत की लग्जरी गाड़ियां जब्त की है। इनमें रेंज रोवर, मर्सिडीज बेंज, लेक्सस ईएस सहित 8 करोड़ की लग्जरी गाड़ियां जब्त की है। इसके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कई डिजिटल और वित्तीय दस्तावेज जब्त किए हैं। दरअसल, यह मामला गुरुग्राम के तीन क्षेत्रों मानेसर, नौरंगपुर और लखनौला से जुड़ा है। साल 2005 से 2007 के बीच इन क्षेत्रों में जमीन अधिग्रहण चल रहा था, तब टीडीआई ग्रुप ने तीन कागजी कंपनियों (इंडो एशियन कंस्ट्रक्शन, एनसीआर प्रॉपर्टीज और दिव्य ज्योति एंटरप्राइजेज) कर किसानों से 33 एकड़ जमीन सस्ते में खरीदी ली। इसके बाद वही जमीन अतुल बंसल ग्रुप को भारी मुनाफे में बेच दी गई। साल 2015 में सीबीआई ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की, जिसके आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। 8 करोड़ रुपए की लग्जरी गाड़ियां जब्त एऊकी ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, टीडीआई ग्रुप के प्रमोटरों के परिसरों से जब्त की गई लग्जरी गाड़ियों में अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के बेहद महंगे मॉडल शामिल हैं। रेंज रोवरः इसकी अनुमानित कीमत लगभग 4.50 करोड़ रुपए है। मर्सिडीज-बेंज एस-क्लासः यह लग्जरी सेडान लगभग 1.80 करोड़ रुपए मूल्य की है। मर्सिडीज-बेंज ई-क्लासः इसकी कीमत करीब 90 लाख रुपए आंकी गई है। लेक्सस ईएसः टीडीआई ग्रुप के ठिकाने से 72 लाख रुपए की यह प्रीमियम कार भी एऊने अपने कब्जे में ली है। ईडी जांच के अनुसार- 3.12 करोड़ का शुद्ध अवैध मुनाफा ईडी की मनी ट्रेल जांच के अनुसार, टीडीआई ग्रुप ने इन 33 एकड़ की खरीद और तुरंत बाद एबीडब्ल्यू ग्रुप को री-सेल करने के बीच में घुमाकर 3.12 करोड़ का सीधा अवैध नेट प्रॉफिट कमाया था। हालांकि सीबीआई और ईडी ने अपने डॉक्यूमेंट्स में इसे 1500 करोड़ से ज्यादा का घोटाला बताया था।

फरीदाबाद का नाहर सिंह स्टेडियम 6 साल बाद भी अधूरा

मैदान में झाड़ियां, मैच की तारीख तय नहीं; क्रिकेट प्रेमियों का इंतजार बढ़ा

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शहर के क्रिकेट प्रेमियों को नाहर सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चौके-छक्के देखने का इंतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। बडखल विधायक धनेश अदलखा ने स्टेडियम को दिवाली 2026 तक पूरा कराकर मैच कराने का दावा किया था। जमीनी हकीकत ये है कि इसके पुनर्निर्माण का काम जिस हालात में 2025 में था, उसी स्थिति में 2026 में है। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहर के लोगों का इंतजार अभी और भी लंबा होगा। वहीं दूसरी तरफ कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि स्टेडियम को लेकर जो भी रूकावटे थी सभी दूर हो चुकी है। विभाग के अधिकारियों के साथ उनकी बैठक हो चुकी है और तेजी के साथ काम को शुरू किया जाएगा। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने भी काम के तेजी से शुरू होने का दावा किया है, लेकिन किसी ने भी काम के पूरी होने की टाइमलाइन नही बताई है। नगर निगम के चीफ इंजीनियर विवेक गिल के मुताबिक, कंपनी ने काम शुरू कर दिया है। निर्माण एजेंसी रंजीत बिल्डकॉन लिमिटेड के जिम्मे करीब 25% काम का हिस्सा है। यह काम पूरा होने के बाद बाकी निर्माण के लिए नया टेंडर लगाया जाएगा। इसके बाद शेष कार्य पूरा कराया जाएगा। ऐसे में स्टेडियम के पूरी तरह तैयार होने में अभी कितना समय लगेगा, इसका कोई निश्चित जवाब निगम के पास भी नहीं है। सिडनी के ग्राउंड की तर्ज पर बनना था राजा नाहर सिंह स्टेडियम को सिडनी के ग्राउंड की तर्ज पर बनाने के लिए साल 2018 में गुजरात की रणजीत बिल्डकॉन कंपनी को इसका कार्य दिया गया।

पुरानी रंजिश में घर के बाहर हुड़दंग, हाथापाई

बल्लभगढ़। पुरानी रंजिश के चलते घर के बाहर पहुंचकर हुड़दंगबाजी, हाथापाई और जान से मारने की धमकी देने के मामले में क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो विधि-विरुद्ध बालकों को भी अभिरक्षा में लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आजाद, सोहेब, मौसम और अरमान के रूप में हुई है। मामले में आरोपी साहिल को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार, सेक्टर-62 निवासी विनोद ने थाना आदर्श नगर में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि 12 फरवरी की रात कुछ युवक उसके घर के बाहर पहुंचे और हुड़दंगबाजी करने लगे। आरोप है कि जाते समय युवक जान से मारने की धमकी भी देकर गए। शिकायत के आधार पर थाना आदर्श नगर में मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि 12 फरवरी की सुबह शिकायतकर्ता के बेटे विशाल और आरोपी साहिल के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, इसी बात की रंजिश रखते हुए साहिल रात में अपने साथियों के साथ विशाल के घर पहुंचा। आरोप है कि वहां उन्होंने हुड़दंगबाजी करते हुए हाथापाई की और धमकी देकर चले गए। मामले की जांच के दौरान क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव की टीम ने अन्य आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने 2 अक्तूबर को आजाद, सोहेब, मौसम और अरमान को गिरफ्तार किया। दो विधि-विरुद्ध बालकों को भी अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी साहिल की इस मामले में पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम में जमीन कब्जाने पहुंचे 40 लोग, महिलाओं के सिर फोड़े

खेत में घुसकर परिवार पीटा, ईंट-पत्थर बरसाए; हमलावरों की 2 स्कॉर्पियो टूटी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम में जमीनी विवाद को लेकर 2 पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। हमले में महिलाओं सहित कई लोग घायल हो गए। आरोप है एक पक्ष के करीब 40 लोग कई स्कॉर्पियो लेकर जमीन पर कब्जा करने के लिए खेत में पहुंच गए। यहां कहासुनी के बाद दूसरे पक्ष पर इन लोगों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। सूचना पर पहुंचे घायलों के परिजनों ने हमलावरों की गाड़ियां तोड़ दी। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर ईंट-पत्थर चले। सूचना पर पहुंची गुरुग्राम पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जमीन के डॉक्यूमेंट और कोर्ट स्टे ऑर्डर की जांच की जा रही है। यहां, सिलसिलेवार जानिए पूरा घटनाक्रम खेत में काम कर रहे परिवार पर हमलाः फर्रुखनगर एरिया के पातली गांव निवासी राजकुमार ने पुलिस शिकायत में बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे वह परिवार के साथ खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान गांव के दिनेश, अजय और शिवम 30 से 40 अज्ञात लोगों के साथ वहां पहुंचे। सभी लाठी-डंडे और धारदार हथियार लिए हुए थे। आते ही उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और परिवार पर हमला कर दिया। उनके परिवार के कई लोगों को गंभीर चोटें आईं। जमीन पर कब्जे का विरोध पर पीटेः राजकुमार का आरोप है कि आरोपी जबरन उनकी जमीन पर कब्जा करने के लिए पहुंचे थे। हमने जमीन पर कब्जे का विरोध किया तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और हमलावर पक्ष की 2 स्कॉर्पियो कार में तोड़फोड़ की गई। हमले में घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को मिलीं क्षतिग्रस्त गाड़ियांः घटना की सूचना मिलते ही फर्रुखनगर थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी वहां से फरार हो चुके थे। मौके पर हमलावर पक्ष की क्षतिग्रस्त गाड़ियां मिलीं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ शिकायतकर्ता के बयान दर्ज किए। इसके आधार पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। कोर्ट स्टे के बीच उलझा जमीन विवाद यह विवाद जमीन के मालिकाना हक को लेकर कई साल से चला आ रहा है। बताया जा रहा है कि दिनेश पक्ष के पास विवादित जमीन के एक हिस्से की करीब 6 कनाल 19 मरले की रजिस्ट्री है। वहीं करीब 7 कनाल 12 मरले जमीन पर अजय का कब्जा बताया जा रहा है। आरोप है कि इस जमीन पर उन्होंने अवैध रूप से प्लॉट काट रखे हैं। राजकुमार का कहना है कि पूरी जमीन को लेकर पिछले दो साल से कोर्ट का स्टे लगा हुआ है। इसके बावजूद शुक्रवार को दिनेश पक्ष ने बड़ी संख्या में बाहरी लोगों को बुलाकर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। थाना प्रभारी बोले- स्टे ऑर्डर की जांच कर रहे फर्रुखनगर थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि पातली गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट और गाड़ियों में तोड़फोड़ की सूचना मिली थी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शिकायत दर्ज कर ली है।

फरीदाबाद में छात्रा से गैंगरेप के 3 आरोपी गिरफ्तार 3 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजे, ट्यूशन के बाद दोस्त से मिलने गई थी

फरीदाबाद । जिले में एक खंडहर बिल्डिंग के अंदर नाबालिग किशोरी के साथ गैंगरेप करने वाले गिरफ्तार युवकों का पुलिस द्वारा रात वीरवार की रात को मेडिकल कराया गया। पुलिस तीनों को रात में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। जहां से तीनों को 3 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस जांच मे ये भी सामने आया है कि आरोपियों ने किशोरी और उसके साथी से 10 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कराए थे। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। बीपीटीपी थाना पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया है कि थाना क्षेत्र की 8वीं क्लास में पढ़ने वाली एक किशोरी 24 अगस्त को ट्यूशन पढ़कर घर वापस आ रही थी। लेकिन इस दौरान वह अपने एक दोस्त से मिलने चली गई। जब वह अपने दोस्त के साथ थी तो 6 युवक उसका पीछा करते हुए खंडहर की बिल्डिंग में पहुंच गए। इसके बाद दोनों को डरा-धमकाकर उनके साथ गैंग रेप किया। पुलिस को दी गई शिकायत में किशोरी के साथ गैंगरेप की बात बताई गई है। पुलिस ने शिकायत और मेडिकल के आधार पर गैंगरेप का मामला दर्ज किया है। इसके अलावा किशोरी के दोस्त के साथ भी अप्राकृतिक यौनाचार किया गया है। किशोरी की उम्र 13 साल है जबकि उसके दोस्त की उम्र 16 साल है। 1 महीने पहले हुई वारदात पुलिस के मुताबिक इस वारदात को करीब 1 महीने पहले अंजाम दिया गया था। दोनों बच्चों ने पहले डर के कारण इस वारदात को माता-पिता से छिपाकर रखा। इसके बाद जब दोनों मानसिक रूप से ज्यादा परेशान रहने लगे तो किशोरी की मां ने प्यार से बात की। किशोरी ने मां को आपबीती बताई। पुलिस ने 3 को अरेस्ट किया बीपीटीपी थाना पुलिस ने इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कुनाल, दीपक और यश शामिल है। पुलिस को 29 सितंबर को घटना की शिकायत दी गई। थाना इंचार्ज प्रदीप कुमार के मुताबिक कि तीनों आरोपियों को रात को ही मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर 3 दिन के रिमांड पर लिया गया है।

डोसा तवा खरीदने के लिए ऑनलाइन खोजा, खाते से निकल गए साढ़े 12 लाख रुपये

फरीदाबाद। सेक्टर-15ए निवासी महिला को डोसा तवा खरीदने के लिए ऑनलाइन खोजना महंगा पड़ गया। एक नामी ऑनलाइन साइट के नाम से दिखाई दे रही फर्जी साइट से 2310 रुपये में डोसा तवा ऑर्डर करने के बाद महिला ने कस्टमर केयर से संपर्क किया। फोन करने वाले व्यक्ति ने ऑर्डर का पैसा वापस कराने के नाम पर उसके मोबाइल में कुछ सेटिंग कराई। इसके बाद महिला के बैंक खाते से साढ़ 12 लाख रुपये की साइबर ठगी हो गई। पीड़िता की शिकायत पर साइबर थाना सेंट्रल ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-15ए निवासी रंजना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें डोसा तवा खरीदना था। इसके लिए उन्होंने गूगल पर सर्च किया। वहां उन्हें अमेजन पे के नाम से एक साइट दिखाई दी। साइट पर जाकर उन्होंने डोसा तवा ऑर्डर किया और उनके खाते से 2310 रुपये कट गए। इसके बाद उन्होंने अमेजन पे पर जाकर ऑर्डर हिस्ट्री चेक की तो वहां ऑर्डर दिखाई नहीं दिया। महिला ने बताया कि इसके बाद उन्होंने गूगल पर अमेजन पे का कस्टमर केयर नंबर तलाशा। वहां मिले नंबर पर उन्होंने अपने मोबाइल नंबर से फोन कर डोसा तवा की डिलीवरी के बारे में पूछा। फोन करने वाले व्यक्ति ने कहा कि वह उनका पूरा पैसा वापस करवा देगा। इसके बाद उसने महिला के फोन पर कुछ सेटिंग कराई और कहा कि जल्द ही पैसा वापस आ जाएगा। महिला के मुताबिक उस सेटिंग के बाद फोन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई और स्क्रीन पर वेट फॉर रिफंड लिखा आने लगा।

पुतिन की परमाणु चेतावनी और भारत की शांति नीति

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ताजा बयान ने यूरोप और दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मॉस्को में वाल्दाई फोरम के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस के किसी भी क्षेत्र पर हमला हुआ तो रूस अपनी सुरक्षा के लिए सभी उपलब्ध हथियारों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने विशेष रूप से कलिनिनग्राद का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि नाटो देश इस रूसी क्षेत्र को बाकी रूस से अलग करने की कोशिश करते हैं तो रूस तत्काल जवाब देगा। उनके बयान को पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि रूस और नाटो के बीच यूक्रेन युद्ध के बाद से सैन्य और राजनीतिक टकराव लगातार बढ़ा है। कलिनिनग्राद रूस का ऐसा क्षेत्र है जो भौगोलिक रूप से रूस के मुख्य भूभाग से अलग है। यह बाल्टिक सागर के किनारे पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित है और चारों ओर से नाटो के सदस्य देशों के निकट है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 से यह क्षेत्र सोवियत संघ और बाद में रूस के नियंत्रण में है। रूस के लिए कलिनिनग्राद केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं बल्कि सैन्य और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां रूस की बाल्टिक नौसेना की मौजूदगी है और क्षेत्र में आधुनिक सैन्य प्रणालियां तैनात हैं। इसकी भौगोलिक स्थिति रूस को बाल्टिक सागर तथा यूरोप के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने की क्षमता देती है। पुतिन ने अपने बयान में पश्चिमी देशों पर रूस के खिलाफ तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पश्चिमी देशों में आने वाले वर्षों में रूस के साथ संभावित युद्ध की बातें की जा रही हैं। उन्होंने बाल्टिक सागर में होने वाले सैन्य अभ्यासों और रूसी जहाजों को लेकर उठाए जा रहे कदमों का भी उल्लेख किया। रूस की ओर से यह दावा भी किया गया है कि नाटो कलिनिनग्राद की हवाई और समुद्री नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। हालांकि नाटो ने इस दावे को खारिज किया है और कहा है कि रूस पर हमला करने या कलिनिनग्राद को निशाना बनाने की उसकी कोई योजना नहीं है। नाटो की ओर से रूस की परमाणु धमकियों पर आपत्ति जताई गई है। नाटो का कहना है कि वह रक्षात्मक गठबंधन है और उसकी सैन्य गतिविधियां रूस के किसी क्षेत्र पर हमला करने के उद्देश्य से नहीं हैं। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने भी रूस से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां बंद करने को कहा है। इस पूरे घटनाक्रम से स्पष्ट है कि यूक्रेन युद्ध का असर केवल रूस और यूक्रेन तक सीमित नहीं है, बल्कि यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था और रूस तथा नाटो के संबंधों पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ा है। बाल्टिक सागर में पिछले कुछ समय से नाटो के सैन्य अभ्यास भी तनाव का एक कारण बने हुए हैं। नाटो ने समुद्र के नीचे मौजूद संचार केबल और पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। रूस इन गतिविधियों को अपनी सुरक्षा के नजरिए से देखता है, जबकि नाटो इन्हें सदस्य देशों और महत्वपूर्ण समुद्री ढांचे की सुरक्षा से जोड़ता है। दोनों पक्षों के बीच इस तरह की गतिविधियों को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। परमाणु हथियारों के संदर्भ में पुतिन का बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे सैन्य टकराव का खतरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय रहा है। रूस दुनिया की प्रमुख परमाणु शक्तियों में शामिल है और नाटो में भी अमेरिका, ब्रिटेन तथा फ्रांस जैसी परमाणु शक्तियां हैं। ऐसे में किसी भी सैन्य संकट में परमाणु हथियारों का उल्लेख अंतरराष्ट्रीय तनाव को और बढ़ा सकता है। इसलिए दुनिया के अधिकांश देश रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे संघर्ष से बचने तथा बातचीत का रास्ता बनाए रखने पर जोर देते रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारत की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। रूस के साथ भारत के लंबे समय से मजबूत और बहुआयामी संबंध हैं। रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, अंतरिक्ष और रणनीतिक सहयोग सहित अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच संबंध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच व्यक्तिगत संवाद भी लगातार बना हुआ है। इसके बावजूद भारत ने यूक्रेन युद्ध के मामले में रूस का समर्थन करने के बजाय लगातार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान का पक्ष रखा है। पुतिन ने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा मित्र बताते हुए कहा है कि मोदी लगातार यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की बात उठाते हैं। उनका कहना है कि मोदी हर मुलाकात में युद्ध रोकने और शांति का रास्ता निकालने पर चर्चा करते हैं तथा उनके पास इस दिशा में उपयोगी सुझाव हैं। यह स्थिति भारत की विदेश नीति के उस दृष्टिकोण को सामने लाती है जिसमें मित्र देशों के साथ संबंध बनाए रखते हुए विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाती है।

करुणा और संवेदनशीलता से ही जीवित रहती है मानवता

कांतिलाल मांडोत

मानव सभ्यता ने ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। मनुष्य को बौद्धिक रूप से संसार का समर्थ प्राणी माना जाता है। उसके पास सोचने, समझने, निर्णय लेने और परिस्थितियों को बदलने की अद्भुत क्षमता है। लेकिन मनुष्य की वास्तविक श्रेष्ठता केवल उसकी बुद्धि और उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके भीतर मौजूद करुणा, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की भावना में निहित है। यदि मनुष्य के हृदय से करुणा समाप्त हो जाए और दूसरे के सुख-दुःख के प्रति संवेदनशीलता समाप्त हो जाए तो ज्ञान और संपन्नता के बावजूद मानवता का वास्तविक अर्थ अधूरा रह जाता है। मनुष्य अकेले अपने जीवन की प्रत्येक आवश्यकता पूरी नहीं कर सकता। उसके जीवन की अनेक आवश्यकताएं प्रकृति और असंख्य जीवों के सहयोग से पूरी होती हैं। जल, वायु, अन्न, वनस्पतियां और पशु-पक्षी जीवन-व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए अन्य प्राणियों के प्रति दया और संरक्षण केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि मनुष्य का नैतिक दायित्व भी है। जिस प्रकृति और जीव-जगत से मनुष्य निरंतर प्राप्त करता है, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना उसके जीवन की जिम्मेदारी है। करुणा मनुष्य को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी कराती है। मानव समाज में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक-दूसरे का सहयात्री है। किसी के जीवन में सुख है तो किसी के हिस्से में संघर्ष और अभाव भी हो सकता है। ऐसे में दूसरे के दुख को देखकर मुंह फेर लेना संवेदनशील समाज की पहचान नहीं हो सकती। आर्थिक असमानता के बीच संपन्न व्यक्ति का दायित्व और बढ़ जाता है। समाज में ऐसे अनेक परिवार हैं जो सीमित साधनों में जीवनयापन करते हैं और उनकी छोटी-छोटी आवश्यकताएं भी संघर्ष का कारण बन जाती हैं। दूसरी ओर यदि संपन्न व्यक्ति अपनी समृद्धि का प्रदर्शन करते हुए केवल अपने सुख में डूबा रहे तो सामाजिक दूरी और असंतोष बढ़ सकता है। करुणा का अर्थ केवल किसी जरूरतमंद को वस्तु या धन देना नहीं है। किसी की परेशानी को समझना, उसके आत्मसम्मान का ध्यान रखना, संकट में उसके साथ खड़ा होना और आवश्यकता पड़ने पर सहयोग का हाथ बढ़ाना भी करुणा का ही रूप है। संवेदनशीलता मनुष्य को दूसरों की परिस्थितियों को समझने की दृष्टि देती है। जब हृदय में करुणा होती है तो रिश्तों में कठोरता कम होती है और परस्पर विश्वास बढ़ता है। परिवार, समाज और राष्ट्र की मजबूती के पीछे ऐसी ही मानवीय भावनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आज के समय में भौतिक उपलब्धियों की दौड़ तेज होती जा रही है। व्यक्ति सफलता, संपत्ति और प्रतिष्ठा को जीवन का प्रमुख लक्ष्य मानने लगा है। ऐसे वातावरण में करुणा और संवेदनशीलता का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। हमें यह समझना होगा कि किसी समाज की वास्तविक समृद्धि केवल उसकी आर्थिक स्थिति से नहीं मापी जा सकती। समाज कितना मानवीय है, कमजोर और जरूरतमंद लोगों के प्रति उसका व्यवहार कैसा है और संकट की घड़ी में लोग एक-दूसरे के कितने काम आते हैं, यह भी उसकी प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। मन की करुणा पारस्परिक संबंधों को मधुर बनाती है। संवेदनशील व्यक्ति केवल अपने हित की चिंता नहीं करता, बल्कि अपने आसपास के लोगों के सुख-दुःख को भी समझता है। यही भावना परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र तक फैलती है। मानवता की आधारभूमि पारस्परिकता है और पारस्परिकता तभी मजबूत हो सकती है जब उसमें प्रेम, सहयोग, सहानुभूति और विश्वास का समावेश हो। इसलिए करुणा को कमजोरी नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र की शक्ति के रूप में देखना चाहिए। सार्थक और निर्दोष जीवन जीने की कला है धर्म धर्म मानव जीवन को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण अवधारणा है, लेकिन समय के साथ धर्म की व्याख्याएं इतनी जटिल होती गईं कि उसके मूल उद्देश्य को समझना कठिन हो गया। अलग-अलग परंपराओं और संप्रदायों ने धर्म को अपने-अपने दृष्टिकोण से परिभाषित किया है। इन व्याख्याओं में विविधता स्वाभाविक है, लेकिन धर्म के ऐसे मूल तत्व भी हैं जिन्हें सभी मनुष्यों के लिए उपयोगी माना जा सकता है।

आसमान में मंडराया खतरा तो हिम्मत बनी सैकड़ों यात्रियों की ढाल

विमान के भीतर अचानक पैदा हुए संकट ने यात्रियों और चालक दल के सामने असाधारण चुनौती खड़ी कर दी थी। ऐसी स्थिति में घबराहट फैलना स्वाभाविक था, लेकिन विमान के संचालन से जुड़े लोगों के लिए सबसे जरूरी था कि वे संयम बनाए रखें और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कैप्टन स्मित की भूमिका इसी जिम्मेदारी की मिसाल के रूप में सामने आई। किसी भी विमान के कॉकपिट में बैठे पायलट पर सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी होती है। सामान्य परिस्थितियों में उड़ान भरना, दिशा बदलना और विमान को सुरक्षित उतारना भी विशेषज्ञता का काम है, लेकिन आपात स्थिति में यही जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। उस समय पायलट को बहुत कम समय में उपलब्ध विकल्पों का आकलन कर निर्णय लेना पड़ता है। एक छोटी सी चूक भी गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

विमान में बैठे यात्रियों के लिए उड़ान का समय सामान्यतः रोमांच और सुविधा का अनुभव होता है, लेकिन जब हजारों फीट की ऊंचाई पर अचानक कोई गंभीर संकट सामने आ जाए तो कुछ ही क्षणों में पूरी स्थिति जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। ऐसे समय में विमान के पायलट की भूमिका केवल विमान उड़ाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसकी सूझबूझ, धैर्य, निर्णय क्षमता और साहस सैकड़ों लोगों के जीवन की रक्षा का आधार बन जाते हैं। हाल की एक घटना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि संकट के सामने मजबूत हौसला और पेशेवर जिम्मेदारी कितनी बड़ी ताकत बन सकती है। दुबई से इजरायल जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में सामने आए गंभीर खतरे के दौरान कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस तरह परिस्थितियों का सामना किया, उसने उन्हें चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विमान के भीतर अचानक पैदा हुए संकट ने यात्रियों और चालक दल के सामने असाधारण चुनौती खड़ी कर दी थी। ऐसी स्थिति में घबराहट फैलना स्वाभाविक था, लेकिन विमान के संचालन से जुड़े लोगों के लिए सबसे जरूरी था कि वे संयम बनाए रखें और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कैप्टन स्मित की भूमिका इसी जिम्मेदारी की मिसाल के रूप में सामने आई। किसी भी विमान के कॉकपिट में बैठे पायलट पर सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी होती है। सामान्य परिस्थितियों में उड़ान भरना, दिशा बदलना और विमान को सुरक्षित उतारना भी विशेषज्ञता का काम है, लेकिन आपात स्थिति में यही जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। उस समय पायलट को बहुत कम समय में उपलब्ध विकल्पों का आकलन कर निर्णय लेना पड़ता है। एक छोटी सी चूक भी गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। कैप्टन स्मित के अनुभव और धैर्य ने ऐसे ही कठिन समय में उनकी पेशेवर क्षमता को सामने रखा। कैप्टन स्मित मूल रूप से गुजरात से हैं। दिलचस्प बात यह है कि बचपन में उनका सपना पायलट बनने का नहीं था। उनका झुकाव परिवार के कारोबार को आगे बढ़ाने की ओर था। उन्होंने टेक्सटाइल इंजीनियरिंग और प्रबंधन की पढ़ाई भी की। बाद में एक विमानन संबंधी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद उनके जीवन की दिशा बदल गई। विमानन की दुनिया ने उन्हें आकर्षित किया और उन्होंने वाणिज्यिक पायलट बनने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड में उड़ान प्रशिक्षण लिया और कठिन प्रशिक्षण के बाद व्यावसायिक विमानन में अपना करियर बनाया। एक पायलट के रूप में उनकी पहली उड़ान बेंगलुरु से दिल्ली के बीच रही। इसके बाद उन्होंने फ्लाईदुबई में अपना करियर आगे बढ़ाया। उन्हें वाणिज्यिक विमान उड़ाने का 13 वर्ष से अधिक का अनुभव है और बोइंग 737 विमान पर लगभग 9750 घंटे उड़ान का अनुभव बताया जाता है। इतने लंबे अनुभव का महत्व तभी समझ में आता है जब पायलट को अचानक सामान्य परिस्थितियों से अलग किसी चुनौती का सामना करना पड़े। वर्षों के प्रशिक्षण और अनुभव से विकसित निर्णय क्षमता ऐसे समय में सबसे बड़ा सहारा बनती है। इस घटना ने विमान में पायलट के साथ पूरे चालक दल की भूमिका को भी रेखांकित किया है। यात्रियों की सुरक्षा केवल कॉकपिट तक सीमित नहीं होती। केबिन क्रू भी आपात परिस्थितियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। यात्रियों को शांत रखना, उन्हें सुरक्षा संबंधी निर्देश देना और कठिन परिस्थितियों में व्यवस्थित ढंग से काम करना चालक दल की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। इसलिए विमान की सुरक्षित यात्रा के पीछे पायलट और केबिन क्रू दोनों का तालमेल महत्वपूर्ण होता है। कैप्टन स्मित ने घटना से पहले भी एक बातचीत में आपात स्थिति के दौरान केबिन क्रू की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया था। यह विचार उनकी पेशेवर सोच को दशार्ता है कि विमान में सुरक्षा किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी टीम के अनुशासन और समन्वय का परिणाम है। संकट के समय यही टीम भावना यात्रियों के लिए सुरक्षा कवच बनती है। विमानन इतिहास में ऐसे अनेक अवसर आए हैं जब पायलट और चालक दल ने असाधारण परिस्थितियों में यात्रियों की जान बचाई। वर्ष 1988 में अलोहा एयरलाइंस की उड़ान के दौरान ऊंचाई पर विमान का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बावजूद चालक दल ने विमान को सुरक्षित उतारने का प्रयास किया। वर्ष 2009 में अमेरिका में एक विमान के दोनों इंजनों पर पक्षियों के झुंड से टकराने के बाद पायलटों ने बेहद कठिन परिस्थिति में विमान को हडसन नदी में उतारा और बड़ी संख्या में यात्रियों की जान बची। इसी तरह विमानन इतिहास में नीरजा भानोट का नाम भी साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। 1986 में एक विमान के अपहरण के दौरान उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा के लिए असाधारण साहस दिखाया और कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। ऐसे उदाहरण बताते हैं कि विमानन क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की जिम्मेदारी केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित नहीं है।

बच्चों में खेल के मैदान से दूरी और जरूरत से ज्यादा साफ-सफाई ने बढ़ाई चिंता

स्वच्छता निश्चित रूप से जरूरी है, लेकिन सामान्य वातावरण से पूरी तरह दूरी बनाना भी स्वस्थ जीवन का पर्याय नहीं है। विशेषज्ञों ने इसी बदलती जीवनशैली को लेकर चिंता जताई है। कानपुर में आयोजित ईएनटी विशेषज्ञों के राष्ट्रीय सम्मेलन यूपीएओआईसीओएन में बच्चों के स्वास्थ्य और बदलती दिनचर्या पर चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने इस दिशा में ध्यान आकर्षित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों में बार-बार होने वाली सर्दी-खांसी और जुकाम को केवल संक्रमण के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उनकी जीवनशैली, शारीरिक सक्रियता, नींद, भोजन और सामान्य वातावरण के संपर्क को भी समझना जरूरी है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

बच्चों को स्वस्थ रखना हर माता-पिता की पहली प्राथमिकता होती है। बीमारी से बचाने के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना, समय-समय पर हाथ धुलाना, पौष्टिक भोजन देना और संक्रमण से दूर रखना सामान्य और आवश्यक सावधानियां हैं। लेकिन जब यही सावधानियां अति में बदल जाती हैं तो प्रश्न उठता है कि क्या हम बच्चों को स्वस्थ रखने के प्रयास में कहीं उनके स्वाभाविक प्रतिरोधक तंत्र के विकास में बाधा तो नहीं डाल रहे? आज यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि बच्चों की जीवनशैली तेजी से बदल रही है। कभी बच्चे सुबह घर से निकलकर गलियों, मैदानों और पार्कों में घंटों खेलते थे। मिट्टी में खेलना, पेड़ों के आसपास घूमना, साइकिल चलाना, दौड़ना और दोस्तों के साथ शारीरिक गतिविधियों में शामिल होना उनके बचपन का स्वाभाविक हिस्सा था। आज वही बचपन मोबाइल फोन, टैबलेट, टीवी और वीडियो गेम की चमकती स्क्रीन के सामने सिमटता जा रहा है। दूसरी ओर, बच्चों को हर प्रकार के सूक्ष्मजीव से बचाने की कोशिश भी कई परिवारों की दिनचर्या का हिस्सा बन गई है। स्वच्छता निश्चित रूप से जरूरी है, लेकिन सामान्य वातावरण से पूरी तरह दूरी बनाना भी स्वस्थ जीवन का पर्याय नहीं है। विशेषज्ञों ने इसी बदलती जीवनशैली को लेकर चिंता जताई है। कानपुर में आयोजित ईएनटी विशेषज्ञों के राष्ट्रीय सम्मेलन यूपीएओआईसीओएन में बच्चों के स्वास्थ्य और बदलती दिनचर्या पर चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने इस दिशा में ध्यान आकर्षित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों में बार-बार होने वाली सर्दी-खांसी और जुकाम को केवल संक्रमण के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उनकी जीवनशैली, शारीरिक सक्रियता, नींद, भोजन और सामान्य वातावरण के संपर्क को भी समझना जरूरी है। बच्चों को संक्रमण से बचाने के लिए हाथ धोना बेहद महत्वपूर्ण है। खाना खाने से पहले, शौचालय के इस्तेमाल के बाद और गंदगी या संभावित संक्रमण के संपर्क में आने के बाद हाथ धोना स्वास्थ्य की बुनियादी आदतों में शामिल है। इससे अनेक संक्रमणों का जोखिम कम किया जा सकता है। लेकिन हर कुछ मिनट में हाथ धोना, हर वस्तु को बार-बार सैनिटाइज करना और बच्चे को सामान्य वातावरण से पूरी तरह अलग रखने की कोशिश अलग विषय है। मानव शरीर का प्रतिरोधक तंत्र बाहर की दुनिया के साथ संपर्क से भी सीखता है। सामान्य वातावरण में मौजूद विभिन्न सूक्ष्मजीवों के संपर्क में आने पर प्रतिरक्षा तंत्र को बाहरी तत्वों को पहचानने और उनके प्रति प्रतिक्रिया विकसित करने के अवसर मिलते हैं। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि बच्चों को जानबूझकर गंदगी या संक्रमण के संपर्क में लाया जाए। इसका अर्थ केवल इतना है कि सामान्य, सुरक्षित और स्वाभाविक वातावरण से अनावश्यक दूरी भी न बनाई जाए। बच्चे को स्वस्थ रखने का अर्थ यह नहीं कि उसके आसपास ऐसा कृत्रिम वातावरण बना दिया जाए जहां मिट्टी, पौधे, धूल, दूसरे बच्चे या सामान्य घरेलू वातावरण का कोई संपर्क ही न हो। स्वच्छता और अतिस्वच्छता के बीच का अंतर समझना आज पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है। बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता पर चर्चा करते समय केवल हाथ धोने की आदत पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। आज की सबसे बड़ी चुनौती शायद बच्चों की निष्क्रिय जीवनशैली भी है। एक समय था जब माता-पिता बच्चों को घर से बाहर खेलने के लिए कहते थे। आज कई माता-पिता को बच्चों को मोबाइल से दूर करके बाहर खेलने के लिए समझाना पड़ता है। कार्टून, ऑनलाइन गेम, वीडियो, सोशल मीडिया सामग्री और मनोरंजन के अनेक डिजिटल विकल्प बच्चों का ध्यान लंबे समय तक स्क्रीन पर बनाए रखते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चे घंटों एक ही स्थान पर बैठे रहते हैं। दौड़ना, कूदना, साइकिल चलाना, गेंद खेलना और खुले वातावरण में समय बिताना कम होता जाता है। मुंबई के वरिष्ठ ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. असीम देसाई ने भी बच्चों में बार-बार सर्दी-खांसी और जुकाम के संदर्भ में बदलती दिनचर्या तथा जीवनशैली को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यहां समस्या केवल मोबाइल की मौजूदगी नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब स्क्रीन बच्चे के दिन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लेती है और उसकी जगह से खेल, नींद, पढ़ाई, बातचीत तथा शारीरिक गतिविधि पीछे हटने लगती है। बच्चों के लिए खेल का अर्थ केवल समय बिताना नहीं है। खेल उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दौड़ते समय शरीर सक्रिय होता है। गेंद खेलते समय आंख और हाथ के बीच तालमेल विकसित होता है। साइकिल चलाने से संतुलन बेहतर होता है। समूह में खेलने से सहयोग, अनुशासन और सामाजिक व्यवहार सीखने का अवसर मिलता है। शारीरिक सक्रियता शरीर के सामान्य स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है और प्रतिरक्षा तंत्र के बेहतर कामकाज में भी इसकी भूमिका है। इसके विपरीत लगातार बैठे रहने वाली जीवनशैली बच्चों के समग्र स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य की चर्चा केवल इस सवाल तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि उन्होंने आज कितनी बार हाथ धोए। यह भी देखना होगा कि उन्होंने आज कितनी देर दौड़ लगाई, कितना खेला, कितनी नींद ली और भोजन में क्या खाया। बचपन को केवल किताब और स्क्रीन के बीच बंद कर देना, उसके स्वाभाविक विकास को सीमित करना है। बच्चों में सर्दी, खांसी और जुकाम होना सामान्य बात हो सकती है। बच्चों का प्रतिरोधक तंत्र विकसित होने की प्रक्रिया में होता है और वे विभिन्न सामान्य संक्रमणों के संपर्क में आते हैं। इसलिए हर बार नाक बहने, छींक आने या खांसी होने पर माता-पिता का घबरा जाना भी उचित नहीं है। हालांकि लगातार, गंभीर या असामान्य लक्षण होने पर चिकित्सकीय सलाह आवश्यक है। महत्वपूर्ण यह है कि हर बीमारी को केवल दवा से दबाने की प्रवृत्ति से बचा जाए। बच्चे की पूरी दिनचर्या को देखना चाहिए। क्या वह पर्याप्त सो रहा है? क्या वह रोज खेलता है? क्या वह पौष्टिक भोजन करता है? क्या वह लगातार स्क्रीन के सामने बैठा रहता है? क्या वह सामान्य वातावरण से पूरी तरह अलग रहता है? क्या घर में हर छोटी गतिविधि के बाद हाथ धुलवाए जाते हैं?

रेहड़ी वाली पर कार्रवाई, शोरूमों पर भी नजर हो

शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी ढांचे, सामान रखने के लिए घेरा गया स्थान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक जगह को प्रभावित करता है। सवाल यह नहीं कि किसके खिलाफ कार्रवाई हुई; सवाल यह है कि क्या हर अतिक्रमण के खिलाफ समान कार्रवाई हो रही है? गरीब की रेहड़ी दिखाई देना आसान है, लेकिन बड़े प्रतिष्ठानों का कब्जा अक्सर व्यवस्था की आंखों के सामने भी सामान्य मान लिया जाता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखिका)

हिसार में अतिक्रमण हटाने के नाम पर एक रेहड़ी वाली महिला का सामान फेंके जाने का दृश्य सामने आता है तो सवाल केवल एक महिला की रेहड़ी का नहीं रह जाता, बल्कि पूरे प्रशासनिक रवैये पर उठता है। शहर को अतिक्रमण मुक्त करना नगर निगम की जिम्मेदारी है और सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों तथा रास्तों पर कब्जे हटाए जाने चाहिए। लेकिन कानून की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके सामने कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं, बल्कि रोज कमाकर परिवार चलाने वाली गरीब महिला खड़ी हो। नियम सबके लिए समान हैं तो कार्रवाई का तरीका और पैमाना भी सबके लिए समान होना चाहिए। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई यदि जरूरी है तो वह दुकानदार, रेहड़ी वाला, शोरूम मालिक या किसी भी अन्य व्यक्ति के लिए समान रूप से होनी चाहिए। सड़क पर कुछ फीट तक सामान फैलाकर बैठी रेहड़ी को अतिक्रमण मानना उचित है तो दुकान के बाहर फुटपाथ और सड़क तक फैलाया गया सामान भी उसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी ढांचे, सामान रखने के लिए घेरा गया स्थान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक जगह को प्रभावित करता है। सवाल यह नहीं कि किसके खिलाफ कार्रवाई हुई; सवाल यह है कि क्या हर अतिक्रमण के खिलाफ समान कार्रवाई हो रही है? गरीब की रेहड़ी दिखाई देना आसान है, लेकिन बड़े प्रतिष्ठानों का कब्जा अक्सर व्यवस्था की आंखों के सामने भी सामान्य मान लिया जाता है। यदि ऐसा कहीं हो रहा है तो यह प्रशासन की निष्पक्षता के लिए गंभीर प्रश्न है। नगर निगम को बाजारवार सर्वे कर यह सार्वजनिक करना चाहिए कि निर्धारित सीमा से बाहर कौन-कौन से कब्जे हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। इससे किसी भी कार्रवाई पर पक्षपात का सवाल उठने की गुंजाइश कम होगी। रेहड़ी-पटरी पर कारोबार करने वाले लोग शहर की अर्थव्यवस्था का भी हिस्सा हैं। सब्जी, फल, कपड़े, खाने-पीने की वस्तुएं या छोटे घरेलू सामान बेचने वाले अनेक लोग अपनी छोटी-सी पूंजी से परिवार चलाते हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की भी है। उनके लिए रेहड़ी केवल व्यापार का साधन नहीं, बल्कि घर की आय का महत्वपूर्ण स्त्रोत होती है। इसलिए यदि कोई रेहड़ी निर्धारित स्थान पर नहीं लग सकती तो उसे हटाने से पहले नियमों के अनुरूप वैकल्पिक व्यवस्था की दिशा में भी सोचना चाहिए। हरियाणा में स्ट्रीट वेंडरों के लिए कानूनी व्यवस्था मौजूद है। सर्वे, पंजीकरण, वेंडिंग जोन और टाउन वेंडिंग कमेटी जैसी व्यवस्थाओं का उद्देश्य यही है कि सड़क किनारे होने वाले छोटे कारोबार को पूरी तरह अनियंत्रित भी न छोड़ा जाए और गरीब विक्रेताओं की आजीविका भी अनावश्यक रूप से न छीनी जाए। इसलिए प्रशासन को अतिक्रमण और वैध स्ट्रीट वेंडिंग के बीच स्पष्ट अंतर करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात है व्यवहार की भाषा। नियम तोड़े जाने पर सामान हटाया जा सकता है, चालान किया जा सकता है और कानून के अनुसार जब्ती की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। लेकिन किसी महिला के साथ अपमानजनक भाषा, धक्का-मुक्की या अमानवीय व्यवहार किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रशासनिक अधिकार नागरिक के सम्मान से बड़ा नहीं हो सकता। यदि सामने आए वीडियो में दिखाई दे रहा व्यवहार वास्तविक घटना का हिस्सा है, तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वीडियो के एक हिस्से के आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद जांच से बचना भी उचित नहीं होगा। नगर निगम को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उस दिन क्या कार्रवाई हुई, किस अधिकारी या कर्मचारी की ड्यूटी थी, महिला को पहले कोई सूचना दी गई थी या नहीं, सामान जब्त करने की क्या प्रक्रिया अपनाई गई और बाद में उसे सामान वापस लेने का अवसर दिया गया या नहीं। यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा नियमों का उल्लंघन या अभद्र व्यवहार सिद्ध होता है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कार्रवाई का उद्देश्य अधिकारियों का मनोबल गिराना नहीं, बल्कि प्रशासनिक अधिकारों के जिम्मेदार इस्तेमाल का संदेश देना होना चाहिए। जिस प्रकार अतिक्रमण करने वाले से नियमों का पालन अपेक्षित है, उसी प्रकार कार्रवाई करने वाले अधिकारी से भी कानून और मयार्दा का पालन अपेक्षित है। सवाल यह भी है कि क्या अतिक्रमण हटाने के अभियान की शुरूआत केवल छोटी रेहड़ियों से होनी चाहिए? यदि शहर को वास्तव में व्यवस्थित करना है तो नगर निगम को एक व्यापक और पारदर्शी अभियान चलाना चाहिए। फुटपाथों पर बने स्थायी-अस्थायी कब्जे, दुकानों के बाहर फैला सामान, सड़क तक निकले बोर्ड, अस्थायी निर्माण और अन्य व्यावसायिक अतिक्रमण—सबकी एक समान जांच हो। कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जाए ताकि नागरिकों को भी पता चले कि नियम केवल कमजोर पर लागू नहीं होते। शहर की सुंदरता का अर्थ केवल चमकते शोरूम नहीं है। जिस फुटपाथ पर किसी बड़े ब्रांड का सामान फैलता है, वह भी जनता का है और जिस फुटपाथ पर कोई गरीब महिला छोटी-सी रेहड़ी लगाती है, वह भी जनता का है। सार्वजनिक स्थान पर अधिकार का निर्धारण आर्थिक हैसियत से नहीं, कानून से होना चाहिए। नगर निगम चाहे तो इस पूरे विवाद को एक अवसर में बदल सकता है। शहर के सभी बाजारों का डिजिटल सर्वे कराया जाए। प्रत्येक दुकान और शोरूम की स्वीकृत सीमा स्पष्ट की जाए। रेहड़ी-पटरी वालों के लिए निर्धारित वेंडिंग जोन बनाए जाएं। पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ खाली रखे जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों को पहले स्पष्ट सूचना दी जाए और फिर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई हो। महिलाओं और कमजोर वर्गों के मामलों में मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। अतिक्रमण हटाना जरूरी है, लेकिन अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया स्वयं अन्याय का कारण नहीं बननी चाहिए। शहर में व्यवस्था चाहिए, मगर ऐसी व्यवस्था नहीं जिसमें गरीब की रोजी सड़क पर बिखरी दिखाई दे और बड़े कब्जे नजरअंदाज होते रहें। हिसार प्रशासन और नगर निगम को यह संदेश स्पष्ट रूप से देना चाहिए कि कानून की नजर में रेहड़ी और शोरूम अलग-अलग नागरिक नहीं हैं।

छात्रवृत्ति का पैसा तक खा गई थी सपा सरकारः मुख्यमंत्री योगी

– मुख्यमंत्री ने कहा – अगले महीने 50 हजार मेधावी छात्राओं को स्कूटी देगी सरकार

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी छात्र को धनराशि के अभाव में अपनी स्कूली शिक्षा से वंचित न होना पड़े। हर छात्र को शिक्षा प्राप्त करने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिले, इसके लिए डबल इंजन सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि 2016-17 में अनुसूचित जाति-जनजाति की छात्रवृत्ति भेजी ही नहीं गई। तत्कालीन सरकार यह छात्रवृत्ति खा गई थी। 2017 में हमारी सरकार बनी तो हमने 2016-17 व 2017-18 की छात्रवृत्ति एक साथ भेजी। पहले केवल 2900 करोड़ रुपये ही छात्रवृत्ति दी जाती थी। आज हमारी सरकार 6200 करोड़ रुपये (दोगुने से अधिक) छात्रवृत्ति देती है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को लोकभवन में चालू वित्त वर्ष के लिए पूर्वदशम (09-10) तथा दशमोत्तर कक्षाओं के 4.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खाते में 148 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति

हस्तांतरित की और 11 विद्यार्थियों को अपने हाथ से छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र भी सौंपे। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि छात्रों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। हर पात्र बच्चे को छात्रवृत्ति मिलेगी, छूटे हुए बच्चे भी जल्द आवेदन करें। उन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति की राशि को खान-पान के बजाय शिक्षा पर ही खर्च कीजिए। इससे अच्छी पाठ्य पुस्तकें, रेफरेंस बुक खरीदिए। पाठ्यक्रम के साथ ही महापुरुषों की आत्मकथा, ज्ञानवर्धक व धार्मिक पुस्तकों को पढ़िए, अपना बुक बैंक बढ़ाइए। सरकार दो करोड़ युवाओं को टैबलेट दे रही है, 60 लाख को मिल चुका है। शेष को भी जल्द दिया जाएगा। 09 वर्ष में 04 करोड़ से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योगी ने कहा कि गत वर्ष 69 लाख बच्चों को 6200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की गई। 09 वर्ष में 04 करोड़ से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति-शुल्क प्रतिपूर्ति मिली है, जबकि 2017 के पहले यह राशि और छात्रों की संख्या भी कम थी। पहले की सरकारें युवाओं को प्रोत्साहन नहीं देती थी और न समय से छात्रवृत्ति मिलती थी। अगले महीने 50,000 मेधावी बच्चियों को देंगे स्कूटी मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जेईई, नीट की तैयारी के लिए युवा दूसरे राज्यों में जाते थे। अब युवा मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग के जरिए इसका लाभ उठा रहे हैं। सीएम ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना व मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगले महीने 50,000 मेधावी बच्चियों को स्कूटी देंगे। 2017 के पहले सैफई सिंडिकेट को लूट-खसोट से ही फुर्सत नहीं थी। अपने परिवार की सोचने वाले इन लोगों के लिए प्रदेश के अन्य लोग बेगाने थे, पर अब यूपी खुशहाली की राह पर चला है।

कोई भी पात्र छूटने न पाए, हर महीने बच्चे के खाते में जाए पैसा

सीएम ने समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से कहा कि हर महीने बच्चे के खाते में पैसा जाए, कोई भी पात्र बच्चा छूटने न पाए। पिछली बार कई कारणों से एससी-एसटी वर्ग के 04 लाख बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई। तब पोर्टल को ठीक कराया गया, अब उन वंचित बच्चों को भी छात्रवृत्ति मिलने जा रही है। धनराशि के अभाव में कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहने पाए। छात्रवृत्ति अल्प आय परिवार के छात्रों के लिए संबल बनेगी।

पारिवारिक विवाद में लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग करने वाले पिता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के दौरान लाइसेंसी रिवाल्वर से फायर करने वाले पिता को न्यू कॉलोनी ककरमत्ता के रोहित रेजीडेंसी निवासी बिंदा कुमार सिंह को पुलिस ने मोतीझील महमूरगंज से गिरफ्तार किया। कब्जे से .32 बोर की लाइसेंसी रिवाल्वर बरामद की गई। पुलिस ने हथियार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना में आरोपित के बेटे को गोली लगी थी, जिसका इलाज बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। पुलिस के अनुसार, दो अक्टूबर की रात करीब 8:10 बजे आरोपी रानीपुर मोतीझील के पास मौजूद था। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 32 बोर की लाइसेंसी रिवाल्वर बरामद हुई। आरोपी पर विवाद के दौरान लाइसेंसी हथियार से फायरिंग कर जानलेवा हमला करने का आरोप है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को आरोपी के रानीपुर मोतीझील के पास होने की सूचना मिली, जिसके बाद कार्रवाई की गई। पुलिस ने बरामद रिवाल्वर को कब्जे में लेकर उसके लाइसेंस से संबंधित अभिलेखों की भी जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना के दौरान हथियार का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में किया गया और फायरिंग से जुड़े अन्य तथ्य क्या हैं। बीएनएस और आर्म्स एक्ट में मुकदम पुलिस के अनुसार, मामले में भेलूपुर थाने में आरोपी के खिलाफ धारा 109 बीएनएस और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

मीरजापुरः समाधान दिवस में 307 शिकायतें आईं, 19 का मौके पर निस्तारण

मीरजापुर। जिले की चारों तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। कुल 307 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 19 का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार और पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। सदर तहसील में 119 शिकायतों में सात का मौके पर निस्तारण हुआ। डीएम ने फरियादियों से उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। चुनार में अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व विजेता के समक्ष 64 प्रार्थना पत्र आए, जिनमें चार का निस्तारण हुआ। मड़िहान में एसडीएम संतोष कुमार ओझा के समक्ष 76 शिकायतें मिलीं और पांच का समाधान किया गया। वहीं लालगंज में एसडीएम अजीत कुमार के समक्ष 48 प्रार्थना पत्र आए, जिनमें तीन का मौके पर निस्तारण हुआ। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। प्रत्येक प्रार्थना पत्र का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। सदर तहसील में एसडीएम महेंद्र सिंह, सीएमओ डॉ. कीर्ति कुमार मिश्र, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी अशोक त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी राजीव कुमार शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नशे की लत ने बनाया साइकिल चोर, पुलिस ने सात साइकिलों के साथ शातिर चोर को दबोचा

वाराणसी। लंका पुलिस ने चोरी की साइकिलें बेचने की फिराक में घूम रहे एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सटीक सूचना पर ट्रामा सेंटर की पार्किंग के पास घेराबंदी कर उसे पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी की सात साइकिलें बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपक सेठ निवासी सब्जी मंडी, रामनगर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ पहले से 10 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति चोरी की साइकिलों को बेचने के लिए ट्रामा सेंटर पार्किंग के आसपास मौजूद है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए लंका पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध की घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस को देखते ही आरोपी ने बचने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से सात साइकिलें बरामद हुईं। नशे की लत पूरी करने के लिए करता था चोरी पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे नशे की लत है। नशे की जरूरत पूरी करने के लिए वह साइकिलें चोरी करता था। चोरी की साइकिलों को कम कीमत पर बेचकर मिलने वाली रकम से नशे का सामान खरीदता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने शहर के किन-किन इलाकों से साइकिलें चोरी की थीं और चोरी की इन घटनाओं में उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं। सात साइकिलों के मालिकों का पता लगाने में जुटी पुलिस पुलिस बरामद सातों साइकिलों के वास्तविक मालिकों की पहचान करने में जुटी है। इसके साथ ही आरोपी के आपराधिक इतिहास और पूर्व में दर्ज मुकदमों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस को आशंका है कि पूछताछ के दौरान साइकिल चोरी की अन्य घटनाओं के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है। पुलिस के अनुसार लंका थाने में आरोपी के खिलाफ मु0अ0सं0 0505/2026 के तहत धारा 317(2)/317(4) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ के आधार पर चोरी की अन्य घटनाओं और उससे जुड़े संभावित लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

तिलक इंटर कॉलेज में 1500 छात्र-छात्राओं ने किया योगाभ्यास

औरैया। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत योग वैलनेस सेंटर राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय की ओर से शनिवार को तिलक इंटर कॉलेज में एकदिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कॉलेज के करीब 1500 छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से योग एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षक योगेंद्र कुमार मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करते हुए नियमित योगाभ्यास के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीवन के प्रत्येक पल को सकारात्मकता के साथ जीने के लिए स्वयं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त और स्वस्थ रखना जरूरी है। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को उनकी उम्र एवं शारीरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास भी कराया गया। साथ ही शारीरिक क्षमता एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया गया। इससे पूर्व ब्लॉक परिसर में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास में स्वास्थ्य साधकों को सूक्ष्म व्यायाम के साथ नौकासन, पवनमुक्तासन, भुजंगासन, शलभासन, वज्रासन, उत्तान पादासन एवं मंडूकासन आदि का अभ्यास कराया गया।

शिक्षक निर्वाचन में तीन प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया लगातार तेज हो गई है। शनिवार को मंडलायुक्त न्यायालय में तीन प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। इनमें डॉ. शरदेंदु कुमार त्रिपाठी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया, जबकि राजीव यादव ने भी निर्दलीय अपना पर्चा दाखिल किया। वहीं, सत्य पाल सिंह ने भी शनिवार को दोबारा नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले सत्य पाल सिंह नामांकन कर चुके हैं। डॉ. शरदेंदु कुमार त्रिपाठी ने मंडलायुक्त न्यायालय पहुंचकर निर्वाचन के रिटर्निंग अफसर एवं मंडलायुक्त इन्द्र विक्रम सिंह के समक्ष अपना नामांकन पत्र जमा किया। इसी क्रम में राजीव यादव ने भी रिटर्निंग अफसर के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। सत्य पाल सिंह ने भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना नामांकन पत्र जमा किया। नामांकन के दौरान प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की मौजूदगी से मंडलायुक्त न्यायालय परिसर में चुनावी गतिविधियां तेज नजर आईं। नामांकन प्रक्रिया को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंडलायुक्त न्यायालय परिसर में प्रवेश और आवागमन को लेकर निर्धारित व्यवस्था लागू रही। नामांकन कराने पहुंचे प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों पर निगरानी रखी गई। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में नामांकन संबंधी सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराई गईं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान सहायक रिटर्निंग अफसर एवं अपर आयुक्त प्रशासन जय प्रकाश, अपर आयुक्त अजय राय तथा अपर आयुक्त राजेश श्रीवास्तव मौजूद रहे। अधिकारियों ने नामांकन से जुड़ी प्रक्रिया पर निगरानी रखी और निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित कराई। सुरक्षा व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारी एवं एसपी क्राइम अयोध्या प्रसाद सिंह तथा नोडल अधिकारी एवं एसीएम पवन कुमार जायसवाल भी मौके पर मौजूद रहे। मंडलायुक्त न्यायालय परिसर और आसपास पुलिस बल की तैनाती रही। इसके साथ ही एलआईयू और इंटेलिजेंस टीम भी सक्रिय रही और नामांकन प्रक्रिया के दौरान गतिविधियों पर नजर रखी गई। उप जिलाधिकारी आरती शाहू भी मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करती रहीं। अब तक चार नामांकन शनिवार को तीन प्रत्याशियों द्वारा नामांकन किए जाने के बाद शिक्षक निर्वाचन के लिए अब तक चार नामांकन किए जा चुके हैं। इनमें पहले नामांकन कर चुके प्रत्याशियों के साथ शनिवार को दोबारा नामांकन करने वाले प्रत्याशी भी शामिल हैं। राजीव यादव ने शनिवार को नामांकन किया, जबकि डॉ. शरदेंदु कुमार त्रिपाठी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा दाखिल किया। सत्य पाल सिंह पहले भी नामांकन कर चुके थे और शनिवार को उन्होंने दोबारा नामांकन पत्र दाखिल किया। 6 अक्टूबर तक नामांकन, 7 को जांच और 9 को नाम वापसी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर निर्धारित की गई है। इसके बाद 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 9 अक्टूबर को नाम वापसी की प्रक्रिया होगी। चुनाव के लिए 23 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा, जबकि 27 अक्टूबर को मतगणना होगी। प्रशासन की ओर से निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियां जारी हैं। नामांकन के शेष दिनों में भी सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

औरैयाः वन्य प्राणी सप्ताह में स्वच्छता का संदेश, खानपुर नगर वन में चला सफाई अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में वन्य प्राणी सप्ताह एवं स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत शनिवार को खानपुर नगर वन में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रभागीय वनाधिकारी के निर्देश पर क्षेत्रीय कार्यालय औरैया एवं जिला गंगा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों और अन्य प्रतिभागियों ने नगर वन परिसर में साफ-सफाई की। कार्यक्रम के दौरान लोगों को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। प्रतिभागियों को वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के साथ ही वन क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए प्रेरित किया गया। वन विभाग एवं जिला गंगा समिति के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अभियान में सक्रिय सहभागिता कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि वन्यजीव और प्राकृतिक संसाधन पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण अंग हैं। इनके संरक्षण के लिए आमजन की सहभागिता और सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। वन्य रेंज अधिकारी डीसी गौतम ने बताया कि उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में प्रकृति, वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। साथ ही स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाने का संदेश दिया गया।

देवरिया : घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ के आरोप में पूर्व विधायक समेत 14 पर मुकदमा दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के रौनीगंगा चक गांव में पुरानी रंजिश और विवाद को लेकर घर में घुसकर मारपीट, सीढ़ी तोड़ने और ईंट ले जाने के आरोप में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर पूर्व विधायक समेत 14 नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी सीमा देवी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि 16 अगस्त की सुबह करीब सात बजे गांव के विजय बहादुर, मुकुटमणि, रितेश उर्फ मोहन, अमन, अश्वनी उर्फ भौल्टी, रणविजय, मनबोध प्रसाद (पूर्व विधायक), अगरावती देवी, धानपति देवी, अर्चना, बिमलावती देवी, मुन्नी देवी, निर्मला देवी और रितू एक राय होकर लाठी-डंडा, रम्मा और खंती लेकर उनके घर पहुंचे। आरोप है कि आरोपितों ने घर की खिड़की के पास बनी सीढ़ी को तोड़ दिया और वहां से ईंटें ले जाने लगे। सीमा देवी के अनुसार, विरोध करने पर आरोपितों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगे। जान बचाने के लिए वह और उनकी जेठानी घर के अंदर चली गईं। आरोप है कि हमलावरों ने घर के अंदर घुसकर दोनों के साथ मारपीट की। इस दौरान उनकी जेठानी गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश होकर जमीन पर गिर गईं। शिकायतकर्ता के मुताबिक, घटना के बाद आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। घटना की जानकारी पुलिस को देने के बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए सलेमपुर ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें देवरिया रेफर कर दिया। सीमा देवी का आरोप है कि घटना के बाद उन्होंने सलेमपुर कोतवाली में शिकायत की, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पुलिस अधीक्षक देवरिया से भी प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस स्तर से कार्रवाई न होने पर उन्होंने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश के बाद सलेमपुर कोतवाली पुलिस ने सभी 14 नामजद आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। विवेचना के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि आरोपों की जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 95 शिकायतें, 10 का मौके पर निस्तारण

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सदर तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी बृजेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों से संबंधित प्रार्थना पत्र अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 95 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 10 शिकायतों का अधिकारियों ने मौके पर ही निस्तारण कराया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए जिलाधिकारी ने निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी बृजेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि अधिकारी मौके पर जाकर स्थलीय सत्यापन करें और शिकायतकर्ता को संतुष्ट करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित एवं प्रभावी न्याय दिलाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की समस्याओं का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण किया जाए। कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर बृहमानंद, तहसीलदार सदर, नायब तहसीलदार सदर समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शशांक मणि बने लेबर, टेक्सटाइल एंड स्किल डेवलपमेंट कमेटी के अध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

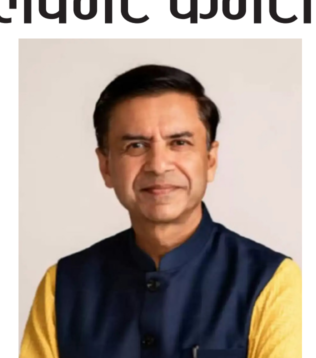

देवरिया। सदर सांसद शशांक मणि को संसदीय स्थायी समिति ने लेबर, टेक्सटाइल एंड स्किल डेवलपमेंट कमेटी का अध्यक्ष मनोनीत किया है। शनिवार को उनके मनोनयन की जानकारी मिलने के बाद जिले के भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकताओं और समर्थकों ने इसे जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। सांसद शशांक मणि ने अपने मनोनयन पर कहा कि यह जनता के आशीर्वाद और कार्यकताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मिली जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उनके मनोनयन पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद तिवारी, सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, विधायक सुरेंद्र चौरसिया, विधायक जयप्रकाश निषाद, दीपक मिश्रा शाका, सभाकुंवर कुशवाहा, भाजपा जिलाध्यक्ष काली प्रसाद, नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह, जिला मीडिया संयोजक प्रभाकर तिवारी समेत जिले के जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं ने शुभकामनाएं दीं। कार्यकताओं ने सांसद के मनोनयन को जिले के लिए गौरव का विषय बताते हुए प्रसन्नता जताई।

सर्पदंश से बालिका की मौत, परिवार में मचा कोहराम

मीरजापुर । जमालपुर थाना क्षेत्र के आराजी करजी गांव में शुक्रवार रात सर्पदंश से बालिका की मौत हो गई। शनिवार सुबह बालिका की मौत की जानकारी परिजन को हुई तो परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया कि शुक्रवार रात भोजन करने के बाद बालिका अपनी मां मनीता देवी के साथ छत पर सो रही थी। इसी दौरान किसी तरह वहां पहुंचे सांप ने उसके हाथ में डस लिया। परिजन उसे झाड़-फूंक के लिए गाजीपुर स्थित सती माई के स्थान पर ले गए। वहां से लौटने के बाद बालिका की हालत बिगड़ गई और शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई।

निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार पर कुलपति नाराज, 15 अक्टूबर तक भवन तैयार करने का दबाव

- औचक निरीक्षण में प्रशासनिक व शैक्षिक भवनों में कई काम अधूरे मिले

प्रात : किरण संवाददाता

मीरजापुर। मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने शनिवार को परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। प्रशासनिक भवन, शैक्षिक भवन और शिक्षकों के आवास समेत विभिन्न निमार्णाधीन स्थलों का जायजा लेते हुए उन्होंने कार्य की प्रगति और गुणवत्ता देखी। कई काम अधूरे मिलने पर कुलपति ने नाराजगी जताई और तेजी से काम पूरा करने के निर्देश दिए। निर्माण से जुड़े अधिकारियों ने विश्वविद्यालय भवन 15 अक्टूबर तक उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। हालांकि निरीक्षण में काम की स्थिति अपेक्षित समय में भवन तैयार होने पर सवाल खड़े करती दिखी। प्रशासनिक भवन के सामने शीशे नहीं लगे थे। विद्युत व्यवस्था पूरी नहीं हुई थी और सफाई का काम चल रहा था। भवन में फर्नीचर भी पूरा नहीं लगाया गया था। कई जगह पत्थर की टाइलें टूटी मिलीं। शैक्षिक भवन में तीन कक्षाओं में ही फर्नीचर लगाया गया था, जबकि अन्य कमरों में काम जारी था। स्मार्ट क्लासरूम में फर्नीचर नहीं लगा था। प्रयोगशाला समेत कई जरूरी कार्य भी अधूरे मिले। कुलपति ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के साथ गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कुलसचिव रामनारायण, वित्त अधिकारी गिरीश समेत शिक्षक मौजूद रहे।

काशी के नभ में गूंजेगा वायुसेना का शौर्यः नमो घाट पर 24 से 26 अक्टूबर तक एयर शो

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। देवाधिदेव महादेव की पावन नगरी काशी भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और सामर्थ्य की साक्षी बनने जा रही है। गंगा की अविरल धारा के किनारे बसी काशी में जब आसमान भारतीय वायुसेना के विमानों की गर्जना से गूंजेगा, तो यह दृश्य देश के सामरिक सामर्थ्य और काशी की सनातन सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा। वाराणसी के नमो घाट पर आगामी 24 से 26 अक्टूबर तक प्रस्तावित भव्य एयर शो की तैयारियों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उच्चस्तरीय समीक्षा की। 25 अक्टूबर को प्रस्तावित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की गरिमामयी उपस्थिति संभावित है। समीक्षा बैठक में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों, वाराणसी जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष एयर शो की तैयारियों और संपूर्ण कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। अधिकारियों ने आयोजन स्थल पर दर्शक दीघाओं, ग्रैंड स्टैंड, विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट अतिथियों के लिए निर्धारित क्षेत्र, मीडिया एरीना, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुरक्षा जांच केंद्र तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी दी। नमो घाट के साथ गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों को जोन और सेक्टर में विभाजित कर व्यवस्थित प्रबंधन की कार्ययोजना से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस एयर शो को लेकर आम नागरिकों में भी उत्सुकता है और बड़ी संख्या में लोग भारतीय वायुसेना के प्रदर्शन को देखने के लिए पहुंच सकते हैं। इसे देखते हुए क्राउड मैनेजमेंट, सुगम यातायात, पार्किंग और जोनवार स्थल चिन्हांकन की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। दर्शकों के आवागमन के मार्ग स्पष्ट और सुगम हों तथा प्रत्येक क्षेत्र में पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता और सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध रहें। उन्होंने प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ प्रत्येक सेक्टर के लिए मैजिस्ट्रेट की सुनियोजित तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजन के दौरान नमो घाट के साथ काशी के प्रमुख घाटों और आसपास के क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में घाटों पर भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन, पार्किंग तथा जल और थल मार्ग से आवागमन की व्यवस्थाओं को एकीकृत कार्ययोजना के साथ संचालित किया जाए। संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा और आपातकालीन व्यवस्थाओं का पूर्वाभ्यास भी कराया जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर सभी संबंधित टीमें तत्काल समन्वित कार्रवाई कर सकें। मुख्यमंत्री ने वाराणसी मंडल के सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एयर शो के दौरान आसपास के जनपदों से आने वाले लोगों की आवाजाही को देखते हुए आवश्यक मानव संसाधन और अन्य व्यवस्थाओं का समुचित समन्वय किया जाए। भारतीय वायुसेना, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय सीमा में तैयारियां पूरी करें, ताकि काशी आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

आयुर्वेद शोध में बीएचयू के प्रो. बी. राम को मिला रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित हुए द्रव्यगुण विभाग के प्रोफेसर

प्रात : किरण संवाददाता

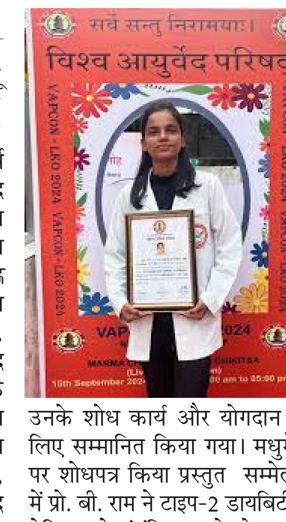

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के द्रव्यगुण विभाग के प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. बी. राम को आयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा के क्षेत्र में शोध योगदान के लिए ह्यरिसर्च एक्सीलेंस इन आयुर्वेद/सिद्ध मेडिसिन अवार्डह्ण से सम्मानित किया गया। यह सम्मान वीडीगुड प्रोफेशनल एसोसिएशन, भारत की ओर से आयोजित ह्यआयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा-2026ह्ण के छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदान किया गया। आयोजकों के मुताबिक सम्मेलन का आयोजन ऑनलाइन किया गया, जिसमें विभिन्न देशों से आयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा के विशेषज्ञों ने शोध, उपचार पद्धतियों और पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ने से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए। इसी दौरान प्रो. बी. राम को आयुर्वेद के क्षेत्र में उनके शोध कार्य और योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मधुमेह पर शोधपत्र किया प्रस्तुत सम्मेलन में प्रो. बी. राम ने टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस से संबंधित अपने शोध कार्य पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। इसका विषय ह्यमधुमेह (टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस) में आयुर्वेदिक क्लासिक्स के कुछ यौगिक हर्बल फॉर्मूलेशन की पहचान और सत्यापनह्ण रहा। शोधपत्र में आयुर्वेदिक ग्रंथों में वर्णित कुछ यौगिक हर्बल फॉर्मूलेशन की पहचान तथा उनके वैज्ञानिक सत्यापन से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की गई। द्रव्यगुण विज्ञान में लंबे समय से शोध प्रो. बी. राम लंबे समय से आयुर्वेद के द्रव्यगुण विज्ञान और शोध से जुड़े हैं। इस विषय में औषधीय पौधों, उनके गुणों और चिकित्सकीय उपयोग का अध्ययन किया जाता है। आयुर्वेदिक ग्रंथों में वर्णित औषधीय योगों को आधुनिक शोध पद्धतियों के माध्यम से समझने और उनके वैज्ञानिक पहलुओं का अध्ययन करने पर भी उनका कार्य केंद्रित रहा है। आयोजकों ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान को वैज्ञानिक शोध के साथ जोड़ने की दिशा में ऐसे अध्ययन महत्वपूर्ण हैं। प्रो. बी. राम को मिले सम्मान पर बीएचयू परिवार और आयुर्वेद से जुड़े शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। विश्वविद्यालय से जुड़े लोगों ने इसे संस्थान के लिए उपलब्धि बताते हुए प्रो. राम को बधाई दी।

संक्षिप्त खबरें

साइबर ठगों पर खाकी का डिजिटल वज्रपात

लखनऊ। साइबर ठगी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में पुलिस की कार्रवाई को तकनीक के जरिए मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में साइबर अपराध की रोकथाम के साथ ही ठगी के बाद धनराशि को रोकने और वापस कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सितंबर में साइबर फ्रॉड की रकम फ्रीज कराने की प्रदेश की दर 34 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 31 प्रतिशत से अधिक है। साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर के माध्यम से रियल टाइम रूटिंग के जरिये डाइवर्ट की गई रकम को फ्रीज और रिकवर कराने की कार्रवाई की जा रही है। कई मामलों में तय समय सीमा के भीतर 100 प्रतिशत तक रिकवरी दर्ज की गई है। प्रदेश में साइबर अपराध से बचाव के लिए 84 हजार साइबर अवेयरनेस ड्राइव भी चलाए गए हैं। इन अभियानों के माध्यम से लोगों को फिशिंग, फर्जी वेबसाइट, डेटा चोरी, फर्जी अप्रूवल और साइबर ठगी के दूसरे तरीकों के प्रति जागरुक किया गया। सिनेमा हॉल से लेकर रेलवे स्टेशन तक विभिन्न स्थानों पर लोगों को डिजिटल लेनदेन में सावधानी बरतने और किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म की प्रामाणिकता जांचने की जानकारी दी गई। रियल टाइम ट्रैकिंग से रकम रोकने की कोशिश साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर साइबर ठगी की रकम रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शिकायत मिलते ही संबंधित बैंक के माध्यम से रकम को रोकने की कार्रवाई शुरू की जाती है। रियल टाइम रूटिंग और डेटा शेयरिंग के जरिये डाइवर्ट किए गए फंड को फ्रीज कराने और उसे वापस कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। इससे ठगी के बाद रकम के तेजी से दूसरे खातों में जाने की चुनौती से निपटने में मदद मिलती है। डीजी साइबर क्राइम ने जवानों को अत्याधुनिक तकनीक सेकियालैसमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर डीजी साइबर क्राइम विनोद कुमार सिंह ने प्रदेश के पुलिस कर्मियों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया है। इसके अलावा जवानों को साइबर अपराध से मुकाबले के लिए नई तकनीक की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। एआई-डीपफेक, म्यूल अकाउंट और साइबर अपराध के बदलते तरीकों को देखते हुए पुलिस की तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। गोल्डन आवर में शिकायत जरूरी एसपी साइबर क्राइम राजेश यादव ने बताया कि साइबर फ्रॉड में समय सबसे महत्वपूर्ण है। पहले एक घंटे के भीतर शिकायत करने पर रकम को होल्ड या फ्रीज कराने की संभावना काफी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि फिशिंग, फर्जी वेबसाइट, डेटा चोरी और फर्जी अप्रूवल समेत कई तरीकों से साइबर अपराधी लोगों को निशाना बनाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते समय उसकी प्रामाणिकता की जांच करना और सतर्क रहना जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में साइबर अपराध से निपटने के लिए प्रदेश में मजबूत व्यवस्था की गई है। हर थाने में साइबर हेल्प डेस्क है। वहीं लखनऊ में 1930 कॉल सेंटर और साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर संचालित किया जा रहा है। शिकायत मिलते ही संबंधित बैंक के माध्यम से रकम रोकने की कार्रवाई की जाती है। सिर्फ पुलिस नहीं, समाज की भागीदारी भी जरूरी साइबर अपराध की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती।

आशा बहुओं का हल्ला बोल: 18,000 मानदेय और सरकारी दर्जे की हुंकार, 8 को लखनऊ में ईको गार्डन का होगा घेराव

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। स्वास्थ्य महकमे की रीढ़ कही जाने वाली आशा कार्यकर्ताओं और संगिनियों का सब्र का बांध आखिरकार टूट गया है। अपनी वर्षों पुरानी और न्यायसंगत मांगों की अनदेखी से आक्रोशित ह्यआशा हैल्थ वर्कर्स एसोसिएशनह्न ने सरकार के खिलाफ निर्णायक जंग की घोषणा कर दी है। बिजनौर जिला मुख्यालय से उठी यह विरोध की ललकार अब सीधे राजधानी लखनऊ की सत्ता को चुनौती देने की तैयारी में है। शनिवार को एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष संगीता चौधरी और जिला महामंत्री रुचि चौहान के नेतृत्व में दर्जनों आशा कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर उग्र प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। संगठन ने अल्टीमेटम दिया है कि आगामी 8 अक्टूबर को प्रदेशभर की हजारों आशा बहुएं लखनऊ स्थित ईको गार्डन में महाजुटान कर विशाल प्रदर्शन करेंगी।

मांगों का आर-पार: 2 प्रमुख बिंदु

ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने दो टूक शब्दों में अपनी मांगें रखी हैं:

* निश्चित मानदेयः आशा कार्यकर्ताओं को कम से कम 18,000 और आशा संगिनियों को 21,000 प्रति माह का पक्का मानदेय दिया जाए।

* राज्य कर्मचारी का दर्जाः अस्थायी और इंसेंटिव व्यवस्था को खत्म कर सभी आशा बहुओं को तुरंत राज्य कर्मचारी घोषित किया जाए।

काम का पहाड़, लेकिन मानदेय के नाम पर छलावा

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि गांव-गांव और कस्बों में टीकाकरण, मातृ-शिशु सुरक्षा, पल्स पोलियो और आपातकालीन स्वास्थ्य अभियानों को दिन-रात एक कर धरातल पर उतारने का काम आशा बहुएं ही करती हैं। इसके बावजूद इस महंगाई के दौर में उन्हें केवल चंद रुपयों के प्रोत्साहन पर निर्भर रखा गया है। बिना किसी निश्चित वेतन के परिवार का भरण-पोषण करना अब नामुमकिन हो गया है।

जिले भर से एकजुट हुआ जनाक्रोश

बिजनौर जिले से इस आंदोलन को भारी जनसमर्थन मिल रहा है। ज्ञापन पर जिला उपाध्यक्ष रजनी देवी, कोषाध्यक्ष कविता शर्मा, संगठन मंत्री प्रेमलता, संयुक्त मंत्री अनिता सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं और संगिनियों (कुसुम लता चंदक, रीता चौहान, शीतला रानी आदि) के हस्ताक्षरित तेवर इस बात का सबूत हैं कि इस बार लड़ाई आर-पार की होगी। संगठन की पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 8 अक्टूबर को लखनऊ में सरकार ने उनकी मांगों पर ठोस और लिखित निर्णय नहीं लिया, तो यह प्रदर्शन अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और व्यापक आंदोलन का रूप ले लेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

तहसील बिजनौर में दहेज प्रतिषेध अधिनियम पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

बिजनौर : माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रकीर्ण (दाण्डिक अपील–उ.प्र. राज्य बनाम अजमल बेग) में पारित आदेश के अनुपालन में तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिजनौर संजय कुमार सप्तम के मार्गदर्शन में शनिवार को तहसील सभागार कक्ष, बिजनौर में ह्यदहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 पर एक दिवसीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती स्वाति चंद्रा ने की तथा संचालन उपजिलाधिकारी (रुढ़) स्मृति मिश्रा द्वारा संपन्न हुआ। शिविर में उपस्थित महिलाओं एवं पुरुषों को संबोधित करते हुए सचिव स्वाति चंद्रा ने बताया कि दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, 1 जुलाई 1961 से संपूर्ण भारत में लागू है। इसके तहत दहेज का लेन-देन करना या इसके लिए उकसाना एक गंभीर और दंडनीय अपराध है। विवाह के पूर्व, विवाह के समय या उसके बाद प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मांगी या दी जाने वाली कोई भी संपत्ति या मूल्यवान प्रतिभूति दहेज की श्रेणी में आती है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से दहेज की कुप्रथा को समाज से जड़ से समाप्त करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने यह भी अपील की कि इस कानून का दुरुपयोग करते हुए अनुचित मुकदमे दायर न किए जाएं, ताकि न्यायपालिका के समक्ष केवल पीड़ित एवं वास्तविक मामले ही आ सकें और त्वरित न्याय संभव हो सके। इस दौरान नायब तहसीलदार विजय कुमार, पराविधिक स्वयंसेवक (PLV) संजीव कुमार सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व तहसील प्रशासन के कर्मचारी तथा भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 192 शिकायतें पहुंचीं, सात का मौके पर निस्तारण

अधिकारी-कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर डीएम उमेश प्रताप सिंह नाराज,

प्रात: किरण संवाददाता

धामपुर। अक्टूबर माह के प्रथम शनिवार को तहसील धामपुर में जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान फरियादियों ने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। डीएम ने अधिकारियों को शिकायतों का निष्पक्षता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस का संचालन उपजिलाधिकारी धामपुर नितिन कुमार तथा तहसीलदार अमित कुमार की देखरेख में हुआ। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने एसडीएम धामपुर को निर्देश दिए कि अनुपस्थित अधिकारियों की सूची तैयार कर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुरूप समाधान दिवस में उपस्थित न होने वाले अधिकारियों के एक दिन का वेतन काटने की संस्तुति की जाएगी। समाधान दिवस में कुल 192 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें राजस्व विभाग की 85, पुलिस विभाग की 60, विकास विभाग की 13, विद्युत की आठ, नगर पालिका की पांच, खाद्य एवं रसद की चार, कृषि की तीन, चिकित्सा की दो, सिंचाई की दो, जल निगम की दो, शिक्षा की दो तथा लोक निर्माण विभाग, श्रम, गन्ना, बैंक और वन विभाग की एक-एक शिकायत शामिल रही। इनमें से सात शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि 185 शिकायतें निस्तारण के लिए लंबित रहीं। इस अवसर पर एसपी पूर्वी अमित किशोर श्रीवास्तव, सीएमओ डॉ. कौशलेन्द्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना, जिला पूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह, डीपीआरओ डॉ. प्रीतम सिंह, परियोजना निदेशक आलोक कुमार, सीओ धामपुर डॉ. अंजनी कुमार चतुर्वेदी, सीओ अफजलगढ़ आलोक सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, तहसील स्टाफ एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

तहसील धामपुर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या विलंब पर होगी कड़ी कार्रवाईः डीएम उमेश प्रताप सिंह

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। तहसील धामपुर में शनिवार को जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं और शिकायतों से जिलाधिकारी को अवगत कराया।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 192 शिकायती एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 07 प्राथमिक शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कर दिया गया। शेष बची शिकायतों को तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए जिलाधिकारी ने उन्हें गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के सख्त निर्देश दिए।

जनसमस्याओं का समाधान शासन की पहली प्राथमिकता

संबोधन के दौरान जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समाधान शासन और मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार परीक्षण कर शिकायतकर्ता को संतोषजनक समाधान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि निस्तारण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता या अकारण विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य निर्देश एवं प्राथमिकताएंः

* महिला व बाल सुरक्षाः महिला एवं बच्चों से जुड़े अपराधों और शिकायतों पर विशेष संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

* अवैध कब्जे एवं भूमि विवादः भूमि पर अवैध कब्जे, पैमाइश और चक रोड के विवादों के निपटारे के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर स्थलीय जांच कराई जाए।

* पारदर्शिता और जवाबदेहीः पेंशन लाभ, आवास योजना और अन्य कल्याणकारी मामलों में पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम किया जाए।

समाधान दिवस के दौरान भूमि पैमाइश, अवैध कब्जे हटवाने, आवास योजना और पेंशन संबंधी आवेदनों की भरमार रही। कार्यक्रम में पुलिस, स्वास्थ्य, राजस्व एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

गलत निस्तारण पर होगी कार्रवाई, शिकायतकर्ता की संतुष्टि जरूरी : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

नौगांवा सादात। तहसील नौगांवा सादात में शनिवार को जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की मौजूदगी में जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न हो, बल्कि ऐसा समाधान किया जाए जिससे शिकायतकर्ता को वास्तविक संतुष्टि मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवश्यकता पड़ने पर मौके पर जाकर शिकायतकर्ता की समस्या सुनें और निस्तारण की जियो-टैग फोटो भी अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में गलत आख्या या तथ्य सामने आने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सभी विभागाध्यक्ष पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण की स्वयं मॉनिटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि एक ही शिकायत की पुनरावृत्ति न हो।संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 14, पुलिस की आठ, विकास विभाग की पांच, पूर्ति विभाग की छह, जल निगम की दो, वन विभाग की एक, लोक निर्माण विभाग की चार और नगर पंचायत की पांच शिकायतों समेत कुल 45 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से पांच शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। भूमि संबंधी मामलों के निस्तारण के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजी गई। डीएम ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को संदर्भित करते हुए निर्धारित समयावधि में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने जनता दर्शन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, आईजीआरएस, तहसील दिवस सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों को भी प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने को कहा। इस दौरान सीएमओ डॉ. रमाकांत सागर, एसडीएम नौगांवा सादात, सीओ नौगांवा सादात सहित जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बच्चों की शिक्षा पर दें विशेष ध्यान, शिक्षित समाज ही करता है देश की उन्नति : महबूब अली

रफीक हुसैन मेमोरियल डिग्री कॉलेज के वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सदर विधायक

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। रफीक हुसैन मेमोरियल डिग्री कॉलेज डिडोली में शनिवार को वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक अमरोहा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा सभापति, लोक लेखा समिति उत्तर प्रदेश महबूब अली ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर सदर विधायक महबूब अली ने कहा कि बच्चे न केवल हमारे, बल्कि देश के भविष्य भी हैं। अभिभावकों को अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पढ़ा-लिखा समाज ही निरंतर उन्नति करता है। आने वाले समय में यही बच्चे शिक्षा प्राप्त कर देश और समाज का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। शिक्षित समाज के माध्यम से ही देश की प्रगति और विकास संभव है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। वार्षिक उत्सव के दौरान कॉलेज में छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही।कार्यक्रम में जाहिद चेयरमैन, रिजवान प्रधान, मोहम्मद आसिम, लाल सिंह, इस्तकार हुसैन, अरविंद्र पंवार, आफताब प्रधान, जिशान हुसैन, मास्टर शमीम, अनादिल अली, जैद सुल्तान, आफताब, वाजिद अली सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सहसपुर नगर पंचायत में लगा योजनाओं का कैंप

सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को किया गया जागरूक, पात्रों से कराए आवेदन

प्रात: किरण संवाददाता

सहसपुर/बिजनौर। स्वच्छता ही सेवा-2026 एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत सहसपुर में 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न सरकारी योजनाओं को लेकर विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप में नगर पंचायत सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी जा रही है। कैंप में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, एकमुश्त समाधान योजना के साथ ही खाद्य एवं रसद विभाग, राजस्व विभाग तथा अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में लोगों को जानकारी उपलब्ध कराई गई। पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन करने हेतु प्रेरित किया गया तथा मौके पर कई लोगों के आवेदन भी कराए गए। नगर पंचायत कर्मचारियों ने लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की पात्रता एवं लाभ के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पात्र व्यक्ति संबंधित योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन करें। साथ ही अन्य लोगों को भी योजनाओं की जानकारी देकर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कैंप के दौरान नगर पंचायत के वरिष्ठ लिपिक सलमान अली, लिपिक रिजवान अली, कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद शहबाज सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों से स्वच्छता अभियान में सहयोग करने तथा सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

वेंक्टेश्वरा में युवाओं को मिला लक्ष्य और नेतृत्व का पाठ

प्रात: किरण संवाददाता

गजरौला। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में ह्ययूथ पावरः ड्रीम, डिसिप्लिन एवं लीडरशिपह्न विषय पर विशेष प्रेरणादायी सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एवं एडीजी महाराष्ट्र पुलिस क्वैसर खालिद, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे, प्रतिकुलपति डॉ. मानस रंजन पाणिग्राही तथा कुलसचिव प्रो. (डॉ.) पीयूष कुमार पाण्डेय सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विश्वविद्यालय की ओर से अतिथियों को शॉल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए युवाओं से ह्यजोश के साथ होशह्न में कार्य करने और अपनी ऊर्जा को सही दिशा देने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता क्वैसर खालिद ने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति एकाग्रता, अनुशासन और धैर्य का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि बदलते समय में युवाओं को नई चुनौतियों का सामना करना होगा। कॉलेज, प्रोफेशनल और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।उन्होंने चरित्र, संवेदनशीलता, विश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को विकसित करने पर जोर दिया। साथ ही समाज से प्राप्त संसाधनों और अवसरों के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति सिंह ने किया। कुलसचिव प्रो. (डॉ.) पीयूष कुमार पाण्डेय ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के डीन, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

73 वर्षीय दृष्टिहीन बुजुर्ग की संपत्ति पर दबंगों का कब्जा, 63 लाख के नुकसान का आरोप

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कस्बा हल्दौर के मौहल्ला रईसान (पहाड़पुरिया) में एक बेहद गंभीर और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। गाँव के ही 73 वर्षीय दृष्टिहीन, बीमार और लाचार बुजुर्ग पदम कुमार चौहान ने स्थानीय दबंगों पर उनकी करोड़ों रुपये मूल्य की दुकान व मकान पर जबरन कब्जा करने, फर्जी बैनामा कराने और लाखों रुपये की तोड़-फोड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़ित बुजुर्ग ने उपजिलाधिकारी (परगनाधिकारी) बिजनौर को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अवैध निर्माण रुकवाने की मांग की है।

फर्जी बैनामा और मारपीट का आरोप

एसडीएम बिजनौर को दिए गए प्रार्थना पत्र में पीड़ित पदम कुमार चौहान पुत्र रेवाराम ने बताया कि वे 100 प्रतिशत दृष्टिहीन (अंधे), अविवाहित और शारीरिक रूप से अत्यंत कमजोर व बीमार व्यक्ति हैं। उनकी लाचारी का अनुचित लाभ उठाते हुए क्षेत्र के दबंग किस्म के व्यक्तियों–नवनीत कुमार उर्फ बोबी पुत्र रामपाल सिंह और अरुण सिंह पुत्र स्व० तेजपाल (निवासीगण मौ० उत्तरी वैश्यान, हल्दौर)–ने उनकी संपत्ति को हड़पने की नीयत से फर्जी व कूटरचित तरीके से अन्य व्यक्तियों के नाम बैनामा करा लिया। पीड़ित का आरोप है कि इस जालसाजी का विरोध करने पर आरोपियों द्वारा उनके साथ कई बार मारपीट भी की गई।

कोर्ट में मामला लंबित, फिर भी तोड़-फोड़ जारी

पीड़ित के अनुसार, फर्जी बैनामे और धोखाधड़ी के खिलाफ न्यायालय में दीवानी और आपराधिक मुकदमे विचाराधीन हैं। आरोप है कि अदालत से स्टे मिलने में हो रही देरी का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने उनके मकान और दुकान में जबरन तोड़-फोड़ कर दी और नए पिलर खड़े कर अवैध निर्माण शुरू कर दिया है। इससे पीड़ित को लगभग 63 लाख रुपये का भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इसके अलावा आरोपी लगातार मुकदमा वापस लेने के लिए जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं।

विवादित संपत्ति का ब्योरा

प्रार्थना पत्र के अनुसार विवादित संपत्ति मौहल्ला रईसान (पहाड़पुरिया), निकट लकड़शाह चौराहा, कस्बा हल्दौर में स्थित है। इसके पूर्व में नगर पालिका का रास्ता, पश्चिम में लक्ष्मी रानी चौहान का प्लॉट, उत्तर में आलोक व सुरेश की दुकान तथा दक्षिण में स्व० नवनीत व विनीत का मकान व दुकान स्थित है।

पुलिस को कार्रवाई के निर्देश की गुहार

पीड़ित बुजुर्ग ने एसडीएम से गुहार लगाई है कि थानाध्यक्ष हल्दौर को तुरंत निर्देशित किया जाए कि वह मौके पर जाकर विवादित संपत्ति पर हो रही तोड़-फोड़ और नए निर्माण कार्य को तत्काल रोकें, ताकि न्याय हित में संपत्ति की सुरक्षा हो सके। पीड़ित ने आवेदन के साथ अपने दृष्टिहीनता का आधिकारिक प्रमाण पत्र भी संलग्न किया है।

डीसी प्रशिक्षण नियुक्ति पर उठे सवाल, निरस्तीकरण के बाद दोबारा बहाली ने बढ़ाया विवाद

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। बेसिक शिक्षा विभाग में जिला समन्वयक प्रशिक्षण (डीसी ट्रेनिंग) की विवादित नियुक्ति ने विभागीय प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शैक्षणिक प्रमाणपत्रों पर आपत्ति के बाद नियुक्ति निरस्त हुई, लेकिन कुछ समय बाद वही नियुक्ति फिर प्रभावी हो गई। अब सवाल यह है कि निरस्तीकरण के बाद बहाली किस नियम के तहत हुई और फाइल के इस पूरे सफर का सच क्या विभाग के डिस्पैच रजिस्टर से सामने आएगा? सूत्रों के अनुसार डीसी प्रशिक्षण के पद पर मुकुल नामक व्यक्ति का चयन किया गया था। बाद में उसके शैक्षणिक प्रमाणपत्रों को लेकर आपत्तियां सामने आईं। बताया जाता है कि इन्हीं आपत्तियों के आधार पर तत्कालीन स्तर पर नियुक्ति निरस्त कर दी गई थी। हालांकि, इसके बाद नियुक्ति से जुड़े आदेशों और पत्राचार में हुए बदलाव को लेकर अब सवाल खड़े हो रहे हैं।

निरस्तीकरण के बाद बदला घटनाक्रम

मामले से जुड़े सूत्रों का दावा है कि नियुक्ति निरस्त होने के बाद इसे दोबारा प्रभावी कराने के लिए विभिन्न स्तरों पर सिफारिशें की गईं। राजनीतिक स्तर से कथित दबाव और अधिकारियों से संपर्क किए जाने की भी चर्चा है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि यदि नियुक्ति शैक्षणिक प्रमाणपत्रों में खामियों के आधार पर निरस्त की गई थी, तो बाद में उसे किस नियम, आदेश अथवा सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के आधार पर दोबारा प्रभावी किया गया। इस बिंदु पर विभागीय रिकॉर्ड ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट कर सकते हैं। बुक सप्लाई से जुड़े व्यक्ति को प्रशिक्षण की जिम्मेदारी? मामले में एक अन्य आरोप यह भी सामने आया है कि चयनित व्यक्ति का संबंध पुस्तक आपूर्ति के कारोबार से बताया जा रहा है। विभागीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि शिक्षा विभाग से जुड़े अलग-अलग हितों और पुस्तक आपूर्ति से जुड़े कारोबारियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विवाद को और बढ़ाया। हालांकि, किसी व्यक्ति का पुस्तक व्यवसाय से जुड़ा होना अपने आप में डीसी प्रशिक्षण पद के लिए अयोग्यता साबित नहीं करता। वास्तविक सवाल यह है कि नियुक्ति के लिए निर्धारित पात्रता शर्तें क्या थीं और चयनित अभ्यर्थी ने उन सभी शर्तों को पूरा किया या नहीं। डिस्पैच रजिस्टर की जांच से साफ हो सकती है तस्वीर पूरे मामले में कार्यालय के डिस्पैच रजिस्टर को महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया जा रहा है। नियुक्ति आदेश, निरस्तीकरण पत्र, संबंधित पत्राचार तथा बाद में जारी आदेशों की तारीख और क्रम का मिलान करने से घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है। यदि निरस्तीकरण के बाद नियुक्ति को दोबारा प्रभावी किया गया, तो संबंधित आदेश की तारीख, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति, लागू नियम और फाइल पर दर्ज टिप्पणियां जांच का प्रमुख आधार बन सकती हैं।

जांच के केंद्र में ये सवाल

- चयन के लिए निर्धारित पात्रता और शैक्षणिक योग्यता क्या थी?
- चयनित अभ्यर्थी के प्रमाणपत्रों पर किस स्तर पर आपत्ति दर्ज हुई?
- नियुक्ति निरस्त करने का लिखित आधार क्या था?
- बाद में नियुक्ति को पुनः प्रभावी करने का आदेश किस सक्षम अधिकारी ने जारी किया?
- पुनर्बहाली के लिए कौन-सा नियम या शासनादेश लागू किया गया?
- निरस्तीकरण और पुनर्बहाली से जुड़े पत्र डिस्पैच रजिस्टर में किस क्रम और तारीख में दर्ज हैं?

'सर्वगुण संपन्न' में कपूर के साथ रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे इश्वाक सिंह

इन दिनों अपनी फिल्म 'गांधारी' को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने 'पाताल लोक', 'रॉकेट बॉयज' और 'बर्लिन' जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी।

फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने अमर उजाला डिजिटल को बताया, 'शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत अच्छा समय बीता।' बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, 'देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी अनाउंस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।'

वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

वाणी कपूर के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'वाकई में, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हां, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।'

क्या है 'सर्वगुण संपन्न' की कहानी?

'सर्वगुण संपन्न' की कहानी एक ऐसी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी शक्ल एक मशहूर एडल्ट फिल्म स्टार से मिलती है। इस वजह से उसे समाज और शादी से जुड़े कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ता है। फिल्म मजाकिया अंदाज में महिलाओं पर समाज की उम्मीदों और अपनी पहचान के साथ जीने की बात करती है। फिल्म में रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, प्रयरक मेहता, गीता त्यागी, नामिक पॉल और श्वेता पासरिचा भी नजर आएंगे। फिल्म जी5 पर स्ट्रीम होगी। निर्देशन सोनाली रतन देशमुख ने किया है।

लस्ट स्टोरीज 3 में सायरा बनकर छाईं अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई 'लस्ट स्टोरीज 3' को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती हैं, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती हैं। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं।

अदिति बताती हैं, जो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि हर कोई कहता है, 'ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है।' लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, कल ही यह बात मेरे मन में आई कि यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहां इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं।

वह आगे कहती हैं, एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, मुझे यह भी बेहद अद्भुत लगता है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है। यह हमें अपने होने का एक ऐसा एहसास देता है, जो पूरी तरह हमारा है। अदिति ने कहा, मुझे जिंदगी में यह बात हमेशा बहुत खूबसूरत लगती है। इसलिए मुझे वह सीन बहुत पसंद आया, क्योंकि उसमें बहुत कोमलता थी। मेरे पिता का निधन उस समय हुआ जब उन्हें अभी और जीना चाहिए था। वह बीमार थे। इसलिए मेरे लिए माता-पिता और बच्चे के बीच का कोई भी सीन बहुत... बहुत ज्यादा मायने रखता है। वह मेरे लिए बेहद भावुक था। वह बहुत खूबसूरत था।

इस बार अदिति राव हैदरी ने वासना, चाहत और महिला सुख की पूरी भावनात्मक दुनिया को छूते हुए महिला होने की एक सटीक तस्वीर पेश की है। सायरा के किरदार और अदिति के बीच एक साफ जुड़ाव नजर आता है और यही कनेक्शन इस किरदार को और भी प्रभावशाली बनाता है।

उदिति सिंह ने करण वाही से रिश्ते पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री उदिति सिंह इस समय रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' में नजर आ रही हैं। शो के दौरान उदिति ने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड और अभिनेता करण वाही के साथ रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की। उदिति ने बताया कि कैसे 'कोविड-19' लॉकडाउन के दौरान उनका रिश्ता खराब होने लगा था। साथी कंटेस्टेंट स्काउट से बात करते हुए उदिति ने कहा कि अलग होने के बाद उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पूरी तरह बदल गई। उदिति ने कहा, 'ब्रेकअप के बाद मेरे लिए यह एक तरह से वरदान साबित हुआ। क्योंकि उसके बाद मेरा पूरा करियर, मेरी पूरी लाइफ, सब कुछ बदल गया था।'

उन्होंने आगे बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने और उनके एक्स-पार्टनर ने एक गोल्डन रिट्रीवर डॉग को अडॉप्ट किया था, जिसका नाम 'नोआ' है। उदिति सिंह ने कहा, 'हमने लॉकडाउन में साथ में नोआ नाम का गोल्डन रिट्रीवर लिया था, तो उसी को लेकर हमारे बीच काफी झगड़े शुरू हो गए थे। उस वक्त कोविड भी था, तो हम दोनों पर सफाई का काफी काम रहता था। मेरा सफाई करने का तरीका अलग था और उसका अलग। फिर वह इस बात को लेकर थोड़ा डॉमिनेट भी करता था और कहता था, 'तुम्हें नहीं आता।' क्योंकि वह उम्र को लेकर बहुत ज्यादा सोचता था, उसके लिए हर चीज ऐसी थी कि 'तुमसे नहीं हो पाएगा। तुम्हें ये-वो नहीं आता।', 'तुम नोआ को नहीं संभाल पाओगी।' तो मुझे लगता था कि मेरा पार्टनर बहुत डीमोटिवेट करने वाला है।' उदिति ने आगे कहा, 'ऐसा ही होता है, जब दो लोगों का एक होना नहीं लिखा होता है, तो बात-बात पर लड़ाई होती है और जब एक होना लिखा होता है, तब सब कुछ अच्छा होता है।' उदिति का यह बयान 'बिग बॉस 20' के घर में करण के साथ अपने रिश्ते को लेकर पहले की गई बातों के बाद आया है।

फिर साथ आ रहे अहान पांडे और अनीत पड्डा

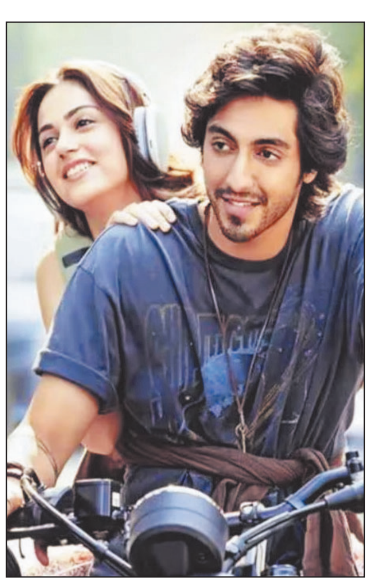

साल 2025 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' से रातों-रात स्टार बने अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आनेवाली है। मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए दोनों नए कलाकारों को एक बार फिर साथ खींच लाए हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रड्यूस इस प्रोजेक्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसी के साथ अहान और अनीत की इस फिल्म को साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी हो रही है। मोहित सूरी की फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। 'वरायटी इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, सूरी की अगली निर्देशित फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू करने की प्लानिंग हो चुकी है। वहीं अहान पांडे और अनीत पड्डा की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि मेकर्स इस फिल्म का नाम 'सतरंगा' रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रड्यूसर्स की ओर से टाइटल को लेकर अभी तक कोई कन्फर्मेशन नहीं है।

'तू है मेरी किरण' में पति जहीर संग रोमांस करती नजर आएंगी सोनाक्षी सिन्हा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है।

क्या खास है फिल्म के फर्स्ट लुक में?

काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब कपल बहुत जल्द फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फस्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें घूर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग

फिल्म 'तू है मेरी किरण' का फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की ट्रोलिंग शुरू हो गई। यूजर्स ने फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह के कमेंट्स किये। एक यूजर ने लिखा, 'सुपर फ्लॉप होगी मेरे शब्द याद रखना।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'क्या सच में आपके लगता है कि इस तरह की फिल्म कोई देखेगा?। वहीं अन्य यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'ईडी को इसकी जांच करना चाहिए, कोई किसी ऐसी फिल्म पर पैसा क्यों लगाएगा जिसका फ्लॉप होना तय है।'

पहले भी कर चुके हैं कपल साथ काम

यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्स एल में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। । फिल्म का निर्देशन सतराम रमानी ने किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी।

न रणबीर कपूर ने मुझे निकलवाया, न मैं नेपोटिज्म का शिकार हुआ, लक्ष्मण के रोल के लिए 2 बार रिजेक्शन

'यारियां' से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाले देव शर्मा अभिनय की दुनिया में आने से पहले थिएटर और असिस्टेंट डायरेक्टर का अनुभव लेकर फिल्म मेकिंग और अभिनय की बारीकियां सीख चुके थे। 'मुजफ्फर नगर', 'जंक्शन वाराणसी', 'बेखुदी' जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके देव इन दिनों चर्चा में हैं अपनी ताजा-तरीन फिल्म महाकाव्य 'श्री रामायण कथा' से। इस फिल्म में वे श्री राम की भूमिका में हैं।

लक्ष्मण के रोल में दो बार रिजेक्ट हुआ, राम के रोल में चुना गया

सोशल मीडिया पर यह खबर सुर्खियों में है कि देव शर्मा को 'रामायण' में लक्ष्मण के किरदार के लिए एक नहीं, बल्कि दो बार रिजेक्ट किया गया था। अपनी नई फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे देव कहते हैं, 'हां, यह सच है। 'रामायण' में श्रीराम का किरदार मिलने से पहले मैं दो बार लक्ष्मण के लिए रिजेक्ट हुआ था। पहली बार (आदि पुरुष) में मेरा लुक टेस्ट अच्छा गया था, लेकिन उस रोल के लिए 20-25 और लोग भी कोशिश कर रहे थे। मुझे लगता है कि जिस कलाकार को चुना गया, उस दिन उसका अभिनय मुझसे थोड़ा बेहतर रहा होगा। दूसरी बार (रामायण) में भी बात कास्टिंग और शारीरिक बनावट के अनुपात की थी। अगर राम का किरदार निभाने वाला कलाकार 6 फीट 1 इंच का है और लक्ष्मण के लिए कोई 6 फीट 3 इंच का है, तो कद-काठी के अनुपात को देखते हुए उसे शुरुआत में ही रिजेक्ट किया जा सकता है, क्योंकि परंपरागत रूप से लक्ष्मण को कद में राम से छोटा दिखाया जाता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि रणबीर कपूर ने मुझे उस रोल से निकलवाया या मेरे साथ किसी तरह का नेपोटिज्म हुआ।'

पहले लगा रामायण मेरी किस्मत में नहीं

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा कुछ नहीं था। कलाकारों के चयन के अपने मापदंड होते हैं और फैसला उन्हीं के आधार पर लिया जाता है। दो बार रिजेक्ट होने के बाद मुझे लगा कि शायद 'रामायण' मेरे नसीब में नहीं है और मैंने तय कर लिया कि अब यह नहीं करना। लेकिन फिर निर्देशक अभिषेक का फोन आया। मुझे लगा कि वह फिर लक्ष्मण के लिए बुला रहे हैं, तो मैंने साफ कह दिया कि अब मैं यह किरदार नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, 'मैं आपको लक्ष्मण के लिए नहीं, राम जी के लिए बुला रहा हूं।' उस पल लगा कि हम इंसान भगवान से छोटी-छोटी चीजें मांगते हैं, जबकि हमारी किस्मत में शायद उससे कहीं बड़ी चीज लिखी होती है। जिस किरदार के लिए मैं दो बार रिजेक्ट हुआ, आखिरकार उसी 'रामायण' में मुझे श्रीराम बनने का मौका मिला।'

कृष 3 में असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहा

अभिनय की दुनिया में आने से पहले देव शर्मा राकेश रोशन के साथ 'कृष 3' में असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं। वे बताते हैं, 'जब मैं असिस्टेंट के रूप में जुड़ा, तो विशाखापट्टनम से ग्रेजुएशन करने और तेलुगू अच्छी होने का मुझे काफी फायदा मिला। फिल्म की शूटिंग साउथ के रामोजी राव स्टूडियो में हो रही थी और क्राउड मैनेजमेंट से लेकर लोकल लोगों से कम्यूनिकेट करने तक मेरी भाषा की जानकारी बहुत काम आई। राकेश सर इस बात से काफी इम्प्रेस थे कि हमारा कम्यूनिकेशन इतनी आसानी से हो जाता था। मेरे लिए यह किसी सुपरपावर से कम नहीं था। राकेश सर की सबसे खास बात उनकी विनम्रता और जमीन से जुड़ा होना था। उनके सेट पर आर्टिस्ट और क्रू के बीच कोई फर्क नहीं किया जाता था।

अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है

राम को लेकर की जाने वाली राजनीति पर वे कहते हैं, 'देखिए, जो लोग राम या रामायण जैसे विषयों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीति के लिए कर रहे हैं, उनका भला नहीं होने वाला। किसी भी विषय को किस तरह लिखा जा रहा है, उसका कंटेंट क्या है, उसे बनाने वाले की नीयत क्या है और वे कहना क्या चाहते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बचपन से हम अपने माता-पिता से संस्कार और सभ्यता सीखते हैं। हमारी संस्कृति, धरोहर और इतिहास हमें बेहतर इंसान बनने की सीख देते हैं। श्रीराम का चरित्र भी इन्हीं मूल्यों की मिसाल है, चाहे नारी सम्मान हो, त्याग हो, भाईचारा हो या जिम्मेदारी को समझकर उसे निभाना। ऐसी फिल्मों के जरिए हमें इन्हीं मूल्यों की बात करनी चाहिए। राम हर मन में बसते हैं, लेकिन रावण भी हर मन में मौजूद है। फर्क सिर्फ इतना है कि हमारी परवरिश, संस्कार और कर्म तय करते हैं कि हम अपने भीतर के राम को मजबूत करते हैं या रावण को हावी होने देते हैं। हमें अपने राम को बाहर खोजने की जरूरत नहीं, बल्कि अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है।'

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

जी -20 में भारत की दो टूक, डब्ल्यूटीओ के नियमों से ही चलेगा व्यापार

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका में त्न-20 के वाणिज्य एवं व्यापार मंत्रियों के सम्मेलन में यह आरोप खारिज किया कि भारत में कुछ सेक्टरों में जरूरत से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग क्षमता है, जिससे किसी दूसरे देश के उद्योगों के हितों को नुकसान पहुंच सकता हो। गोयल ने कहा कि भारत अपने आप में विशाल देश है और अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ यह वैश्विक स्तर पर आवश्यकताओं की पूर्ति में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि उत्पादन और सप्लाई चेन का दायरा बढ़ाना एक वाजिब मकसद है, लेकिन इसकी आड़ लेकर नियमों से बाहर के कदम नहीं उठाए जा सकते हैं और विकासशील देशों पर बोझ नहीं डाला जा सकता है।गोयल की यह बात इस मायने में अहम है कि अमेरिका की अगुवाई में त्न-20 में यह मुद्दा उठाया गया। साथ ही अलग से अमेरिका अपने सेक्शन 301 के तहत यह जांच कर रहा है कि भारत सहित 60 देशों में स्टील, टेक्सटाइल्स, ऑटोमोबाइल्स, केमिकल्स सहित कुछ सेक्टरों में ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग क्षमता होने से अमेरिकी हितों को नुकसान हो रहा है या नहीं।

भारत की दलील

गोयल ने कहा, 'जी-20 प्रेसिडेंसी ने जिन सेक्टरों को चिन्हित किया है, उनमें भारत के पास स्ट्रक्चरल एक्सेस कैपेसिटी नही है।' पीयूष गोयल ने कहा कि कई देशों ने यह चिंता जताई है कि कुछ देशों में अपने हितों को बढ़ावा देने की हरकतों से डंपिंग और कम दाम पर माल दूसरे देशों में उतारने की स्थिति बन सकती है और भारत की भी ऐसी ही चिंता है।अमेरिका के टैरिफ दबाव और भारत समेत 60 देशों में 'ओवरकैपेसिटी' की जांच के बीच गोयल ने त्न-20 बैठक में भारत पर लगे आरोप को खारिज किया।

3 कंपनियों के शेयरों का होने जा रहा है बंटवारा, इसी हफ्ते हुआ ऐलान

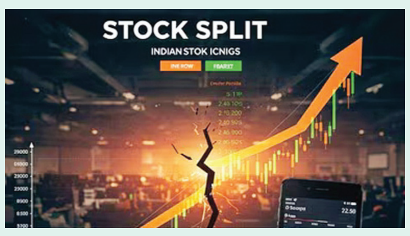

नईदिल्ली, एजेंसी। तीन कंपनियों के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। इन कंपनियों ने इसी हफ्ते स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। आइए जानते हैं कि यह तीन कंपनियों कौन सी हैं। कितने टुकड़ों में इनके शेयरों को बांटा जाएगा।

इस कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी।गुरुवार को मार्केट के बंद होने के समय पर इस स्टॉक की कीमत 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 92.63 रुपये थी। कंपनी के शेयरों में लोअर सर्किट लगा था। बता दें, पिछले एक साल में शेयरों का दाम 43 प्रतिशत बढ़ चुका है।

कंपनी के शेयरों को दो हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों का दाम घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट के लिए 30 अक्टूबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम 30 अक्टूबर को कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें ही स्टॉक स्प्लिट का लाभ मिलेगा।गुरुवार को इस कंपनी के शेयरों में भी लोअर सर्किट लगा था। 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद बीएसई में स्टॉक की कीमत 363.85 रुपये के स्तर पर आ गया था।

महंगाई बहुत बढ़ गई है 45 लाख में अफोर्डेबल हाउस नहीं बन सकता

कोलकाता, एजेंसी। सरकार ने सबको छत दिलवाने के लिए अफोर्डेबल हाउसिंग की नीति बनाई है। लेकिन जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है और जमीन एवं मकान बनाने वाली वस्तुओं की कीमत बढ़ रही है। उसे देखते हुए कहा जा रहा है कि सात साल पहले बनी नीति अब बेमानी हो चुकी है। इसलिए देश के रियल एस्टेट डेवलपर्स चाहते हैं कि इस नीति में बदलाव हो। यही नहीं, सरकार अफोर्डेबल हाउस की परिभाषा में भी बदलाव करे। वे चाहते हैं कि अफोर्डेबल हाउसिंग की कीमत में कोई कैपिंग नहीं हो। अभी इसमें 45 लाख रुपये की कैपिंग है।

क्रेडाई ने की है मांग

भारत में 13,000 से भी अधिक रियल एस्टेट डेवलपर्स का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन है कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन्स इसका इन दिनों महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन कोलकाता में हो रहा है। इसी दौरान क्रेडाई के प्रेसिडेंट शेखर पटेल ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि सरकार अफोर्डेबल हाउस की परिभाषा बदले। उनका कहना है कि साल 2029 में जो तय हुआ था कि 45 लाख रुपये तक की कीमत के मकानों को ही अफोर्डेबल हाउस माना जाए, उसे हटाना होगा। क्योंकि जिस हिसाब से जमीन की कीमत बढ़ रही है और कंस्ट्रक्शन मैटेरियल महंगा हो रहा है, इतने में मकान बनाना संभव नहीं है।

सीआरईडीएआई ने सरकार से यह रखी मांग

मानदंड में सिर्फ आकार शामिल हो

पटेल का कहना है कि इस समय अफोर्डेबल हाउसिंग की नीति में मकान का आकार और मकान की कीमत, दोनों को मानक बनाया गया है। लेकिन अब सरकार को चाहिए कि वह मकान की कीमत की सीमा हटा दे। अफोर्डेबल हाउसिंग में सिर्फ निर्धारित आकार को ही मानदंड बनाया जाए। इस समय देश मे सात मेट्रोपोलिटन शहरों में 60 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल वाले मकान और अन्य इलाकों में 90 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल वाले मकानों को इस श्रेणी में रखा गया है। साथ ही उन मकानों की कीमत में 45 लाख रुपये की ऊपरी सीमा या कैपिंग भी तय की गई है। इससे अधिक कीमत के मकानों को

क्रेडाई ने यह सुझाव दिया

उनका तो कहना है कि मेट्रोपोलिटन सिटीज के लिए 60 वर्ग मीटर की सीमा और अन्य शहरों के लिए 90 वर्ग मीटर बनाए रखने में कोई दिक्कत नहीं है। इतने क्षेत्रफल में आराम से सस्ते मकान तैयार हो सकत हैं। इसलिए आगे की नीति में भी इस आकार को बनाए रखने का क्रेडाई ने सुझाव दिया है। लेकिन कीमत सरकार कीमत को शामिल नहीं करे। वह बाजार पर छोड़ दे।

इस नीति को अंतिम रूप देने में लगेगा समय

सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अफोर्डेबल हाउसिंग की नीति में संशोधन में हाउसिंग मिनिस्ट्री के साथ साथ फाइनेंस मिनिस्ट्री का भी इनवोलमेंट है। क्योंकि अफोर्डेबल हाउसिंग को जीएसटी से छूट मिली हुई है। यदि इसकी सीमा में कोई बदलाव होता है तो उसे केंद्रीय वित्त मंत्रालय के साथ साथ जीएसटी काउंसिल की भी अनुमति की दरकार होगी। जीएसटी काउंसिल में सभी राज्य सरकारों की भी भागीदारी होती है। उनका कहना है कि यदि सरकारी स्तर पर सहमति बनती है तो इसकी घोषणा आगामी बजट में हो सकती है।

जितनी महंगाई बढ़ेगी, उतनी तेजी से निपटेगा देश का कर्जः ट्रंप

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका का कर्ज 40 ट्रिलियन से अधिक हो गया है। समस्या यह है कि अमेरिका का कर्ज ऐसे समय बढ़ रहा है जबकि उसकी इकॉनमी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समस्या से निपटने का तरीका बताया है। उनका कहना है कि महंगाई का एक खास लेवल देश के कर्ज को बहुत तेजी से चुकाने में मदद कर सकता है।

ट्रंप ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे पता है कि मैं दुनिया में सबसे बेहतर हूं। कर्ज चुकाने के और भी तरीके हैं। लेकिन एक तरीका यह है कि ग्रोथ के जरिए इसे चुकाया जाए और ऐसी ग्रोथ हमने पहले कभी नहीं देखी।' उन्होंने कहा कि भले ही पहले कम ब्याज दरों की वजह से उधार लेना सस्ता था, लेकिन मौजूदा समय में ऊंची ब्याज दरों के कारण सरकार कर्ज के बोझ से निपटने के लिए दूसरे तरीकों का इस्तेमाल कर सकती है।

आवश्यकता आविष्कार की जननी', डिमांड-सप्लाई का गैप पकड़ लगाया दांव, 3 साल में बनाई 3 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है मोहिता गुप्ता इंद्रायण की। वह दिल्ली से हैं। उन्होंने डिमांड और सप्लाई के गैप को पहचानकर एक सफल फैशन ब्रांड खड़ा कर दिया है। इसका नाम 'स्प्रिंग सोल' है। साल 2023 में इसकी शुरुआत हुई थी। मोहिता ने इस गैप को तब महसूस किया जब उन्होंने देखा कि जहां एक ओर रेडीमेड कपड़ों में मनपसंद फिटिंग पाना मुश्किल होता है। वहीं दूसरी ओर लोकल बुटीक या डिजाइनर्स के पास जाने पर जेब ढीली करनी पड़ती है। यह ब्रांड पारंपरिक भारतीय कपड़ों और जीरो वेस्ट की मिसाल बनकर 3 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर के आंकड़े को पार कर चुका है। आइए, यहां मोहिता गुप्ता इंद्रायण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पहला बिजनेस करना पड़ा बंद

मोहिता दिल्ली में जन्मीं और देश-विदेश के अलग-अलग हिस्सों में पली-बढ़ीं। कपड़ों और भारतीय विरासत से उनका पुराना नाता रहा है। लेडी श्री राम कॉलेज से अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने दिल्ली से अपैरल मार्केटिंग और मर्चेंडाइजिंग की पढ़ाई की। शादी के बाद उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर साल 2010 में बच्चों के कपड़ों का ब्रांड '612 लीग' शुरू किया। यह बड़ा किड्सवियर ब्रांड बनकर उभरा। हालांकि, कोरोना महामारी के दौरान फिजिकल स्टोर आधारित यह बिजनेस बंद करना पड़ा। लेकिन, मोहिता के भीतर फैशन और भारतीय विरासत से जुड़ा कुछ नया करने की ललक कायम रही।

डिमांड-सप्लाई के इस गैप को पकड़ा

'612 लीग' के बाद मोहिता ने बाजार का गहराई से अध्ययन किया। पाया कि 5,000 से 15,000 रुपये के बीच के 'मास-प्रीमियम' सेगमेंट में बड़ा खालीपन है। ग्राहकों के पास या तो रेडी-टू-वियर के रूप में सीमित ऑप्शन थे या फिर अनिश्चित क्वालिटी वाले लोकल बुटीक। इस समस्या का समाधान निकालते हुए उन्होंने 2023 में गुरुग्राम से 'स्प्रिंग सोल' की शुरुआत की। इसका मकसद महिलाओं को बिना डिजाइनर कीमतों के उनकी पसंद के कट, डिजाइन और साइज के अनुसार कस्टमाइज्ड और सुविधाजनक कपड़े उपलब्ध कराना था।बिजनेस के शुरुआती दिनों में गुरुग्राम के यूनिट में दो दिन की बिजली कटौती के वक्त जब उत्पादन रुका और छह कारीगरों को खाली बैठा देखना पड़ा तब 'आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है' वाली कहावत सच साबित हुई। मोहिता ने अपने कारीगरों से बचे हुए कपड़ों के टुकड़ों (कतरन) से तुर्की स्टाइल की फैब्रिक ज्वेलरी बनवाई। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते ही ये पीस रातोंरात बिक गए। इससे ब्रांड का ग्रॉस मार्जिन 15 प्रतिशत तक बढ़ गया।

नोएल टाटा ने मांगा टाटा संस की मीटिंग का वीडियो, चंद्रशेखरन की नियुक्ति पर सवाल उठाए

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप में अब लेटर वॉर शुरू हो गया है। टाट ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच ने हाल में एकदूसरे को कई पत्र लिखे हैं ताजा घटनाक्रम में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस बो को पत्र लिखकर 17 सितंबर की मीटिंग की वीडियो रिकॉर्डिंग और मिनट्स की जानकारी मांगी है। इस मीटिंग में एन चंद्रशेखरन को दोबारा चेयरमैन नियुक्त करने का फैसला लिया गया था।

नोएल टाटा ने 30 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड को यह पत्र लिखा था इसमें उन्होंने उस तरीके पर भी सवाल उठाए जिससे बोर्ड ने मीटिंग के बा चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को सही ठहराने के लिए दो कानूनी राय पेश कीं। नोएल टाटा का कहना था कि उन्हें मीटिंग में देश के पूर्व चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ से मिली कानूनी राय के खास बिंदुओं को विस्तार से बता का पर्याप्त मौका नहीं दिया गया। नोएल टाटा ने दावा किया कि प्रस्ताव को नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमिटी की जानकारी के तौर पर पास किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि नोएल टाटा चंद्रचूड़ की रिपोर्ट के आधार प कास्टिंग वोट और टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन से जुड़े मु उठाना चाहते थे। उनका तर्क है कि उसके मूल कंटेंट और समय-समय प किए गए बदलावों के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। टाटा ट्रस्ट्स और टाट संस ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। नोएल टाटा ने 17 सितंबर को टाट संस बोर्ड के सामने चंद्रचूड़ की रिपोर्ट पेश की और तर्क दिया कि टाट ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर्स को मिले खास वोटिंग अधिकारों को ओवरराइड करने के लिए टाटा संस के चेयरमैन के कास्टिंग वोट क इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। 17 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन को 4-1 के बहुमत से फिर से पांच साल के लिए चेयरमैन नियुक्त करने का फैसला किया था। केवल नोएल टाटा ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया था। बोर्ड में ट्रस्ट के दूसरे नॉमिनी वेणु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का समर्थन किया। यह बैठक के उस फैसले के बाद हुई थी, जिसमें उसने टाटा संस की प्राइवेट और अनलिस्टेड बने रहने की अपील को ठुकरा दिया था।

जब नाम ही बन गया पहचान, 80 के दशक में एंट्री और छा गया ब्रांड, बिपाशा बसु-जाह्नवी कपूर का कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। अस्सी का दशक खत्म हो रहा था। देश में डायबिटीज की बीमारी तेजी से पैर पसारने लगी थी। उसी दौर में लॉन्च किया गया। तब भारतीय बाजार में कैलोरी-फ्री स्वीटनर या चीनी के सुरक्षित विकल्पों का लगभग अकाल था। इसे शुरुआत में सिर्फ डायबिटिक रोगियों के लिए एक चिकित्सीय जरूरत के रूप में पेश किया गया था। उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि किसी उत्पाद का यह साधारण नाम ही उसका सबसे मजबूत ब्रांड बन जाएगा। समय के साथ कानून बदले। पेटेंट की सीमाएं खत्म हुईं। इन सब के बीच ब्रांड ने विज्ञापनों और विजुअल मेकओवर के जरिए अपनी धाक जमाई। आज यह ब्रांड देश का नंबर-1 स्वीटनर और नॉन-डायबिटिक वेलनेस का बेताज बादशाह बन चुका है।

ऐसे हुई थी शुरुआतः शुगर फ्री ब्रांड की नींव साल 1988 में पड़ी। तब इसे कंपनी के एथिकल ड्रग डिवीजन के तहत विशेष तौर पर डायबिटीज के मरीजों के लिए डॉक्टरों के जरिये एक दवा के रूप में लॉन्च किया गया था। उस समय कानूनन इसे ओवर-द-काउंटर प्रोडक्ट के रूप में बेचने की इजाजत नहीं थी। इसलिए, इसका प्रचार डॉक्टरों के पर्चे और सीमित माध्यमों से होता था। साल 1993 में कानून में महत्वपूर्ण बदलाव आया। इसके बाद इसे ओटीसी उत्पाद के रूप में मंजूरी मिली। यह कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन का हिस्सा बन गया। शुरुआत में उत्पादन लागत पर एक्साइज ड्यूटी लगती थी। लेकिन, 90 के दशक के शुरुआती सालों में जब यह टैक्स पर लगने लगा तो ब्रांड के मार्जिन पर गहरा असर पड़ा।

इस कदम ने घर-घर तक बना दी पहचानः साल 1999 में ब्रांड का पूरा मेकओवर हुआ। अब तक नीले और सफेद रंग की क्लीनिकल दिखने वाली पैकेजिंग को बदलकर जीवंत पीला रंग दिया गया। रिटेल स्टोर्स की भीड़ में अलग दिखने के लिए पैक का आकार 'ऑवरग्लास' जैसा रखा गया। बजट की कमी के कारण कंपनी ने साल 2001 में मास्टरस्ट्रोक खेलते हुए एक न्यूज चैनल पर बहुत कम दरों पर विज्ञापन स्लॉट खरीदे। इसी दौरान 9/11 की घटना और साल 2003 के क्रिकेट वर्ल्ड कप के कारण समाचार चैनलों की बढ़ी हुई व्यूवरशिप का ऐसा जबरदस्त फायदा मिला कि ब्रांड घर-घर की जुबान पर आ गया। इस सफर में हर्ष भोगले और रवीना टंडन जैसे नाम जुड़े। साल 2002 में एस्पार्टेम का पेटेंट समाप्त होने और भारत में खाद्य पदार्थों में आर्टिफिशियल स्वीटनर पर से प्रतिबंध हटने के बाद कच्चे माल की लागत कम हुई।

दिवाली पर फ्री एलपीजी सिलेंडर का तोहफा, सरकार सीधे खाते में ट्रांसफर करेगी पैसे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिवाली का त्योहार आने वाला है। इस त्योहार से पहले एलपीजी सिलेंडर फ्री में मिलने वाला है। अब सवाल है कि फ्री एलपीजी सिलेंडर का लाभ किसे मिलेगा और किसे नहीं आइए डिटेल में जान लेते हैं। दरअसल, दिवाली के मौके पर फ्री एलपीजी सिलेंडर का फायदा दिल्ली के लोगों को मिलेगा। कुछ महीनों पहले ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की थी कि दिल्ली में राशन कार्ड वाले सभी परिवारों को हर साल दो सिलेंडर की कीमत के बराबर आर्थिक मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि यह मदद होली और दिवाली के मौकों पर दी जाएगी। उन्होंने बताया था कि सिलेंडर के लिए तय रकम परिवार के मुखिया के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा था, 'दिल्ली में राशन कार्ड वाले सभी परिवार इस योजना के दायरे में आएंगे। यह योजना सभी राशन कार्ड धारकों पर समान रूप से लागू होगी, चाहे वे खाना पकाने के लिए इस्तेमाल करते हों या पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन का।

कोटक महिंद्रा बैंक में मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ पद पर अनूप कुमार साहा की नियुक्ति को आरबीआई की मंजूरी

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड (कोटक या बैंक) ने आज बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अनूप कुमार साहा को बैंक का मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (एमडी और सीईओ) नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 1 जनवरी, 2027 से तीन साल के लिए होगी। बैंक का बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स इस नियुक्ति को औपचारिक रूप देने के लिए उचित समय पर आगे के कदम उठाएगा और इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी भी लेगा।

अनूप फिलहाल कोटक महिंद्रा बैंक में होल-टाइम डायरेक्टर (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) हैं। वे जनवरी 2026 में बैंक से जुड़े थे और मार्च 2026 से रिटेल बैंक, डेटा एनालिटिक्स और मार्केटिंग का कामकाज देख रहे हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के बोर्ड के चेयरमैन सी. एस. राजन ने कहा, हम भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी का स्वागत करते हैं। अनूप के पास बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज का व्यापक अनुभव है। अपनी मौजूदा भूमिका में वे बैंक के अलग-अलग कारोबारों से पहले ही सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। बैंक अपनी मजबूत बुनियाद के सहारे लगातार बढ़ रहा है, और हमें उम्मीद है कि अनूप की लीडरशिप में फ्रेंचाइजी और मजबूत होगी और बैंक टिकाऊ ग्रोथ हासिल करेगा। बोर्ड की ओर से मैं अनूप को शुभकामनाएं देता हूं कि वे कोटक को ग्रोथ के अगले दौर में कामयाबी से ले जाएं। कोटक महिंद्रा बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ अशोक वासवानी ने कहा, अनूप फाइनेंशियल सर्विसेज के मंझे हुए लीडर हैं। उन्हें अलग-अलग कारोबारों, ग्राहक वर्गों और ऑपरेटिंग फंक्शन का गहरा अनुभव है। कोटक से जुड़ने के बाद से उन्होंने हमारी टीमों के साथ करीब से काम किया है और आगे आने वाले मौकों की साफ समझ दिखाई है। मुझे पूरा भरोसा है कि अनूप कोटक की मजबूत नींव को आगे बढ़ाएंगे।

डॉव सॉफ्ट अपने सीपास बिज़नेस को बढ़ा ने लिए ला रही आईपीओ

मुंबई , एजेंसी। जैसे-जैसे कंपनियाँ ग्राहकों से बातचीत के लिए कई तरह के चैनलों का इस्तेमाल कर रही हैं, कम्युनिकेशंस प्लेटफ़ॉर्म एज़ ए सर्विस का दायरा पारंपरिक टेक्स्ट मैसेजिंग से आगे बढ़ रहा है। डॉव सॉफ्ट लिमिटेड कई तरह के कम्युनिकेशन चैनलों के ज़रिए इस क्षेत्र में काम करती है और अब अपने एसएमइ आईपीओ के ज़रिए पूंजी जुटा रही है। यह इश्यू सोमवार, 5 अक्टूबर को बंद होगा। मुंबई में हेडक्वार्टर वाली यह कंपनी अपने आईपीओ के ज़रिए 73.26 करोड़ जुटा रही है।

इसमें 53.28 लाख शेयरों का नया इश्यू और 12.72 लाख शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। इसके लिए प्राइस बैंड 104-111 प्रति शेयर तय किया गया है और कंपनी बीएसइ एसएमई प्लेटफ़ॉर्म पर लिस्ट होने की योजना बना रही है। डॉव सॉफ्ट का सीपास बिज़नेस डॉव सॉफ्ट एसएमएस, आरसीएस, व्हाट्सएप, वॉइस, ईमेल और दूसरे डिजिटल चैनलों के ज़रिए काम करती है और कंपनियों को कस्टमर कम्युनिकेशन के लिए एक इंटीग्रेटेड प्लेटफ़ॉर्म देती है। इसकी टेक्नोलॉजी क्षमताओं में एआई -इनेबल्ड ऑटोमेशन, वर्कफ़्लो-बेस्ड एंगेजमेंट, इंटेलिजेंट चैनल सिलेक्शन और रियल-टाइम एनालिटिक्स शामिल हैं। कंपनी का प्लेटफ़ॉर्म कंपनियों को एक ही इंटरफ़ेस से कई कम्युनिकेशन चैनलों को मैनेज करने की सुविधा देता है। यह एंटरप्राइज़ कम्युनिकेशन में आए बड़े बदलाव को दिखाता है, जहाँ कस्टमर के साथ बातचीत में सिर्फ़ एक मैसेजिंग चैनल पर निर्भर रहने के बजाय एसएमएस, आरसीएस, व्हाट्सएप, वॉइस, ईमेल और ऑटोमेटेड वर्कफ़्लो का मिला-जुला इस्तेमाल हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

हॉकी में ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री मोदी ने बधाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने यादगार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास उपलब्धि के लिए भारत की बेटियों की जमकर सराहना की है।

पीएम मोदी ने पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारतीय हॉकी के लिए एक बहुत ही खास पल। भारत के लोग महिला हॉकी टीम की सफलता का जश्न मना रहे हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में शानदार गोल्ड मेडल जीता है और वो भी चार दशकों से ज्यादा समय के बाद। यह बेहतरीन कौशल और टीमवर्क का नतीजा है। उनका जज्बा भी बहुत प्रेरणादायक है। टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। उम्मीद है कि यह सफलता देशभर में हॉकी की लोकप्रियता बढ़ाने में योगदान देगी।' केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी भारतीय महिला टीम को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'भारत के लिए गोल्ड की कामयाबी। 44 साल बाद भारतीय महिला हॉकी को गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई। हुनर, पक्के इरादे और टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन। बहुत बढ़िया, चैंपियंस। 'केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय महिला टीम के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक दिन। हमारी अद्भुत 'नारी शक्ति' ने एशिया को जीत लिया है।

अभिषेक शर्मा ने क्रिस गेल को पछाड़ा, 400 छक्कों का रिकार्ड

निशिन । भारत के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने शनिवार को करोगी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 28 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली और टीम का स्कोर 6 विकेट पर 211 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अभिषेक ने अपनी इस विस्फोटक पारी के दौरान कई उपलब्धियां हासिल कीं। अभिषेक ने अपनी 61 रन की पारी के दौरान 7 छक्के लगाए। पारी का दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक के टी20 क्रिकेट में 400 छक्के पूरे हो गए। शर्मा के अब कुल 405 छक्के

हो गए हैं। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। गेल ने 400 छक्के लगाने के लिए 3,557 गेंदें खेली थीं। अभिषेक ने 3,513 गेंदों में अपने 400 छक्के पूरे किए।टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के नाम है। रसेल ने 3,027 गेंदों पर 400 छक्के लगाए हैं।

दांतों में गोल्ड, चेहरे पर मुस्कान... सोना जीत बढ़ाई शान

पाकिस्तान को हराने के बाद टीम इंडिया का आइकॉनिक पोज

18 गेंद में चाहिए थे 52 रन, फिर आए बुमराह-शिवम

निशिन, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में एक और स्वर्ण आ गया है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण जीत लिया है। भारत ने एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के फाइनल में छह विकेट पर 211 रन बनाए थे। यह टी20 में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा टोटल था। भारत ने 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। 2012 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 192 रन बानए थे। भारत के लिए अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने अर्धशतक लगाए। अभिषेक ने 28 गेंद में तीन चौके और सात छक्के की मदद से 61 रन की पारी खेली। वहीं, तिलक ने 22 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। पाकिस्तान ने रजत जीता। वहीं, श्रीलंका ने सुबह बांग्लादेश को हराकर कांस्य पर कब्जा जमाया था।

सधी हुई रही भारत की शुरुआत, अभिषेक ने की छक्कों की बरसात

भारत की शुरुआत सधी हुई रही थी। वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक ने पहले विकेट के लिए 28 रन जोड़े। वैभव को सैम अयूब ने आउट किया। वैभव ने नौ गेंद में दो छक्के की मदद से 15 रन बनाए। वहीं, संजू सैमसन दो रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और अभिषेक ने पारी संभाली। दोनों ने 24 गेंद में 42 रन की साझेदारी की।अभिषेक ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 13वां अर्धशतक लगाया। इसके बाद वह आउट हो गए। फिर श्रेयस ने ईशान किशन के साथ चौथे विकेट के लिए 32 गेंद में 35 रन की साझेदारी की। पांच रन के अंतराल पर भारत ने इन दोनों के विकेट गंवा दिए। श्रेयस 24 गेंद में 21 रन और ईशान 18 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तो तिलक और दुबे की आंधी आई। तिलक और दुबे ने छठे विकेट के लिए 30 गेंद में 62 रन की साझेदारी निभाई। दुबे 15 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, तिलक ने 21 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। 20वें ओवर में भारत ने 16 रन बटोरे। इस तरह भारत ने छह विकेट पर 211 रन बनाए। अक्षर एक रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से अहमद दानियाल और अराफान मिनहास ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, सैम अयूब और अबरार अहमद को एक-एक विकेट मिला।

आखिरी ओवर का रोमांच

पाकिस्तान को छह गेंद में 33 रन की जरूरत थी। शिवम दुबे गेंदबाजी कर रहे थे और स्ट्राइक पर हसन नवाज थे। पहली गेंद पर चौका आया। फिर दुबे ने वाइड फेंकी। पाकिस्तान को पांच गेंद 28 रन चाहिए थे। दुबे ने दूसरी गेंद डॉट फेंकी। भारत ने मैच में पकड़ बना ली थी। तीसरी गेंद पर भी डॉट आया। नवाज ने रन नहीं लिया।चौथी गेंद पर नवाज ने छक्का लगाया। वह 94 पर पहुंच गए थे। पांचवीं गेंद पर हसन ने दो रन बनाए। आखिरी गेंद पर नवाज आउट हो गए। उनका शतक नहीं हो सका और पाकिस्तान टीम हार गई।

भारतीय टीम ने दूसरी बार जीता स्वर्ण

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीता है। पिछली बार 2023 हांगझोउ में भी ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में स्वर्ण जीता था। वहीं, क्रिकेट में भारत ने दोनों स्वर्ण अपने नाम किए। इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। महिला क्रिकेट टीम ने 2023 हांगझोउ में भी स्वर्ण जीता था।

पाकिस्तान की पारी

212 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही थी। उसने 39 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। अक्षर पटेल ने माज सदाकत (23 रन) और उस्मान खान (3 रन) को पवेलियन भेजा था। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर ने साहिबजादा फरहान (10) को आउट किया। इसके बाद हसन नवाज और सैम अयूब ने चौथे विकेट के लिए 48 गेंद में 87 रन की साझेदारी निभाई।

नई पीढ़ी को प्रेरित करने वाला रहेगा यह वर्ल्डकप

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप देश के क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया। दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ 50 ओवर के इस मेगा इवेंट को को-होस्ट करेगा। डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर फैनकोड की एक खास चैट में आईएएनएस से कहा, '2027 में वनडे वर्ल्ड कप 2003 के बाद पहली बार साउथ अफ्रीका वापस आ रहा है। 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया। इसका मुझ पर बहुत बड़ा असर पड़ा। मुझे साफ तौर पर याद है कि एक ऑस्ट्रेलियाई ने यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग क्लिनिक किया था। वहीं मैंने उस समय, 19 साल की उम्र में क्रिकेट खेला था। मैं एडम गिलक्रिस्ट को थोड़ा और बेहतर जान पाया। उन्होंने उस दिन मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया।' उन्होंने कहा, 'उन्हें उस समय कोई आइडिया नहीं था कि मैं कौन हूं। मुझे उनके साथ एक बहुत अच्छा पल साफ तौर पर याद है।

रेड बॉल क्रिकेट को चहल ने कहा अलविदा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। चहल अब कभी भी व्हाइट जर्सी में रेड बॉल क्रिकेट खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। चहल ने इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने फैसले की जानकारी दी। चहल ने लिखा, 'मैंने जो पहली क्रिकेट बॉल पकड़ी थी, वह रेड बॉल थी। मैं 10 साल का था, और मुझे तब कोई अंदाजा नहीं था कि मुझे इस खेल से इतना प्यार हो जाएगा। मेरे लिए, रेड-बॉल क्रिकेट कभी भी सिर्फ एक और फॉर्मेट नहीं था। यहीं पर मैंने सब्र, कैरेक्टर, मजबूती और घंटों तक मैदान पर रहने, हर रन और हर विकेट के लिए लड़ने की असली खुशी का मतलब सीखा।' उन्होंने लिखा, 'मैंने अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास मैच लॉर्ड्स में खेला। यह कहना भावुक करने वाला है क्योंकि टेस्ट कैप हमेशा एक सपना था, जिसे मैंने कई सालों तक अपने साथ रखा। हो सकता है कि यह न हुआ हो, लेकिन मैं अपने सफर से सच में खुश हूं और इस फॉर्मेट में मुझे मिले हर मौके के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। रेड बॉल ने मुझे मेरी जिंदगी की कुछ सबसे खूबसूरत यादें दीं, और कोई भी चीज इसे कभी नहीं छीन सकती।' चहल ने लिखा, 'मैं अभी खत्म नहीं हुआ हूं। अपने देश के लिए खेलने की भूख अभी भी जिंदा है।

क्लोजिंग सेरेमनी में ध्वजवाहक होंगी नीरू ढांडा

नागोया। भारतीय शूटर नीरू ढांडा रविवार को नागोया (जापान) में आयोजित एशियन गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में राष्ट्रीय ध्वज लेकर चलेंगी। यह उनके लिए एक यादगार सफर रहा, जिसमें वह देश की बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरीं। 27 वर्षीय ट्रैप शूटर ने इन गेम्स में तीन मेडल (दो गोल्ड और एक सिल्वर) जीते। शूटिंग में भारत के शानदार प्रदर्शन में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। नीरू के मेडल जीतने का सिलसिला महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल के साथ शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ टीम बनाई थी। तीन दिन के क्वालिफिकेशन के बाद भारतीय तिकड़ी का कुल स्कोर 328 रहा। वे गोल्ड मेडल जीतने वाले चीन से पीछे रहीं, जबकि कुवैत ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके बाद नीरू ने व्यक्तिगत ट्रैप इवेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और इस खेल में एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। 118 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में टॉप करने के बाद उन्होंने फाइनल में 28 का स्कोर बनाकर एशियन रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने कायन चेनाई के साथ मिलकर ट्रैप-मिक्स्ड टीम इवेंट में भी गोल्ड मेडल जीता। मुश्किल शुरुआत के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की और आखिर में 34 हिट के साथ जीत हासिल की। उन्होंने 2026 में ही कतर द्वारा बनाए गए 33 हिट के पिछले एशियन रिकॉर्ड को तोड़ा।मिक्स्ड टीम की जीत ने नीरू के लिए दो दिनों के यादगार सफर को पूरा किया। व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीतने के 24 घंटे से भी कम समय में वह फिर से शूटिंग रेंज में लौटीं और एक बार फिर टॉप पर रहीं। तीन मेडल जीतने के कारण वह आइची-नागोया गेम्स में भारत की प्रमुख खिलाड़ियों में से एक बन गई और उन्हें क्लोजिंग सेरेमनी में भारतीय दल का नेतृत्व करने का सम्मान मिलेगा।

नीरज ने धीरज को हराया, ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने शनिवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वेयर में पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल के लिए हुए मुकाबले में अपने ही देश के धीरज बोम्मादेवरा को हराया। पांच सेट तक चले मुकाबले में नीरज ने धीरज को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। दोनों तीरंदाज अपने-अपने सेमीफाइनल मैच हारने के बाद इस मुकाबले में उतरे थे। नीरज को सेमीफाइनल में जापान के जुन्या नाकानिशी से 1-7 से हार मिली थी, जबकि धीरज को अंतिम चार में साउथ कोरिया के ली वू-सेओक से हार का सामना करना पड़ा था। ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में नीरज ने पहला सेट 29-26 के स्कोर से जीता, जबकि दूसरा सेट 27-28 से और तीसरा सेट भी 28-29 से हार गए। धीरज 4-2 से आगे थे और उन्हें सिर्फ एक सेट जीतने की जरूरत थी, लेकिन नीरज ने चौथा सेट शानदार तरीके से खेला और तीन बार 10 का स्कोर करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया।

धीरज ने आखिरी सेट की शुरुआत 8 के स्कोर के साथ की, जबकि नीरज ने 10 का स्कोर किया। धीरज ने सुधार करते हुए दो बार 10 का स्कोर किया और आखिरी सेट में कुल 28 प्वाइंट बनाए। नीरज को ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए 19 अंकों की जरूरत थी। उन्होंने अपने आखिरी दो तीरों पर 9 और 10 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। दोनों तीरंदाजों ने इससे पहले मिक्स्ड और टीम इवेंट में मेडल जीते थे। धीरज ने मिक्स्ड इवेंट के फाइनल में कुमकुम मोहोद के साथ सिल्वर मेडल जीता था, जहां उन्हें गोल्ड मेडल के मुकाबले में चीन से हार मिली थी। इसके अलावा, धीरज ने नीरज और यशदीप भोग के साथ टीम सिल्वर मेडल भी जीता था। फाइनल में उन्हें साउथ कोरिया से हार का सामना करना पड़ा और वे गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए। इन खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। कुमकुम मोहोद ने एशियन गेम्स में इतिहास रचा। उन्होंने साउथ कोरिया की ओह येजिन को हराकर व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने का कारनामा किया।

ताइक्वांडो टीम का पदक जीतने का सपना रह गया अधूरा

तोयोहाशी । भारत का एक और एशियन गेम्स ताइक्वांडो अभियान बिना किसी पदक के समाप्त हो गया। देश की तीन सदस्यीय महिला टीम आइची-नागोया 2026 से खाली हाथ लौटी। यह प्रतियोगिता शनिवार को जापान के तोयोहाशी जिमनैजियम में खत्म हो जाएगी। कशिश मलिक, ज्योति यादव और रूपा बेयोर चार मेडल इवेंट्स में भारत की तरफ से उतरी थीं, लेकिन किसी भी इवेंट में इनमें से कोई भी एथलीट पोडियम फिनिश नहीं कर सकी। भारत का आखिरी एशियन गेम्स ताइक्वांडो मेडल 2002 में बुसान में सुरेंद्र भंडारी ने जीता था। सुरेंद्र ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। कशिश ने गेम्स में भारत को सबसे ज्यादा जीत दिलाई और मिक्स्ड इंडिविजुअल वर्चुअल ताइक्वांडो इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची, जो आइची-नागोया में एशियन गेम्स में डेब्यू कर रहा था। उन्होंने हांगकांग, चीन की सियू वाई लैम पर 2-0 की जीत के साथ शुरुआत की और दोनों राउंड 800-500 और 400-0 से जीते।

संक्षिप्त समाचार

बंगलूरू में सिलिंडर लीक से घर में लगी आग, चार बच्चों समेत परिवार के छह लोग झुलसे

बंगलूरू , एजेंसी। बंगलूरू के नयनदहल्ली इलाके में शनिवार सुबह एलपीजी सिलिंडर से गैस लीक होने के बाद घर में आग लग गई। हादसे में एक ही परिवार के छह लोग झुलस गए, जिनमें चार बच्चे शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना के समय परिवार के सदस्य खाना बना रहे थे। हादसा विनायक लेआउट स्थित किराये के मकान में हुआ। परिवार मूल रूप से रायचूर का रहने वाला है और बंगलूरू में किराये के घर में रह रहा था। पुलिस ने घायलों की पहचान करिलिंगप्पा (40), उनकी पत्नी लक्ष्मम्मा (42), चैतरा (11), बसवा (9) और तीन वर्षीय जुड़वां बहनों गीता और गिरिजा के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, एलपीजी सिलिंडर से गैस लीक होने के बाद अचानक आग भड़क गई और परिवार के सभी छह सदस्य इसकी चपेट में आ गए। आग में उन्हें झुलसने की चोटें आई हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद चंद्रा लेआउट पुलिस थाने के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सभी घायलों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि एलपीजी रिसाव किस वजह से हुआ और आग कैसे भड़की।

गुजरात के अमरेली में शेरनी का आतंक, वनकर्मी समेत 5 लोगों को बनाया निशाना, वन विभाग ने ऐसे दबोचा

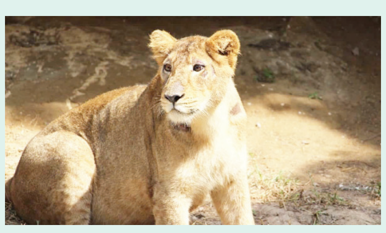

अमरेली, एजेंसी। गुजरात के अमरेली जिले से डरावनी खबर सामने आई है. अमरेली के वड़िया तालुका में एक शेरनी ने भारी आतंक मचाया. इस शेरनी ने एक के बाद एक कुल 5 लोगों पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया. घायलों में दो बाइक सवार युवक, दो किसान और खुद वन विभाग का एक कर्मचारी शामिल है. इस सिलसिलेवार हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया. हालांकि, वन विभाग की टीम ने करीब 12 घंटे चले कड़े रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शेरनी को बेहोश कर पिंजरे में कैद कर लिया है.

आधी रात को बाइक सवार युवकों पर पहला हमला: जानकारी के मुताबिक, यह घटना अमरेली के वड़िया तालुका के अरजणसुख गांव की सीमा पर शुरू हुई. तोरी गांव के रहने वाले दो युवक, मेहुल मनुभाई वाजा और भगीरथ गभीरभाई बासिया, एक कार्यक्रम से देर रात मोटरसाइकिल पर अपने गांव लौट रहे थे. अरजणसुख और तोरी गांव को जोड़ने वाली सड़क पर अचानक झाड़ियों से निकलकर शेरनी ने उनकी चलती बाइक पर छलांग लगा दी. अचानक हुए इस हमले से दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े. शेरनी के इस हमले में मेहुल के हाथ में और भगीरथ के पैर में गंभीर चोटें आईं. गनीमत रही कि बाइक गिरने और शोर मचाने के बाद शेरनी वहां से भाग निकली. दोनों घायलों को तुरंत आपातकालीन सेवा 108 की मदद से अमरेली के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया.

खेतों में काम कर रहे किसानों को भी बनाया निशाना: इस घटना के बाद शेरनी का गुस्सा शांत नहीं हुआ. सुबह होते ही उसने अरजणसुख गांव के पास कपास के खेतों में काम कर रहे दो स्थानीय किसानों पर अचानक हमला बोल दिया. एक घायल किसान ने बताया कि वह खेत में काम कर रहा था, तभी कपास की फसल के बीच से अचानक शेरनी निकली और उस पर टूट पड़ी. एक बार पीछे हटने के बाद शेरनी दोबारा लौटी और उसने किसान के सिर पर वार किया. शेरनी के इस आक्रामक रूप को देखकर खेतों में काम कर रहे अन्य मजदूरों और किसानों में भगदड़ मच गई. लोग अपनी जान बचाने के लिए खेतों में बने पक्के केबिनों और झोपड़ियों में छिप गए. एक ही रात में कई हमलों की खबर मिलते ही गिर पूर्व के वन विभाग में हड़कंप मच गया. सहायक वन संरक्षक राजन जाधव के नेतृत्व में वन विभाग की भारी-भरकम टीम और वन्यजीव विशेषज्ञ तुरंत मौके पर पहुंचे. वन विभाग ने शेरनी के पैरों के निशान ढूंढकर उसे चारों तरफ से घेरने की कोशिश शुरू की.

एमएसपी निर्धारण में पारदर्शिता की मांग: किसानों ने कहा, सरकार सार्वजनिक करे लागत और महंगाई का डेटा

नई दिल्ली, एजेंसी। किसान संगठनों ने केंद्र के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने के फैसले पर नाराजगी जताई है. वह इसलिए क्योंकि यह मौजूदा उत्पादन लागत में बढ़ोतरी से मेल नहीं खाता है. साथ ही सरकार ने 2027-28 सीजन के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में सिर्फ 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की है, जिससे यह 2,585 रुपये से बढ़कर 2610 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है.

सरकार ने कहा कि बदले हुए एमएसपी का मकसद किसानों को अच्छा रिटर्न देना है. हालांकि किसानों के प्रतिनिधियों ने सवाल उठाया है कि क्या यह बढ़ोतरी खेती की बढ़ती लागत को ठीक से दिखाती है. किसान नेताओं ने मांग की है कि सरकार को हर फसल के लिए एमएसपी तय करते समय लागत और महंगाई से जुड़े डेटा जारी करने चाहिए. उनका तर्क है कि इनपुट लागत (कुल खर्च होने वाली धन राशि) काफी बढ़ गई है.

इन चिंताओं की ओर इशारा करते हुए, भारतीय किसान यूनियन (अपॉलिटिकल) के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने ईटीवी भारत को बताया, 'एमएसपी की घोषणा के साथ-साथ, सरकार को किसानों के खेती के खर्च और महंगाई में बढ़ोतरी का डेटा भी जारी करना चाहिए. '

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण किसानों को लगभग डेढ़ गुना अधिक कीमत पर हर्बिसाइड और पेस्टिसाइड खरीदने पड़ रहे हैं. इसी तरह डीजल की कीमतें भी बढ़ी हैं. जबकि सल्फर और अन्य पोषक तत्वों की कीमतों में काफी वृद्धि दर्ज की गई है. हालांकि सरकार

ने गेहूं के एमएसपी में केवल 25 रुपये की वृद्धि की है, जिससे यह 2610 रुपये प्रति क्विंटल तय हो गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि गेहूं के एमएसपी में 0.96 प्रतिशत की बढ़ोतरी धोखा है.

मलिक ने कहा कि सरकार की किसान विरोधी नीतियों की वजह से किसानों का कर्ज लगातार बढ़ रहा है. किसान यह भी जानना चाहते हैं कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना और पंतनगर ने गेहूं की पैदावार की क्या लागत निकाली है. यह जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए. संयुक्त किसान मोर्चा समन्वय समिति के सदस्य पी कृष्ण प्रसाद ने ईटीवी भारत को बताया, 'कमीशन सी2 लागत का निजी तौर पर मूल्यांकन करता है ताकि यह पक्का हो सके कि सुझाई गई एमएसपी कम से कम बड़े उत्पादन वाले राज्यों में पूरी अवसर लागतों को कवर करे. क्योंकि सरकार सी2 पर 50 प्रतिशत प्रॉफिट मार्जिन की गारंटी नहीं देती है (जो स्वामीनाथन कमीशन फॉर्मूला की मांग कर रहे किसान यूनियनों के साथ विवाद का एक मुख्य मुद्दा बना हुआ है), सी2 डेटा को 'मुख्य कार्यकारी घोषणा से बाहर रखा जाता है. '

उन्होंने कहा कि एमएसपी कितना सही है, इसका अंदाजा लगाते समय खेती के खर्च में बढ़ोतरी, खाने की चीजों की कीमतों और घर के रहने के खर्च पर भी ध्यान देना होगा. एमएसपी के मुद्दे पर किसान नेता आशीष मित्तल ने ईटीवी भारत से कहा, 'अगर खेती से मिलने वाला रिटर्न कम होता रहा, तो किसानों पर कर्ज बढ़ेगा. उन्हें अपनी जमीन गिरवी रखने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है या वे अपनी जमीन खो सकते हैं जिससे खेती में गिरावट आएगी. इससे खेती और शहरों में मजदूरी की दरें भी कम हो सकती हैं जिससे मजदूरी सस्ती हो जाएगी. ' इस बीच कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक्स पर पोस्ट किया, 'कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की रिपोर्ट, 'रबी फसलों के लिए मूल्य नीति 2027-28' की घोषणा के 48 घंटे बाद भी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध नहीं कराई गई है. जब किसान रबी एमएसपी 2027-28 की घोषणा से हुए इस क्रूर मजाक पर दुख और आक्रोश जता रहे हैं, तो सवाल यह है कि मोदी कैबिनेट उस रिपोर्ट के आधार पर एमएसपी का फैसला कैसे कर सकती है, जो उपलब्ध ही नहीं है या गायब है. 'शायद प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री (जो इन दिनों प्रेस कॉन्फ्रेंस और इवेंट मैनेजमेंट में व्यस्त हैं) ने निर्देश दिया है कि इस रिपोर्ट को छिपाकर ही रखा जाए. सच यह है किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है. एक तरफ खाद्य महंगाई के मुकाबले एमएसपी पर नकारात्मक रिटर्न और दूसरी तरफ एमएसपी के इर्द-गिर्द अपारदर्शिता. 'उन्होंने इसको लेकर एक्स पोस्ट पर एक चार्ट भी प्रकाशित किया है. उन्होंने कहा चार्ट इस सच्चाई को उजागर करता है कि खाद्य महंगाई के सामने एमएसपी की बढ़ौतरी की रिटर्न किसान के लिए नेगेटिव है।

काशापाठ में मुख्यमंत्री सुक्खू की खास मेहमाननवाजी, पहाड़ी स्वाद से सजी थाली, पारंपरिक अंदाज में हुआ स्वागत

रामपुर, एजेंसी। 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शुक्रवार को शिमला जिले के दुर्गम क्षेत्र काशापाठ पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया, मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए ग्रामीणों ने जहां पारंपरिक संस्कृति की झलक पेश की, वहीं स्थानीय महिलाओं ने पहाड़ी स्वाद से सजी खास थाली तैयार कर मेहमाननवाजी की. महिलाओं ने दिनभर मेहनत कर पारंपरिक व्यंजन तैयार किए. काशापाठ पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्वागत स्थानीय बजंतरियों ने पारंपरिक तरीके से बेड़ देकर किया. महिलाओं ने प्राकृतिक फूलों और लोसरू से तैयार की गई फूल मालाओं से मुख्यमंत्री का स्वागत किया. इस दौरान महिलाएं पारंपरिक भेष-भूषा में नजर आईं, जिससे पूरा माहौल हिमाचली संस्कृति के रंग में रंगा दिखाई दिया.

स्थानीय निवासी कमलादेवी ने बताया कि मुख्यमंत्री के लिए तैयार की गई पारंपरिक थाली में स्थानीय मोटे अनाज से तैयार किए गए कई व्यंजन शामिल किए गए हैं. इनमें ओगले के चुड़े, फाफरे के चील्टू, भीतुभात, कौदे की रोटी, तुलसी की खीर और तुलसी की रोटी सहित अन्य पारंपरिक पकवान शामिल किए गए. स्थानीय महिलाओं का कहना है कि इन व्यंजनों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध खान-पान की परंपरा और स्थानीय अनाज की विशेषता को मुख्यमंत्री के सामने रखा गया.

पारंपरिक पहनावे से बढ़ाया स्वागत का मान

मुख्यमंत्री को क्षेत्रवासियों की ओर से ऊन का छुपटा, ऊन का पजामा, ऊनी टोपी और गाची पहनाकर सम्मानित किया गया. वहीं महिलाओं ने भी पारंपरिक परिधान पहनकर कार्यक्रम में भाग लिया. काशापाठ में मुख्यमंत्री के स्वागत के दौरान स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक वाद्य यंत्र, लोक पहनावा और पहाड़ी व्यंजनों का अनूठा संगम देखने को मिला. इससे ग्रामीणों ने अपनी लोक परंपराओं और संस्कृति को मुख्यमंत्री के समक्ष जीवंत रूप में प्रस्तुत किया. इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का बच्चों के प्रति खास दुलार भी देखने को मिला. काशापाठ में मौजूद बच्चों से उन्होंने आत्मीयता से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और स्नेहपूर्वक बातचीत की. मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चे भी काफी उत्साहित नजर आए. मुख्यमंत्री के सामने काशापाठ में छात्राओं ने पारंपरिक नाटी की शानदार प्रस्तुति दी.

बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाकों में वायुसेना का राहत अभियान, हेलीकॉप्टरों से 10 टन सामग्री पहुंचाई गई

पटना , एजेंसी। नेपाल और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में सितंबर के अंतिम सप्ताह में हुई अत्यधिक बारिश के बाद राज्य के छह जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इस बीच राहत और बचाव अभियान को तेज करते हुए भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने सारण के बाढ़ प्रभावित इलाकों में करीब 10 टन आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, दरभंगा और मुजफ्फरपुर के 30 प्रखंडों की 144 ग्राम पंचायतों में करीब 4.93 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। भारतीय वायुसेना की मध्य वायु कमान (सीएसी) के हेलीकॉप्टरों को गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर और तटबंधों में टूट के बाद 2 अक्टूबर को अल्प सूचना पर बिहार में राहत कार्य के लिए तैनात किया गया। पटना से संचालित हेलीकॉप्टरों ने दिनभर उड़ान भरते हुए सारण जिले के चकिया, पृथ्वीपुर, सतजोड़ा, करचोलिया और मकेर सहित प्रभावित क्षेत्रों में करीब 10 टन आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई। विषम परिस्थितियों और कठिन भूभाग के बीच चलाए गए इस अभियान के जरिए बाढ़ प्रभावित समुदायों तक जरूरी सहायता पहुंचाई गई। रक्षा प्रकोष्ठ के मुताबिक प्राकृतिक आपदा के समय नागरिक प्रशासन को सहयोग देने और प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए वायुसेना का अभियान जारी है। इधर, आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार प्रभावित लोगों के बीच अब तक करीब 68,600 पॉलीथिन शीट और 64,100 ड्राई राशन पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। ड्राई राशन के वितरण का कार्य अभी जारी है। आबादी के निष्क्रमण और आवागमन को सुगम बनाने के लिए कुल 323 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। आवश्यकता के अनुसार नावों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 242 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से अब तक करीब 5.22 लाख लोगों को भोजन कराया जा चुका है। इसके अलावा दो बाढ़ राहत शिविर भी संचालित हैं, जहां करीब 100 लोगों के लिए आवासन, भोजन और चिकित्सा समेत आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

फ्रांस में सड़कों पर छात्रों का गुस्सा नजर आ रहा

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में सड़कों पर छात्रों का गुस्सा नजर आ रहा है। कहीं स्कूलों के गेट पर नारे लग रहे हैं तो कहीं पुलिस और छात्रों के बीच टकराव की तस्वीरें सामने आ रही हैं। कुछ शहरों में हालात इतने बिगड़े कि आगजनी और सार्वजनिक परिवहन तक प्रभावित हुआ। इस आंदोलन की शुरुआत पेरिस के आसपास के कुछ हाईस्कूलों से हुई थी। लेकिन कुछ ही दिनों में प्रदर्शन दूसरे शहरों तक पहुंच गया और स्कूलों के भीतर की समस्याएं अब देशभर में चर्चा का विषय बन गई हैं।

ऐसे में सवाल उठता है कि छात्र आखिर क्यों नाराज हैं उनकी क्या मांगे हैं प्रदर्शन से कितने लोग प्रभावित हुआ हैं सरकार का क्या कहना है इस प्रदर्शन को किन-किन मुद्दों से जोड़ा जा रहा है

छात्रों की नाराजगी की असली वजह क्या है: फ्रांस के लाइसी यानी उच्च माध्यमिक स्कूलों में 15 से 18 साल के छात्र पढ़ते हैं। यहां छात्रों की प्रमुख शिकायतें बड़ी कक्षाओं, शिक्षकों की कमी, जर्जर स्कूल भवनों और लंबे पढ़ाई के समय को लेकर हैं। 15 साल की छात्रा केसिया ने रॉयटर्स को बताया कि उसकी कक्षा में 35 छात्र हैं, पर्याप्त कुर्सियां नहीं हैं और एक घंटे का लंच ब्रेक भी सभी छात्रों के लिए पर्याप्त नहीं है। जून में पड़ी लगातार गर्मी के दौरान भी स्कूलों की खराब हालत सामने आई। कई इमारतों में इन्सुलेशन की व्यवस्था खराब थी और एयर कंडीशनिंग नहीं थी।

कई जगह शिक्षक अनुपस्थित थे और उनकी जगह दूसरे शिक्षक नहीं मिले। शिक्षकों में भी काम की परिस्थितियों और वेतन को लेकर असंतोष है।

प्रदर्शन की शुरुआत कहां से हुई: सितंबर के मध्य में पेरिस के आसपास के लाइसी में छोटे स्तर पर प्रदर्शन शुरू हुए। रॉयटर्स के मुताबिक, आंदोलन करीब 10 दिन पहले पेरिस के उपनगर क्रेतेय के सेंट-एक्जुपेरी हाई स्कूल से शुरू हुआ था। सोशल मीडिया के जरिए प्रदर्शन तेजी से दूसरे शहरों तक पहुंचा। छात्रों ने स्कूलों के गेट रोकने शुरू किए और कई जगह पुलिस से टकराव हुआ। फ्रांस के 3,700 लाइसी में से 1,027 स्कूल प्रभावित हुए। विश्वविद्यालय के छात्र भी आंदोलन में शामिल हुए और 30 विश्वविद्यालय परिसरों में नाकाबंदी की गई।

कब बढ़ गया तनाव- 1 अक्तूबर को आंदोलन ने बड़ा रूप ले लिया। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक 1,020 से ज्यादा हाई स्कूल प्रदर्शन या हड़ताल से प्रभावित हुए और 222 जगहों पर नाकाबंदी हुई। 28 सितंबर को ऐसी 180 नाकाबंदी थीं। कई शहरों में कूड़ेदानों में आग लगाई गई और इन घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। नांत के नेल्सन मंडेला हाई स्कूल के प्रवेश हिस्से में आग लगी। स्ट्रासबर्ग, ऑर्लियाँ, नाइस, ला रोशेल और मार्सेय में सार्वजनिक परिवहन कुछ समय के लिए बंद किया गया।

पुतिन के सामने रूसी ड्रोन वॉर मशीन का प्रदर्शन, 600 ड्रोन्स ने आसमान में दिखाई ताकत

मॉस्को। रूस के रणनीतिक सैन्य अभ्यास सेंटर 2026 के अंतिम चरण से बेहद चौंकाने वाले देखने को मिले, मैदान-ए-जंग में ड्रोनों ने लक्ष्यों पर भीषण बमबारी की, जिसके जोरदार धमाकों से पूरा इलाका दहल उठा।समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2 अक्टूबर को चेल्याबिंस्क क्षेत्र के चेबरकुलस्की ट्रेनिंग ग्राउंड पहुंचकर इस युद्धाभ्यास का निरीक्षण किया।इन तस्वीरों और वीडियो से साफ पता चलता है कि आधुनिक युद्ध में रूस का ध्यान अब पूरी तरह से ड्रोन तकनीक और सटीक मारक क्षमता को मजबूत करने पर केंद्रित हो चुका है। अभ्यास के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने स्पष्ट किया कि इस व्यापक सैन्य ड्रिल का मुख्य उद्देश्य सेना के कमांडरों और शीर्ष अधिकारियों को किसी भी संभावित बाहरी खतरे और हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार करना है।उन्होंने अभ्यास स्थल पर जाकर रणनीति और सैन्य तैयारियों की गहन समीक्षा की और जवानों का हौसला बढ़ाया।इस विशाल रणीतिक अभ्यास में 11 ट्रेनिंग रेंजों और कैस्पियन सागर में

करीब 47,000 सैनिकों ने हिस्सा लिया, जबकि इसके अंतिम चरण में लगभग 6,000 सैनिक शामिल हुए।रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने आधिकारिक बयान में जानकारी दी कि केवल चेबरकुलस्की ट्रेनिंग ग्राउंड पर ही करीब 700 सैन्य वाहन व हथियार, 600 से अधिक लड़ाकू ड्रोन और 60 से ज्यादा रोबोटिक सिस्टम युद्ध की तैयारी के लिए मैदान में उतारे गए थे। रूस के इस रणनीतिक अभ्यास में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का बड़ा प्रदर्शन देखने को मिला। इसमें चीन प्रमुख भागीदार के रूप में शामिल हुआ, जबकि बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, मंगोलिया और पाकिस्तान की सेनाओं ने भी युद्धाभ्यास में भागीदारी की।इन देशों की सेनाओं को संयुक्त रूप से दुश्मन के किसी भी बाहरी हमले का एकजुट होकर मुकाबला करने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रपति पुतिन ने अभ्यास के दौरान नए जेट-इंजन वाले जेरान ड्रोनों का भी बारीकी से निरीक्षण किया। इन ड्रोनों का इस्तेमाल रूसी सेना यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में करती रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि रूस यूक्रेन संघर्ष के जमीनी अनुभवों और वहां सीखी गई रणनीतियों को तेजी से अपने सैन्य अभ्यासों और नई तकनीक में शामिल कर रहा है।

इलॉन मस्क का भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप:शिवॉन बोलीं- एक हफ्ते में ही आई लव यू कहा था

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला कंपनी के मालिक इलॉन मस्क का उनकी भारतीय मूल की गर्लफ्रेंज से ब्रेकअप हो गया है। न्यूरालिंक की एग्जीक्यूटिव शिवॉन जिलिस ने मस्क के साथ ब्रेकअप होने की पुष्टि की है। दोनों के साथ में 4 बच्चें हैं।

उन्होंने शुक्रवार को ङ्क पर पोस्ट कर बताया कि मस्क ने एक हफ्ते में ही आई लव यू कहा था लेकिन उन्होंने अचानक ब्रेकअप कर लिया। उन्होंने बताय कि उन्हें इसकी पहले से कोई वॉर्निंग नहीं मिली थी।

जिलिस ने कहा- मैं इस ब्रेकअप से दुखी हूं, लेकिन मस्क की अब भी बहुत परवाह करती हूं। मैं चाहूंगी कि वे हमेशा खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों आगे भी अच्छे दोस्त रहेंगे और अपने बच्चों की साथ में परवरिश करेंगे। शिवॉन जिलिस और इलॉन मस्क के 4 बच्चे हैं। इनमें जुड़वां बच्चे स्ट्राइडर और एज्योर, बेटी अर्काडिया और बेटा सेल्डन लाइकर्गस शामिल हैं। मस्क ने 2021 में जुड़वां बच्चों के जन्म की जानकारी दी थी।

वहीं, अर्काडिया का जन्म 2024 में हुआ था।

इसके बाद जिलिस ने 28 फरवरी 2025 को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए चौथे बच्चे सेल्डन लाइकर्गस के जन्म की जानकारी दी थी। हालांकि, उन्होंने बच्चे की सटीक जन्म तारीख नहीं बताई थी। सेल्डन इलॉन मस्क का 14वां बच्चा है। इलॉन मस्क 2 शादियां कर चुके हैं। जस्टिन विल्सन और तालुलाह रिले उनकी पत्नियां रहीं, जबकि एम्बर हर्ड, ग्रिम्स और शिवॉन जिलिस के साथ उनके रिश्ते चर्चा में रहे हैं। 1990 के दशक में कनाडा की क्वीन्स यूनिवर्सिटी में फिजिक्स की पढ़ाई के दौरान मस्क की मुलाकात इंग्लिश लिटरेचर की स्टूडेंट जस्टिन विल्सन से हुई। दोनों ने कई साल डेटिंग के बाद जनवरी 2000 में शादी की।

2002 में उनके पहले बेटे नेवाडा का जन्म हुआ। हालांकि, 10 हफ्ते की उम्र में इंफेंट डेथ सिंड्रोम से उसकी मौत हो गई। इसके बाद 2004 में कपल ने आईवीएफ के जरिए जुड़वां बच्चों विवियन और ग्रिफिन का स्वागत किया। 2006 में तीन बच्चे काई, सैक्सन और डेमियन भी आईवीएफ से हुए। 2008 में मस्क और जस्टिन विल्सन का तलाक हो गया।

तालुलाह रिले से 2 बार शादी की- 2008 में मस्क ने ब्रिटिश एक्ट्रेस तालुलाह रिले को डेट करना शुरू किया। दोनों ने 2010 में शादी की, लेकिन 2012 में तलाक हो गया। 2013 में दोनों ने दोबारा शादी कर ली। दिसंबर 2014 में तालुलाह ने दूसरी बार तलाक की अर्जी दायर की, लेकिन अगले साल इसे वापस ले लिया। मार्च 2016 में तालुलाह ने तीसरी बार तलाक की अर्जी दायर की और दोनों का तलाक हो गया। मस्क और तालुलाह के कोई बच्चे नहीं हैं। मस्क ने हॉलीवुड एक्ट्रेस एम्बर हर्ड को 2016 के अंत और 2017 की शुरुआत में कई महीनों तक डेट किया। एम्बर के पूर्व पति जॉनी डेप ने बाद में उन पर शादी के दौरान मस्क के साथ धोखा देने का आरोप लगाया था।हालांकि, मस्क और एम्बर दोनों ने इस रिलेशनशिप से इनकार किया। दोनों 2017 में अलग हो गए। नवंबर 2017 में मस्क ने बताया था कि वह एम्बर के साथ सच्चे प्यार में थे।

ग्रिम्स से रिश्ता, 3 बच्चे हुए-इलॉन मस्क और सिंगर ग्रिम्स ने अप्रैल 2018 में डेटिंग शुरू की। मई 2020 में कपल ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। इसका नाम ङ्क ृ-12 रखा गया। दिसंबर 2021 में सरोगेसी के जरिए बेटी एक्सा डार्क साइडरेल हुई। 2022 में दोनों अलग हो गए। बाद में कपल के तीसरे बच्चे टेक्नो मैकेनिकस के बारे में भी जानकारी सामने आई। बच्चे की सही जन्मतिथि और उसके बारे में बहुत कम जानकारी सार्वजनिक है। इसके बाद इलॉन मस्क का शिवॉन जिलिस के साथ रिश्ता सामने आया। दोनों के 4 बच्चे हैं। नवंबर 2021 में जुड़वां बच्चों स्ट्राइडर और एज्योर का जन्म हुआ। इसके बाद 2024 में बेटी आर्केडिया और फरवरी 2025 में बेटे सेल्डन लिकर्गस का जन्म हुआ। 15 फरवरी 2025 को अमेरिकी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और राइटर एश्ले सेंट क्लेयर ने दावा किया था कि वे टेस्ला कंपनी के मालिक इलॉन मस्क के बेटे की मां हैं। क्लेयर ने कहा कि उसने 5 महीने पहले सीक्रेट तौर पर इस बच्चे को जन्म दिया है, लेकिन सेफ्टी और प्राइवेसी के चलते पहले इसकी घोषणा नहीं की। इलॉन मस्क लंबे समय से घटती जन्मदर को दुनिया और मानव सभ्यता के लिए खतरा बताते रहे हैं। वे कई बार ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील कर चुके हैं। 2021 में उन्होंने कहा था कि अगर लोग ज्यादा बच्चे पैदा नहीं करेंगे तो सभ्यता खत्म हो जाएगी। 2015 में प्रकाशित उनकी बायोग्राफी में मस्क ने कहा था कि वह सिर्फ स्मार्ट लोगों से बच्चे पैदा करने के लिए नहीं कह रहे हैं, लेकिन स्मार्ट लोगों को भी बच्चे पैदा करने चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,